Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi

Ranchi ● Saturday, 10 February 2024 ● Year : 02 ● Issue : 24 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com E-Paper : epaper.thephotonnews.com

सुविचार

नाकामिया आपको अपनी गलती सुधारने और वापस दोगुनी ताकत से सफल होने के लिए प्रेरित करती है।

आलिया भट्ट ने क्राइम सीरीज पोचर को ...

SHARE

सेंसेक्स	:	71,595.49
निफ्टी	:	21,782.50

SARAFA

सोना	:	5,950
चांदी	:	77.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

झारखंड कैबिनेट की बैठक 12 फरवरी को

RANCHI : मुख्यमंत्री चंपाई सरकार की दूसरी कैबिनेट की बैठक अपराह्न चार बजे से प्रोजेक्ट भवन स्थित मंत्रिपरिषद कक्ष में 12 फरवरी को होगी। इससे पहले दो फरवरी को पहली बैठक हुई थी, जिसमें तीन प्रस्तावों को मंजूरी दी गई थी। 12 फरवरी को होने वाली बैठक की जानकारी मंत्रिमंजल सचिवालय एवं निगरानी विभाग ने दे दी है। इस बैठक में भी सिर्फ दो मंत्री आलमगीर आलम और सत्यानंद भोक्ता ही शामिल होंगे। इसकी वजह यह है कि 16 फरवरी को कैबिनेट का विस्तार होना है।

दिल्ली बनी क्राइम कैपिटल नजफगढ़ में अंधाधुंध फायरिंग, दो लोगों की मौत

NEW DELHI : नेशनल कैपिटल एक बार फिर क्राइम कैपिटल बन गई है. देश की राजधानी दिल्ली में अंधाधुंध फायरिंग में दो लोगों की मौत हो गई है. मामला दिल्ली के नजफगढ़ का है, जहां एक सैलून में अचानक से फायरिंग होने लगी. फायरिंग के बाद पूरे इलाके में हडपकंप मच गया. वहीं गोली लगने से दो लोगों की मौत हो गई.मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक फायरिंग में गोली लगने से दो लोगों की मौत हो गई. वहीं, घटना की सूचना मिलने पर आनन-फानन में पुलिस मौके पर पहुंची. पुलिस ने गोली लगने से घायल हुए दोनों लोगों को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया.

नक्सली मुठभेड़ में घायल जवानों को विशेष विमान से भेजा गया दिल्ली

RANCHI चतरा में नक्सली मुठभेड़ में घायल हुए जवान आकाश सिंह को आर्किड अस्पताल से ग्रीन कॉरिडोर बनाकर शुक्रवार को एयरपोर्ट ले जाया गया। वहां से उन्हें दिल्ली एम्स ले जाया गया। सिटी एसपी राजकुमार मेहता ने बताया कि घायल जवान को बेहतर इलाज के लिए ग्रीन कॉरिडोर बनाकर दिल्ली के एम्स ले जाया गया। उल्लेखनीय है कि सात फरवरी को चतरा में नक्सलियों से हुई मुठभेड़ में दो जवान सिकंदर सिंह और सुकन राम बलिदान हो गए थे। जबकि यूपी, भभुआ निवासी आकाश सिंह नामक जवान को गोली लगी थी। उन्हें चतरा से एयर लिफ्ट कर रांची के आर्किड अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

नरसिम्हा राव, चौधरी चरण सिंह और स्वामीनाथन को भारत रत्न

चौधरी चरण सिंह की फाइल फोटो।

पीवी नरसिम्हा राव की फाइल फोटो।

डॉ. एमएस स्वामीनायन की फाइल फोटो।

AGENCY NEW DELHI : केंद्र सरकार ने पीवी नरसिम्हा राव, चौधरी चरण सिंह और एमएस स्वामीनाथन को भारत रत्न (मरणोपरांत) देने की घोषणा की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीनों शख्सियतों को देश का सबसे बड़ा नागरिक सम्मान देने की जानकारी सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीरों के साथ शेयर की। चौधरी चरण सिंह देश के पांचवें और नरसिम्हा राव नौवें प्रधानमंत्री थे। वहीं कृषि वैज्ञानिक स्वामीनाथन को हरित क्रांति का जनक कहा जाता है। ढट की घोषणा पर चौधरी चरण सिंह के पोते और राष्ट्रीय लोकदल के प्रमुख जयंत चौधरी ने लिखा- दिल जीत लिया।

2014 में सत्ता संभालने के बाद से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा दिया गया यह दसवां भारत रत्न है। इससे पहले 3 फरवरी को भाजपा के वयोवृद्ध नेता लालकृष्ण आडवाणी और 23 जनवरी को बिहार के पूर्व उट कपूर्री ठाकुर (मरणोपरांत) को भारत रत्न देने का ऐलान किया गया।

इस तरह इस साल 5 हस्तियों को यह सम्मान देने का ऐलान हो चुका है। इनके अलावा मोदी के कार्यकाल में मदन मोहन मालवीय, अटल बिहारी वाजपेयी, प्रणब मुखर्जी, भूपेन हजारिका और नानाजी देशमुख को यह सम्मान मिल चुका है। आज की तीन हस्तियों को मिलाकर इस सम्मान को हासिल करने वालों में अब तक कुल 53 लोग शामिल हो चुके हैं।

प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर लिखा- हमारी सरकार का यह सौभाग्य है कि देश के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह जी को भारत रत्न से सम्मानित किया जा रहा है। यह सम्मान देश के लिए उनके अतुलनीय योगदान को समर्पित है। उन्होंने किसानों के अधिकार और उनके कल्याण के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया था।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे हों या देश के गृहमंत्री और यहां तक कि एक विधायक के रूप में भी, उन्होंने हमेशा राष्ट्र निर्माण को गति प्रदान की। वे आपातकाल के विरोध में भी डटकर खड़े रहे। हमारे किसान भाई-बहनों के लिए उनका समर्पण भाव और इमरजेंसी के दौरान लोकतंत्र के लिए उनकी प्रतिबद्धता पूरे देश को प्रेरित करने वाली है।

पीएम मोदी ने लिखा- प्रधानमंत्री के रूप में नरसिम्हा राव गारू का कार्यकाल महत्वपूर्ण उपायों द्वारा चिह्नित किया गया था, जिसने भारत को वैश्विक बाजारों के लिए खोल दिया, जिससे आर्थिक विकास के एक नए युग को बढ़ावा मिला।

इसके अलावा, भारत की विदेश नीति, भाषा और शिक्षा क्षेत्रों में उनका योगदान एक ऐसे नेता के रूप में उनकी बहुमुखी विरासत को रेखांकित करता है, जिन्होंने न केवल महत्वपूर्ण परिवर्तनों के माध्यम से भारत को आगे बढ़ाया बल्कि इसकी सांस्कृतिक और बौद्धिक विरासत को भी समृद्ध किया।

पीएम मोदी ने लिखा- यह बेहद खुशी की बात है कि भारत सरकार कृषि और किसानों के कल्याण में हमारे देश में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए डॉ. एमएस स्वामीनाथन जी को भारत रत्न से सम्मानित कर रही है।

उन्होंने चुनौतीपूर्ण समय के दौरान भारत को कृषि में आत्मनिर्भरता हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और भारतीय कृषि को आधुनिक बनाने

मोदी ने खोला 'भारत रत्न' का पिटारा एक साल में पांच लोग सम्मानित

NEW DELHI : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को घोषणा करते हुए कहा कि पूर्व प्रधानमंत्रियों पीवी नरसिम्हा राव और चौधरी चरण सिंह के साथ-साथ कृषि वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथन को देश का सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार, भारत रत्न दिया जा रहा है। इससे पहले केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार कपूर्री ठाकुर और लाल कृष्ण आडवाणी को भी भारत देने की घोषणा कर चुकी है। ये पहली बार है जब एक साल में पांच लोगों को भारत रत्न देने की घोषणा हुई है। इससे पहले 1999 में इसे चार लोगों को दिया गया था। पीवी नरसिम्हा राव, चौधरी चरण सिंह और एमएस स्वामीनाथन को भारत रत्न देने के फैसले से देश का सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार पाने वालों की संख्या 53 हो गई है।

लोग उठा रहे सवाल, एक साल में पांच लोगों को कैसे दिया भारत रत्न

NEW DELHI : केंद्र सरकार ने साल 2024 की शुरूआत में ही कपूर्री ठाकुर, लालकृष्ण आडवाणी, पूर्व पीएम नरसिम्हा राव, चौधरी चरण सिंह और वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथन को भारत रत्न देने का ऐलान किया है। कुल मिलाकर अभी तक इस साल में पांच हस्तियों को भारत रत्न से सम्मानित करने की घोषणा की गई है। भारत रत्न की घोषणा होते ही सोशल मीडिया पर बधाई देने तांता लग गया लेकिन उन सभी बधाईयों और शुभकामनाओं के बीच कुछ लोग एक साल में 5 लोगों को भारत रत्न देने पर सवाल उठा रहे हैं। इसके साथ ही कई लोगों के मन में ये भी सवाल है कि एक साल में कितने लोगों को भारत रत्न से सम्मानित किया जा सकता है।

सीएम ने कोल्हान को दी अबुआ आवास योजना की सौगात, बोले-

सभी योजनाएं समय सीमा पर होंगी पूरी, गरीबों के साथ न हो अन्याय

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : झारखंड के मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने शुक्रवार को कोल्हान प्रमंडल के तीन जिलों को अबुआ आवास योजना की सौगात दी। मुख्यमंत्री ने पहले चरण में 24,827 लाभुकों के बैंक अकाउंट में 74.48 करोड़ रुपए ट्रांसफर किए। साथ ही अधिकारियों को नसीहत दी कि आवेदन के अनुरूप ही लाभुकों का चयन हो। किसी गरीब के साथ अन्याय नहीं होना चाहिए। उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों से कहा कि गरीबों को योजनाओं का लाभ दिलाने में अपनी भूमिका निभाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि योजना में किसी प्रकार की गड़बड़ी नहीं होनी चाहिए, यह अधिकारी सुनिश्चित करें। चंपाई सोरेन ने केंद्रीय जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर भी जमकर निशाना साधा। जमशेदपुर के बिष्टुपुर स्थित गोपाल मैदान में आयोजित अबुआ आवास योजना स्वीकृति पत्र वितरण समारोह को संबोधित करते हुए चंपाई सोरेन ने कहा कि झारखंड को सजाना-संवारना हमारा काम है। हेमंत बाबू के जेल जाने के बाद जो काम अधूरे रह गए हैं, उसे हम पूरा करेंगे।

समयसीमा में पूरी होंगी सभी योजनाएं : उन्होंने यह भी कहा कि सरकार की सभी योजनाएं समयसीमा के अंदर पूरी होंगी।

अबुआ आवास योजना के लाभुकों को स्वीकृति पत्र प्रदान करते सीएम व अन्य। ● फोटोन न्यूज

भाजपा सरकार पर बोला हमला

सीएम चंपाई सोरेन ने पूर्व की भाजपा सरकारों पर जमकर हमला बोला। कहा कि डबल इंजन की कई सरकारें आईं। अब उनका एक इंजन खराब हो चुका है। यह इंजन अब कभी ठीक नहीं होगा। उन्होंने कहा कि इन लोगों ने झारखंड को लूटा, बदनाम किया। ये लोग भ्रष्टाचार की बात करते हैं। हेमंत सोरेन ने झारखंड में विकास किया। आम लोगों के हित में योजनाएं बनाईं। उसे लागू करने के लिए प्रशासनिक अधिकारियों को पंचायतों तक भेजा। केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री आवास देने से मना कर दिया, तो हेमंत बाबू (हेमंत सोरेन) ने अपने दम पर अबुआ आवास योजना की परिकल्पना की। आज इसकी शुरूआत भी हो गई है।

बेहतर शिक्षा हासिल करें बच्चे

झारखंड के मुख्यमंत्री ने बच्चों से अपील की कि वे बेहतर शिक्षा हासिल करें। इसके लिए हेमंत सोरेन ने जो परिकल्पना की थी, उसको हम साकार करेंगे। आदिवासी बच्चों को भी बेहतर शिक्षा मिले, इसके लिए उन्होंने मॉडल स्कूल खोले। गुरुजी क्रेडिट कार्ड की शुरूआत की। सावित्री बाई फूले किशोरी समृद्धि योजना की शुरूआत की। हेमंत सोरेन के इन दूरदर्शी कार्यों की वजह से विपक्ष घबरा गया। इसलिए साजिश के तहत उन्हें केंद्रीय एजेंसियों के जरिए जेल में बंद कर दिया।

खेतों को 12 महीने मिलेगा पानी

चंपाई सोरेन ने कहा कि गठबंधन की सरकार पाइपलाइन के जरिए झारखंड में खेतों तक पानी पहुंचाएगी। खेतों में अब 12 महीने पानी मिलेगा। उन्होंने कहा कि जमशेदपुर में अगर डिमना लेक का पानी 10 तल्ला मकान तक पहुंच सकता है, तो किसानों के खेत तक पानी क्यों नहीं पहुंच सकता। हम स्वर्णरेखा, खरकई के पानी को खेतों तक पहुंचाएंगे।

राज्य में भाईचारा और बंधुत्व का भाव बढ़ेगा। आंदोलनकारियों के त्याग से झारखंड बना है, हम सबको मिलकर इसको संवारना है। आवास योजना के लक्ष्य को हासिल करना है।

चंपाई सोरेन ने गोपाल मैदान से शिबू सोरेन के आंदोलन का भी जिक्र किया। कहा कि शिबू सोरेन और हेमंत सोरेन ने कभी समझौता नहीं किया, इसलिए हेमंत बाबू को जेल जाना पड़ा। उन्होंने कहा कि सच्चाई की कभी हार नहीं होती। आज महागठबंधन ने जो जिम्मेदारी मुझे दी है, मैं उसका पूरी ईमानदारी से निर्वहन करूंगा। हमारी सरकार हर गरीब और जरूरतमंद के साथ खड़ी रहेगी। हम चाहते हैं कि झारखंड की खनिज संपदा का उचित उपयोग हो, ताकि हमारा प्रदेश विकसित बने। ये आपकी सरकार है। ये सरकार गांव से ही चलेगी। हर गांव को सजाना है, संवारना है। छूटे गांवों में बिजली पहुंचाना है।

झारखंड को विकसित प्रदेश बनाना है : चंपाई सोरेन

खुद को हेमंत सोरेन पार्ट-2 बताने वाले चंपाई सोरेन ने कहा कि जमशेदपुर और अन्य क्षेत्रों में बहुत अंतर है। जमशेदपुर से सटे आदित्यपुर औद्योगिक क्षेत्र में आधारभूत संरचना तैयार करने का मन बनाया है। यहां की निजी कंपनियों में 50 फीसदी आदिवासी, मूलवासी को नौकरी मिलेगी। इससे आदिवासी समृद्ध होंगे। मुझे पूरा भरोसा है कि झारखंड प्रशासन के सभी पदाधिकारी सरकार की योजनाओं को लागू करने में अहम भूमिका निभाएंगे।

पूछताछ के बाद ईडी दफ्तर से बाहर निकले विनोद सिंह और पिंटू

- जांच के दौरान ईडी को मिले विनोद सिंह के मोबाइल में कई ऑडियो-वीडियो।
- इससे पहले ईडी ने अभिषेक प्रसाद और विनोद सिंह के घर पर की थी छापामारी।

PHOTON NEWS RANCHI : पूर्व सीएम के प्रेस सलाहकार रहे अभिषेक प्रसाद उर्फ पिंटू और सत्ता शीर्ष के करीबी विनोद सिंह से ईडी ने लंबी पूछताछ की। शुक्रवार की रात लंबी पूछताछ के बाद विनोद सिंह और पिंटू को ईडी ने जाने की अनुमति दे दी। दोनों ईडी दफ्तर से बाहर निकल गये हैं। ईडी ने हेमंत सोरेन, अभिषेक प्रसाद और विनोद सिंह को आमने सामने बैठाकर पूछताछ की थी।

पावर ब्रोकर विनोद सिंह का वाट्सएप्प चैट इन दिनों चर्चा में है। सात फरवरी को आईएएस शशि रंजन समेत तीन अफसरों की पोस्टिंग के लिए भेजे गए मैसेज का चैट वायरल हुआ था। इस बीच एक सूत्र ने दावा किया है, कि विनोद सिंह कई दूसरे ब्यूरोक्रेट्स की पोस्टिंग को लेकर भी सक्रिय रहा था। इनमें कई आईएएस व आईपीएस शामिल हैं। ईडी ने कोर्ट में जो रिपोर्ट सौंपी है, उसमें दावा किया है कि विनोद सिंह अफसरों की ट्रांसफर-पोस्टिंग में शामिल था। जांच इस बात की हो रही है कि उसके चैट में जिन अफसरों के नाम हैं, उनकी पोस्टिंग हुई या नहीं।

जांच के दौरान ईडी को विनोद सिंह के मोबाइल में कई ऑडियो-वीडियो मिले हैं। जिसकी पड़ताल की जा रही है। यह जांचा जा रहा है कि ऑडियो-वीडियो का संबंध किन-किन अफसरों या दूसरे लोगों से है। माना जा रहा है कि इसी के आधार पर ईडी की आगे की कार्रवाई शुरू होगी।

इससे पहले ईडी ने अभिषेक प्रसाद और विनोद सिंह के घर पर छापामारी की थी। छापमारी में ईडी को कई तरह के दस्तावेज मिले थे। जेएसएससी द्वारा ली गई परीक्षाओं में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों के एडमिट कार्ड की फोटो कॉपी भी मिली है। उल्लेखनीय है कि ईडी ने तीन दिन पहले राज्य पुलिस को पत्र लिखकर जेएसएससी द्वारा ली गई परीक्षा के पेपर लीक मामले को लेकर दर्ज प्राथमिकी के बारे में जानकारी मांगी है। माना जा रहा है कि ईडी जल्द ही इस मामले की जांच शुरू कर सकता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ईटी नाउ ग्लोबल बिजनेस समिट में विपक्ष पर साधा निशाना, बोले-

देश को कंगाली की राह पर ले जा रही थीं पहले की नीतियां

AGENCY NEW DELHI : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को श्वेत पत्र के बारे में बोलते हुए कहा कि 2014 के पहले के 10 साल में देश जिन नीतियों पर चला, वो वाकई देश को कंगाली की राह पर ले जा रही थीं।

प्रधानमंत्री मोदी ने ईटी नाउ ग्लोबल बिजनेस समिट में विपक्ष पर हमला बोला। प्रधानमंत्री ने कहा कि 2014 के पहले के 10 साल में देश जिन नीतियों पर चला, वो वाकई देश को कंगाली की राह पर ले जा रही थीं। इस बारे में संसद के इसी सेशन में एक श्वेत पत्र भी रखा गया है।

उन्होंने कहा कि पहले एसी कमरों में बैठकर गरीबी हटाने की फॉर्मूले पर डिबेट होती रही और गरीब, गरीब ही बना रहा। लेकिन 2014 के बाद जब गरीब का बेटा प्रधानमंत्री हुआ तो गरीबी के नाम

पर चल रही ये इंडस्ट्री ठप हो गई। क्योंकि गरीबी से निकलकर मैं यहां तक पहुंचा हूं, इसलिए गरीबी क्या होती है मुझे पता है। पिछले 10 साल में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए हैं।

उन्होंने कहा कि हमारा शासन मॉडल दो धाराओं पर एक साथ आगे बढ़ रहा है। एक तरफ, हम 20वीं सदी की जो चुनौतियां विरासत में मिली हैं, उनको भी हल कर रहे हैं। दूसरी तरफ, 21वीं सदी की आकांक्षा को पूरा करने में भी जुटे हुए हैं।

उन्होंने कहा कि आज दुनिया के हर विकास विशेषज्ञ समूह में चर्चा है कि कैसे 10 साल में भारत ट्रांसफॉर्म हो चुका है। भारत के सामर्थ्य को लेकर दुनिया में ऐसा सकारात्मक भाव पहले कभी नहीं था। भारत की सफलता को लेकर दुनिया में ऐसा सकारात्मक भाव पहले कभी नहीं था। इसलिए ही लाल किले से मैंने कहा है-यही समय है, सही समय है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि किसी भी देश की विकास यात्रा में एक समय ऐसा आता है, जब सारी परिस्थितियां उसके फेवर में होती हैं। ये वो समय होता है जब वो देश अपने आपको, आने वाली कई-कई सदियों के लिए मजबूत बना लेता है। मैं भारत के लिए आज वही समय देख रहा हूं।

प्रधानमंत्री ने समिट की थीम - व्यवधान, विकास और विविधीकरण को आज के इस दौर में बहुत ही अहम बताते हुए कहा कि इस चर्चा में हर कोई इस बात से सहमत है कि यह भारत का समय है। उन्होंने कहा कि ये वो समय है- जब हमारी ग्रोथ रेट लगातार बढ़ रही है और राजकोषीय घाटा घट रहा है। ये वो समय है- जब हमारा निर्यात बढ़ रहा है और चालू खाता घाटा कम होती जा रही है। ये वो समय है जब हमारा उत्पादक निवेश रिकॉर्ड ऊंचाई पर है और महंगाई नियंत्रण में है। अवसर और आय दोनों बढ़ रही हैं और गरीबी कम हो रही है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारे बजट या फिर समग्र नीति निर्माण की चर्चा करेंगे, तो आपको इसमें कुछ प्रथम सिद्धांत दिखेंगे। और वो हैं - स्थिरता, अविरोध और निरंतरता। हमारे हर बजट में आपको चार कारक प्रमुख रूप से अवश्य दिखेंगे। पहला- पूंजीगत व्यय के रूप में रिकार्ड उत्पादक खर्च, दूसरा- कल्याणकारी योजनाओं पर अभूतपूर्व निवेश, तीसरा- फिजूलखर्च पर नियंत्रण और चौथा- वित्तीय अनुशासन। उन्होंने कहा कि हमने प्रोजेक्ट तेजी से पूरा करना और उन्हें समय पर खत्म करके भी देश के काफी पैसे बचाए।

राबड़ी, हेमा और मीसा को जमानत, कोर्ट ने एक लाख का बॉन्ड भरने को कहा

NEW DELHI : लैंड फॉर जॉब्स मामले में दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने राबड़ी देवी, मीसा भारती और हेमा यादव को सुनवाई की अगली तारीख तक अंतरिम जमानत दे दी है। कोर्ट ने तीनों को 1 लाख का बेल बॉन्ड भरने को कहा है। मामले की अगली सुनवाई 27 फरवरी को होगी। ईडी ने कोर्ट में 4751 पन्नों की चार्जशीट दाखिल की। इसके बाद कोर्ट ने नोटिस जारी कर ईडी से जवाब मांगा है। जानकारी के मुताबिक, राबड़ी देवी, मीसा भारती, हेमा यादव और हृदयानंद चौधरी की तरफ से कोर्ट में रेगुलर बेल फाइल किया गया था। कोर्ट में आरोपियों की याचिका पर सुनवाई के दौरान ईडी ने इसका विरोध किया। ईडी ने रेगुलर बेल के खिलाफ जवाब दाखिल करने की बात कही। ईडी ने कहा कि मामले की जांच चल रही है ऐसे में इन्हें रेगुलर बेल नहीं दी जानी चाहिए।

ईटी जांच में हुआ खुलासा, कई जमीनों पर किया बलपूर्वक कब्जा

PHOTON NEWS RANCHI : ईडी की अब तक की जांच में यह जानकारी सामने आई है कि बड़गाईं अंचल के राजस्व कर्मचारी भानू प्रताप ने बड़गाईं अंचल में रहते हुए कई भूखंडों के ऑफलाइन दस्तावेज (सरकारी कागज) में छेड़छाड़ की है। इतना ही नहीं ईडी की जांच में यह भी खुलासा हुआ है कि अपने चहेते लोगों को लाभ पहुंचाने के लिए और भूमि का नेचर बदलने के लिए भानू प्रताप ने पुराने डीड (रजिस्ट्री के दस्तावेज) बनवाए। भानू प्रताप के मोबाइल फोन में उस भूखंड के रिकॉर्ड भी मिले हैं, जिसपर कब्जा करने का आरोप पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर लगा है। वहीं ईडी का यह भी दावा है कि जमीन के ऑनलाइन और ऑफलाइन पेपर में हेरफेर कर भानू ने कई लोगों को लाभ पहुंचाया है। वहीं ऐसे कई भूखंड एजेंसी ने चिन्हित किए हैं, जिन्हें बलपूर्वक कब्जा किया गया है और कुछ खास लोगों के नाम पर उसके दस्तावेज तैयार किए गए हैं।

बता दें कि बड़गाईं अंचल के राजस्व कर्मचारी भानू प्रताप से ईडी अगले चार दिनों तक पूछताछ जारी रखेगी। कोर्ट ने इसकी इजाजत दे दी है। चार दिनों की रिमांड अवधि खत्म होने के बाद शुक्रवार को रांची ढटछअ (प्रीवेन्शन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की विशेष कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत किया गया। शुक्रवार को उसकी पेशी के दौरान ईडी ने एक बार फिर भानू से पूछताछ के लिए रिमांड को 7 दिनों की विस्तार दिए जाने का आग्रह कोर्ट से किया। जिसका भानू के अधिवक्ता ने विरोध किया। ईडी के विशेष लोक अभियोजक शिव कुमार उर्फ काका जी की बहस सुनने के बाद कोर्ट ने ईडी को भानू प्रताप प्रसाद से चार दिनों तक पूछताछ करने की अनुमति दे दी है।

टमाटर की रोगरोधी जातियां

टमाटर एक प्रमुख सब्जी फसल है और इसे सब्जियों का बादशाह भी कहा जाता है इसके उपयोग के बिना अन्य सब्जियों का स्वाद अधूरा ही रहता है। टमाटर के फलों में अनेक पोषक तत्व विटामिन सी थायमिन एवं राइबोफ्लोविन प्रचुर मात्रा में पाये जाते हैं यह फसल भिन्न-भिन्न ऋतुओं में कवकजनित, जीवाणुजनित, विषाणुजनित एवं सूत्रकृमिजनित रोगों से प्रभावित होती हैं। इन रोगों के कारण उत्पादन में प्रतिकूल प्रभाव होता है। इन रोगों से बचाव के लिए रोगरोधी प्रजातियों को उगाना सर्वोत्तम उपाय हैं।

सेलेक्शन- 120: इस किस्म में मोजेक कम लगता है। तथा वर्षाऋतु के लिये भी उपयुक्त होती है। मध्यम समय में (120-150) तैयार हो जाती है। फल बड़े आकार के होते हैं। उपज प्रति हेक्टेयर 250-275 क्विंटल होती है यह किस्म निमेटोड प्रतिरोधी है।

अविनाश 2: यह किस्म पर्णकुंचन रोग के प्रति सहनशील उच्च उपज, पौधे परिमित, सघन वृद्धि, फल अर्द्ध आयताकार, मध्यम आकार के हैं।

एच.एस.-101: यह किस्म टमाटर के पर्णकुंचन रोग के प्रति सहनशील है।पौधे परिमित तथा बौने होते हैं। फलों का रंग लाल, मध्यम आकार के, गोल तथा गुच्छों में होते हैं।

हिसार अनमोल: मूल ग्रन्थी सूत्रकृमि रोधी है। पौधे अर्ध अपरिमित, जल्दी पकने वाली, फल गोल तथा मध्यम से बड़े आकार के होते हैं।

पूसा हाइब्रिड-4: यह किस्म भी मूल ग्रन्थी सूत्रकृमि रोधी है। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान नई दिल्ली द्वारा विकसित, परिमित, विपुल उत्पादक गहरी हरी पत्तियों वाली संकर है। फल आकर्षक, गोलाकार, चिकने, औसत भार 70-80 तथा एक समान पकने वाले होते हैं।

अर्का श्रेष्ठ: जीवाणु मुरझान रोधी, पौधे अर्ध परिमित तता हल्की हरी पत्तियों वाले होते हैं। फल गोलाकार, सख्त, गहरे हरे, औसत आकार 75 ग्राम, सामान्य तापक्रम पर 7 दिनों तक संग्रहित किये जा सकते हैं। रोपण के 55-60 दिनों बाद फलना आरंभ करके 140 दिनों तक फलती रहती है। औसत उपज 700 क्विंटल प्रति हेक्टेयर होती है।

अर्का वर्धन: यह किस्म सूत्र कृमि रोधी है। पौधे अपरिमित होते हैं। फल चपटे गोलाकार, सख्त, गहरे लाल, हरे कंधों वाले, औसत भार 140-150 ग्राम के होते हैं।

माधुरी (बी.एस.एस.-39): बेजो शीतल बीज कंपनी, जालना द्वारा विकसित की गई है। पौधे परिमित, फल गहरे लाल, चपटे गोलाकार, मोटे छिलके वाले, औसत 100 ग्राम के फटने के प्रतिरोधी एवं उपज 500-700 क्विंटल प्रति हेक्टेयर पाई जाती है।

मीनाक्षी (बीएसएस-20)- फ्यूजेरियम विल्ट रोधी है। बेजो शीतल बीजकंपनी, जालना द्वारा विकसित अपरिमित संकर है। फल गहरे लाल गोलाकार और भार 80 ग्राम होता है। औसत उपज 600-1000 क्विंटल प्रति हेक्टेयर होती है।

कीटों से बचाएं तोरिया

पौध संरक्षण अर्थात् फसल सुरक्षा

तोरिया में लगभग एक दर्जन कीट एवं रोग हानि पहुंचाते हैं उनमें प्रमुख हैं। माहो, आरा मक्खी, पेंटेडबग और दीमक तथा रोगों में व्हाइट रस्ट अर्थात सफेद रतुआ, आल्टरनेरिया ब्लाइट अर्थात झुलसा रोग, डाउनी मिल्ड्यू और पाउडरी मिल्डयू प्रमुख है।

माहो– तोरिया में सबसे अधिक हानि इस कीट द्वारा होती है। इसकी संख्या में वृद्धि नम एवं बदली वाले मौसम में होती है। यह कीट बहुत छोटा लगभग तारामीरा के दाने जैसा हरे रंग का होता है। कीट कोशिकाओं का रस चूसते हैं। जिससे पौधों का विकास रुक जाता है एवं फलियां सिकुड़ने लगती हैं।

इसके बचाव के लिए फसल की बोनी अक्टूबर

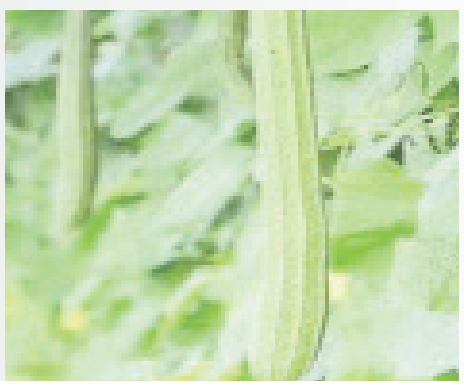

के प्रथम सप्ताह में करें। इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एसएल की 1 मिली मात्रा प्रति 3 लीटर पानी में या डायमिथियेट 30 ईसी की 2 मिली मात्रा प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

आरा मक्खी– तोरिया का यह कीट प्रारंभिक अवस्था अक्टूबर, नवम्बर में फसलों की पत्तियों को किनारे से खाकर नुकसान पहुंचाता है। इसकी एक खास पहचान यह है कि इसे स्पर्श करने पर शीघ्र ही यह अपने शरीर की कुंडली अर्थात रिंग बना लेता है। इसकी रोकथाम के लिए कार्बोसल्फान 25 ईसी 400 मिली दवा या ऐसीफेट 75 डब्ल्यू पी की 150 ग्राम मात्रा प्रति एकड़ पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

आल्टरनेरिया ब्लाइट– इसे झुलसा रोग के नाम से भी जानते हैं। इससे तोरिया की उपज में कमी के साथ–साथ तेल की मात्रा भी कम हो जाती है। इस रोग से बचाव के लिए मेटालेक्जिल+मेन्कोजेब (64+8) या मेंकोजेब 75 डब्ल्यू.पी. की 2.5 ग्राम दवा प्रति लीटर पानी के घोल का छिड़काव करें। यह छिड़काव फसल बोने के 40 से 45 दिन से शुरू कर 15 दिन के अंतराल से दो – तीन बार करें।

व्हाइट रस्ट– इस बीमारी को सफेद रतुआ अथवा श्वेत किट्टू भी कहा जाता है। आमतौर पर इस रोग के लक्षण तोरिया की पत्तियों की निचली सतह से शुरू होते हैं। बाद में तने एव फलियों पर भी सफेद रंग के फफोले दिखाई देते हैं या धब्बे गर्म एवं अधिक आर्द्रता वाले अनुकूल मौसम को पाकर बड़े हो जाते हैं और पत्तियों का काफी भाग नष्ट कर देते हैं। इसके नियंत्रण के लिए रिडोमिल की डेढ़ ग्राम मात्रा प्रति लीटर पानी में घोलकर अथवा डाईथेन एम–45 का 0.25 प्रतिशत घोल बनाकर छिड़काव करें।

पाउडरी मिल्ड्यू– इस रोग में तने पत्तियों एवं हरी फलियों पर सफेद चूर्ण जैसी फंफूद दिखाई देती है। इसके नियंत्रण के लिए फसल पर हेक्जाकोनाजोल या डायनोकेप या केराथेन की 1 मिली या घुलनशील गंधक 2.5 ग्राम मात्रा प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें या गंधक चूर्ण 25 किग्रा प्रति हेक्टेयर की दर से भुरकाव करें।

खुद परखें उर्वरक

मिलावट की जांच का तरीका–

सीएफसीएल टेस्टिंग किट जो सेन्ट्रल फर्टिलाइजर क्वालिटी कन्ट्रोल एण्ड टेस्टिंग इंस्टीट्यूट भारत सरकार फरीदाबाद (हरियाणा) से विकसित है के द्वारा प्रमुख उर्वरकों में मिलावट की जांच कर सकते हैं जैसे–

यूरिया– शुद्ध यूरिया चकमदार, लगभग समान आकार के दाने वाला, पानी में पूर्णतया

घुल जाता, घोल को छूने पर शीतल की अनुभूति, गर्म तबे पर रखने से पिघल जाना, आंच तेज करने पर कोई अवशेष न बचना आदि सामान्य बाते हैं।

हथेली पर थोड़ा पानी लें, 2 मिनिट बाद जब हथेली और पानी का ताप अनुरूप (एक सा) हो जाए तब 10–15 दाने यूरिया के डालें, शुद्ध यूरिया ठंडक देगा, यदि ठंडक महसूस न हो तो यूरिया में मिलावट समझें।

1 ग्राम यूरिया परखनली में ले तथा पिघलने तक गर्म करें, ठंडा होने पर 1 मिली पदार्थ पानी में घोलें तथा बूंद–बूंद कर 1 मिली बाई यूरेट घोल मिलाएं, गुलाबी रंग आता है तो यूरिया शुद्ध है और यदि गुलाबी रंग नहीं आता है तो मिलावट है।

1 ग्राम यूरिया परखनली में लें तथा 5 मिली आसुत जल मिलाएं और पदार्थ को घोलें एवं 5–6 बूंद सिलवर नाईट्रेट घोल मिलाएं दही जैसा सफेद अवक्षेप का बनना यह प्रदर्शित करता है कि पदार्थ मिलावटी है किसी भी अवक्षेप का न बनना शुद्ध यूरिया को बताएगा।

डीएपी (डाई अमोनियम फास्फेट)

- सामान्यत: शुद्ध डीएपी के दानों का आकार एकदम गोल नहीं होता , डीएपी के दानों को गर्म करने या जलाने पर दाने फूलकर साबूदाने की भांति खिलकर फूलकर लगभग दोगने आकार के हो जाएं तो वह शुद्ध होगा, डीएपी के दानों को लेकर फर्श पर रखें फिर जूते से ताकत से रगड़े शुद्ध डीएपी के दाने आसानी से नहीं फूटेंगे, यदि आसानी से टूट जाए तो डीएपी में मिलावट है।
- डीएपी में नाइट्रोजन जांच के लिए 1 ग्राम पिसी डीएपी में चूना मिलायें, सूघें, सूंघने पर यदि अमोनिया की गंध आती है डीएपी में नाइट्रोजन उपस्थित है यदि नहीं तो डीएपी में मिलावट है।
- 1 ग्राम पिसा नमूना परखनली में लें, 5 मिली आसुत जल मिलायें और हिलायें, फिर 1 मिली नाईट्रिक अम्ल मिलायें फिर हिलायें, यदि यह घुल जाए एवं घोल अर्धपारदर्शी हो जाए तो डीएपी शुद्ध है, यदि कोई पदार्थ अघुलनशील बचता है तो मिलावट है।
- एक चम्मच डीएपी परखनली में लें, घोल बनाये तथा 1/2 मिली सोडियम हाइड्रासाईड मिलायें, हिलायें, सूंघे यदि अमोनिया की तीक्ष्ण गंध है तो डीएपी शुद्ध है गंध नहीं तो मिलावट समझें।

म्यूरेट ऑफ पोटाश–

- 1 ग्राम उर्वरक परखनली में लें, 5 मिली आसुत जल मिलायें व अच्छी तरह हिलायें, अधिकांश उर्वरक घुल जाए तथा कुछ अघुलनशील कण पानी की सत पर तैरें तो शुद्ध होगी यदि अधिकांश अघुलनशील पदार्थ परखनली के तले पर बैठ जाए तो समझे उर्वरक में मिलावट है।
- 1 ग्राम उर्वरक लें और 10 मिली आसुत जल मिलायें इसे अच्छी तरह घोलें एवं छाने फिकट्रेट में 5–6 बूदें कोवेल्टी नाइट्रेट रिजेब्ट को मिलायें, पीला अवक्षेप का बनना उर्वरक में के की उपस्थिति बताएगा तथा अवक्षेप का ना बनना पदार्थ में मिलावट बताएगा।
- शुद्ध एमओपी पानी में पूर्णतया घुलनशील, रंगी एमओपी का लाल भाग पानी का तैरता है यदि ऐसा है तो एमओपी शुद्ध है अन्यथा नहीं शुद्ध एमओपी के कण नम करने पर आपस में चिपकते नहीं है।

सिंगल सुपर फास्फेट–

- दानेदार पाऊडर काला भूरा आदि

रंगों में , एक दाना हथेली पर रगड़ने से आसानी से टूट जाये तो शुद्ध है।
- 1 ग्राम उर्वरक परखनली में लें, 5 मिली आसुत जल मिलायें अच्छी तरह हिलायें और छाने तथा 5–6 बूंद घोल मिलायें यदि पीला अवक्षेप है एवं घुल जाए तो फास्फेट की उपस्थिति है यदि नहीं तो पदार्थ संदिग्ध है।
- 1/2 चम्मच उर्वरक को 5 मिली आसुत जल में घोलें ऊपर के निथरे भाग को दूसरी परखनली में लेकर 15–20 बूंद के घोल को मिलायें, यदि हलका दूधिया अवेक्षेप प्राप्त होता है इसमें 2–3 बूंद तनु काष्टिक सोडा मिलाने पर पीला अवक्षेप आता है तो उर्वरक शुद्ध है यदि ऐसा नहीं होता तो अशुद्ध समझें।

जिंक सल्फेट–

- 1 ग्राम उर्वरक परखनली में ले, 5 मिली आसुत जल मिलायें अच्छी तरह हिलायें फिल्टर पेपर से छाने 8–10 बूंद तनु घोल मिलायें, सफेद जैली जैसा पदार्थ बनता है तब 10–12 बूंद सान्द्र हङ्श॥ घोल मिलायें अगर अवक्षेप घुल जाये तो पदार्थ शुद्ध है अन्यथा नहीं।
- पानी में घुलनशील लेकिन असका घोल यूरिया तथा एमओपी की तरह ठंडा नहीं होता तो पदार्थ शुद्ध है।
- डीएपी के घोल के जिंक सल्फेट के घोल को मिलाने पर थक्केदार घना अवक्षेप बन जाता है जो मैग्नीशियम सल्फेट के साथ ऐसा नहीं होता।

कैन/ किसान खाद–

- 1 ग्राम पदार्थ परखनली में ले एचसीएल मिलायें, शुद्ध केन उर्वरक में बहुत सारे बुलबुले उठेंगे, इसके बाद 10 मिली आसुत जल मिलायें, कुछ समय बाद पदार्थ घुल जाएगा तो शुद्ध केन है, अन्यथा नहीं।

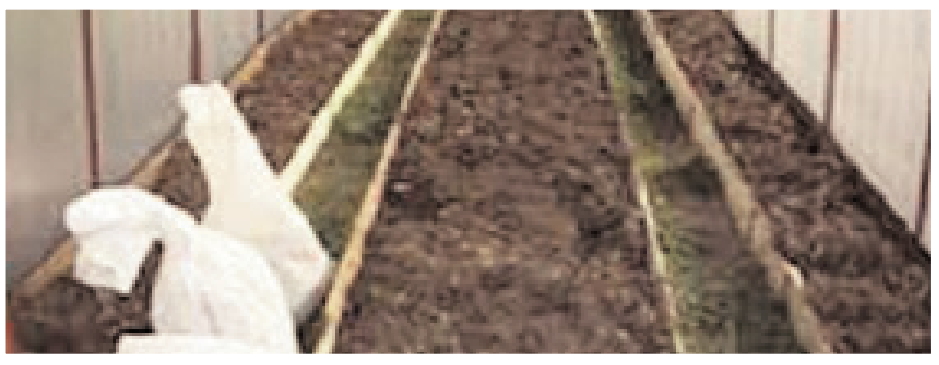

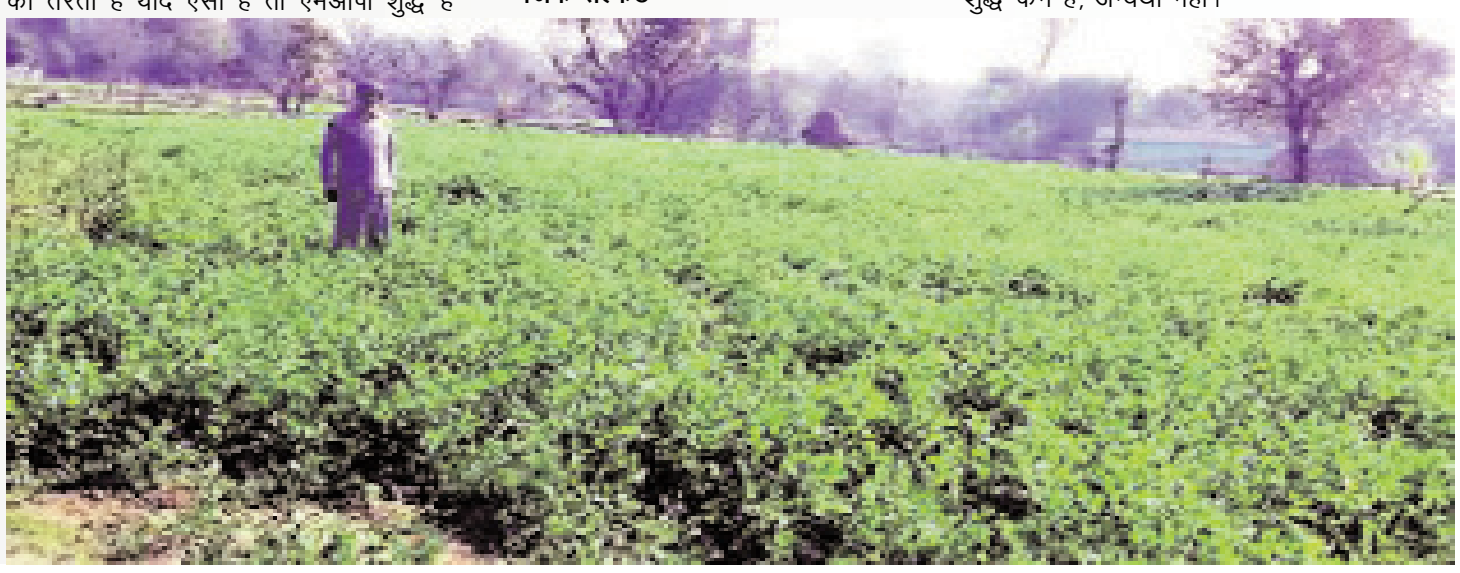

BRIEF NEWS

रद्द किये गए दो ट्रेनों का होगा सामान्य परिचालन

RANCHI : जबलपुर मंडल में नॉन इंटरलॉकिंग कार्य की वजह से रांची रेल मंडल से होकर परिचालित निम्नांकित ट्रेनें जिन्हें रद्द किया गया था ।अब अपने निर्धारित समय के अनुसार परिचालित होंगी। शुक्रवार को रेलवे से मिली जानकारी के अनुसार ट्रेन संख्या 18009 सांतरागाछी - अजमेर एक्सप्रेस ट्रेन (वाया - मूरी) यात्रा प्रारम्भ 09, 16, 23 फरवरी को अपने निर्धारित समय के अनुसार परिचालित होंगी। जबकि ट्रेन संख्या 18010 अजमेर - सांतरागाछी एक्सप्रेस ट्रेन (वाया - मूरी) यात्रा प्रारम्भ 11, 18 और 25 फरवरी को अपने निर्धारित समय के अनुसार परिचालित होंगी।

कोल इंडिया मैराथन रांची में 11 फरवरी को, दौड़ेंगे आठ हजार प्रतिभागी

RANCHI : सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) के द्वितीय कोल इंडिया मैराथन का आयोजन 11 फरवरी को रांची के मोरहाबादी में किया जाएगा। इस बार लगभग आठ हजार प्रतिभागी मैराथन में दौड़ लगाएंगे। इस वर्ष अब तक 7410 प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया है। इसमें पुरुष प्रतिभागियों की संख्या 6049 और महिला प्रतिभागी 1361 हैं। इसके अलावा लगभग 500 सीसीएल के गेस्ट भी इस मैराथन भाग लेंगे। इस बार कोल इंडिया मैराथन के इनामी राशि में भी बढ़ोतरी की गयी है, जिसे 29.70 लाख से बढ़ाकर 33.12 लाख रुपये किया गया है। पहले सीसीएल मैराथन की तरह इस वर्ष भी दौड़ को चार श्रेणी में बांटा गया है। इसमें पूर्ण मैराथन, हाफ मैराथन, 10 किमी और पांच किमी की दौड़ शामिल है। पूर्ण मैराथन में 42.195 किमी और हाफ मैराथन 21.098 किमी का सफर तय करना होगा।

बड़गाईं अंचल के हल्का कर्मचारी भानू प्रताप ईडी के चार दिनों की रिमांड पर

RANCHI : पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से संबंधित 8.5 एकड़ बड़गाईं अंचल की जमीन दखल के मामले में बड़गाईं अंचल के राजस्व निरीक्षक (हल्का कर्मचारी) भानु प्रताप प्रसाद को चार दिनों की रिमांड अवधि खत्म होने के बाद ईडी कोर्ट में पेश किया। इस दौरान ईडी की ओर से पूछताछ की आवश्यकता बताते हुए फिर से सात दिनों की रिमांड में लेने का आग्रह किया गया। इसका भानू के अधिवक्ता ने विरोध किया। ईडी के विशेष लोक अभियोजक शिव कुमार की बहस सुनने के बाद ईडी के विशेष न्यायाधीश दिनेश राय की अदालत ने शुक्रवार को भानू से चार दिनों तक पूछताछ करने की अनुमति ईडी को दे दी है। ईडी की टीम भानु को अपने साथ लेकर ईडी कार्यालय रवाना हो गयी। पेशी से पहले भानु का मेडिकल ईडी ने कराया। ईडी की अब तक की जांच में यह पता चला है कि भानू प्रताप ने बरियातू में 8.5 एकड़ जमीन सहित अवैध रूप से संपत्ति हासिल करने में हेमंत सोरेन की सहायता की है। पूछताछ में कई और अहम खुलासे हो सकते हैं।

भारत मां के तीन सच्चे सपूत को मिला भारत रत्न : बाबूलाल

RANCHI : पूर्व प्रधानमंत्री स्व. चौधरी चरण सिंह, स्व. नरसिम्हा राव, कृषि वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथन को भारत रत्न दिए जाने पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने शुक्रवार को केंद्र सरकार का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत मां के तीन सच्चे सपूत को भारत रत्न देने का निर्णय लिया है, यह ऐतिहासिक क्षण है। बाबूलाल मरांडी ने शुक्रवार को कहा कि एक सामान्य किसान परिवार में जन्मे असीम प्रतिभाओं के धनी, भारत के किसानों का मान सम्मान बढ़ाने वाले और कृषि प्रधान भारत को एक महान राष्ट्र बनाने का सपना देखने वाले स्व. चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न मिलना बहुत ही खुशी की बात है।

atomy
ATOMY
INDIA
RANCHI TEAM
WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24
Roshpa Roshpa Tower,
Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

हाईकोर्ट में सड़क जाम से संबंधित दर्ज प्राथमिकी से संबंधित मामले की हुई सुनवाई

सांसद निशिकांत दुबे को मिली राहत

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड हाईकोर्ट में शुक्रवार को वर्ष 2009 में आम लोगों पर पुलिस के अत्याचार के खिलाफ गोड्डा के पोड़ैयाहाट में सड़क जाम से संबंधित एक मामले में भाजपा सांसद निशिकांत दुबे के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी से संबंधित मामले की सुनवाई हुई। मामले में न्यायाधीश एसके द्विवेदी की अदालत ने प्रार्थी निशिकांत दुबे की याचिका स्वीकृत करते हुए गोड्डा की निचली अदालत के द्वारा सांसद की डिस्चार्ज पिटीशन को खारिज किये जाने के आदेश को रद्द कर दिया।

निचली अदालत के डिस्चार्ज पिटीशन खारिज किये जाने के आदेश को हाई कोर्ट द्वारा रद्द किये जाने के बाद अब सांसद निशिकांत इस मामले में आरोप मुक्त हो गये हैं। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा है कि याचिकाकर्ता के ऊपर आपराधिक मामला नहीं बनता है। विरोध प्रदर्शन करने का उनका मौलिक अधिकार है।

याचिकाकर्ता निशिकांत दुबे ने गोड्डा के जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत द्वारा उनकी डिस्चार्ज पिटीशन को खारिज करने को हाई कोर्ट में चुनौती दी है। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता प्रशांत पल्लव एवं पार्थ जालान ने पैरवी की।

गोड्डा के पोड़ैयाहाट प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के निकट सड़क जाम हुआ था। इस दौरान पुलिस के पेट्रोलिंग वाहन को भी जाने नहीं दिया गया था। बाद में निशिकांत दुबे के अनुरोध पर रात 11:45 बजे सड़क जाम हटाया गया था। गोड्डा की निचली अदालत ने इस मामले को लेकर 18 जून 2013 को संज्ञान लिया था।

अमित कुमार की जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित

RANCHI : झारखंड हाई कोर्ट में शुक्रवार को बरियातू स्थित सेना की भूमि की खरीद बिक्री घोटाले मामले में आरोपित अमित कुमार अग्रवाल की जमानत याचिका पर सुनवाई हुई। मामले में न्यायाधीश एसएन प्रसाद की कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलील पूरी होने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया। ईडी कोर्ट ने अमित कुमार अग्रवाल की जमानत याचिका खारिज कर दी थी, जिसके बाद अग्रवाल ने हाई कोर्ट में जमानत के लिए याचिका दाखिल की है। बरियातू स्थित 4.55 एकड़ सेना के कब्जे वाली जमीन की खरीद-बिक्री से जुड़े मामले में ईडी ने रांची के पूर्व उपायुक्त छवि रंजन, कारोबारी विष्णु अग्रवाल, बड़गाईं अंचल के राजस्व उप निरीक्षक भानु प्रताप प्रसाद, फर्जी रैयत प्रदीप बागची, जमीन कारोबारी अफसर अली, इम्तियाज खान, तल्हा खान, फैयाज खान व मोहम्मद सद्दाम,अमित अग्रवाल और दिलीप घोष के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। मामले को लेकर ईडी ने ईसीआईआर 1/2023 दर्ज किया है।

झारखंड हाईकोर्ट ने राहुल गांधी के मामले में फैसला रखा सुरक्षित

RANCHI : झारखंड हाईकोर्ट में शुक्रवार को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि के एक मामले में सुनवाई हुई। न्यायाधीश अंबुज नाथ की कोर्ट में प्रतिवादी नवीन झा की ओर से बहस पूरी हो गई। इसके बाद कोर्ट ने मामले में फैसला सुरक्षित रख लिया। कोर्ट ने प्रतिवादी नवीन झा को लिखित बहस प्रस्तुत करने के लिए एक सप्ताह का समय दिया है। कोर्ट के आदेश के आलोक में मामले में लोअर कोर्ट का रिकॉर्ड आ चुका है। नवीन झा की ओर से वरीय अधिवक्ता अजीत कुमार, अधिवक्ता कुमार हर्ष एवं अधिवक्ता विनोद साहू ने पक्ष रखा। राहुल गांधी की ओर से अधिवक्ता दीपांकर ने पैरवी की। 2018 में दिल्ली में कांग्रेस अधिवेशन के दौरान राहुल गांधी ने भाजपा के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा था कि एक हत्यारा सिर्फ भाजपा में ही राष्ट्रीय अध्यक्ष बन सकता है, कांग्रेस में नहीं। अमित शाह के खिलाफ कथित रूप से राहुल गांधी की इस आपत्तिजनक टिप्पणी के बाद भाजपा नेता नवीन झा ने निचली अदालत में एक याचिका दायर की थी और बाद में मामला हाई कोर्ट पहुंचा।

हाईकोर्ट से फिल्म निमार्ता प्रकाश झा को मिली राहत

RANCHI : फिल्म निमार्ता और निर्देशक प्रकाश झा को झारखंड हाई कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। उनके खिलाफ चल रही आपराधिक कार्यवाही एवं संज्ञान आदेश को निरस्त कर दिया है। झारखंड हाई कोर्ट में शुक्रवार को प्रकाश झा एवं अन्य की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई हुई। मामले में दोनों पक्षों को सुनने के बाद अदालत ने सारी आपराधिक कार्यवाही एवं संज्ञान आदेश को निरस्त कर दिया। कोर्ट ने कहा कि निचली अदालत में लंबित टाइटल सूट की योग्यता पर कोई राय नहीं दी है। टाइटल सूट और उसका निर्णय बिना इस आदेश से प्रभावित हुए विधिसम्मत किया जाएगा। अदालत ने याचिका को स्वीकार करते हुए निष्पादित कर दिया। जस्टिस संजय कुमार द्विवेदी की अदालत में मामले की सुनवाई हुई। इससे पूर्व याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता उमेश प्रसाद सिंह ने पक्ष रखते हुए कहा कि यह मामला सिविल प्रकृति का है। कोतवाली थाना में दर्ज प्राथमिक की जांच के बाद पुलिस ने फाइनल फॉर्म जमा किया था, जिसमें कहा था कि यह मामला आपराधिक नहीं, बल्कि सिविल प्रकृति का है।

जेएसएससी के खिलाफ राज्य स्तरीय आंदोलन करेगी आजसू : एस अली

PHOTON NEWS RANCHI : अखिल झारखंड छात्र संघ (आजसू) के संगठन सचिव एस अली ने कहा कि जेएसएससी सीजीएल परीक्षा में बड़ी मात्रा में धांधली हुई है। सरकार द्वारा प्रश्न पत्र लीक मामले को लेकर गठित एसआईटी से आजसू पार्टी संतुष्ट नहीं है। छात्रों के हक और अधिकार के खातिर आजसू झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) के खिलाफ अपनी चार सूत्री मांगों को लेकर राज्य स्तरीय आंदोलन करेगी।

संगठन सचिव एस अली ने हरमू स्थित केंद्रीय कार्यालय में शुक्रवार को प्रेस वार्ता में कहा कि इन मांगों में सीजीएल परीक्षा की जांच सीबीआई से कराने, इस परीक्षा में हुए धांधली को लेकर विरोध कर रहे निर्दोष छात्रों पर हुई प्राथमिकी को अविलंब वापस लेने, झारखंड चयन आयोग के अध्यक्ष सहित सभी अधिकारियों को बर्खास्त करने, गलत तरीके से चयनित परीक्षा एजेंसी को काली सूची में डालने एवं झारखंड नकल कानून के तहत कानूनी कार्रवाई करने की मांग मुख्य रूप से शामिल है।

एस अली ने बताया कि पेपर लीक मामले में अखिल झारखंड छात्र संघ 12 फरवरी को सभी विश्वविद्यालय मुख्यालय पर हस्ताक्षर अभियान, 13 फरवरी की संध्या को मशाल जुलूस और प्रदर्शन, 15 फरवरी को सभी उपायुक्त को सीबीआई जांच की मांग के लिए पत्र और 17 फरवरी को राजभवन के समक्ष एकदिवसीय प्रदर्शन का आयोजन किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि 6 लाख 50 हजार अभ्यर्थियों ने इस परीक्षा में शामिल होने के लिए आवेदन किया था। फॉर्म भरने के लिए

बैठक में शामिल आजसू के कार्यकर्ता। ● फोटोन न्यूज

सवैधानिक संकट की स्थिति झामुमो के नेतृत्व वाली सरकार ने पैदा की : प्रतुल

PHOTON NEWS RANCHI : भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने शुक्रवार को कहा कि राज्य में संवैधानिक संकट की स्थिति झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेतृत्व वाली सरकार ने पैदा की थी। उन्होंने कहा कि देश के इतिहास में पहली बार शर्मसार करने वाली घटना घटित हुई, जब एक चुना हुआ मुख्यमंत्री कानून के डर से 40 घंटे तक फरार रहा। इस दौरान वह अपने राज्य के किसी भी अधिकारी से भी संपर्क में नहीं था। यानी साढ़े तीन करोड़ जनता को उनके भाग्य के भरोसे छोड़ दिया गया था।

शुक्रवार को जारी बयान में प्रतुल शाहदेव ने हमला बोलते हुए कहा कि झारखंड में तो सिर्फ 'भागम भाग' का खेल चल रहा है। पहले 'भाग हेमंत भाग' हुआ, उसके बाद 'भाग विधायक भाग' हुआ। जब इनके पास बहुमत से ज्यादा विधायक थे और प्रदेश में इनकी ही सरकार थी तो

हैदराबाद के राजनीतिक पर्यटन की आवश्यकता समझ से परे है। उन्होंने कहा राज्यपाल ने विधि सम्मत और कानून सम्मत निर्णय लिया।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता शाहदेव ने कहा कि साढ़े छह लाख छात्रों के भविष्य से इस सरकार ने खिलवाड़ किया। 25-25 लाख रुपये में प्रश्न पत्र बेचने की साजिश हुई। अभी तक इस मुद्दे पर कोई एफआईआर नहीं होना और एसआईटी का गठन कर ध्यान बंटाने की कोशिश साफ दिख रही है कि यह छात्र विरोधी सरकार है।

राज्यपाल को स्पष्टीकरण देने की जरूरत क्यों पड़ी : सुप्रियो

PHOTON NEWS RANCHI : राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी और इस्तीफे पर गुरुवार को राजभवन में पत्रकारों से बातचीत में कहा था कि हेमंत सोरेन को ईडी हिरासत में ले चुकी थी। उसके बाद स्तीफा देने राजभवन आये थे। राज्यपाल के बयान पर जवाब देते हुए झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के केंद्रीय महासचिव सह प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने शुक्रवार को हरमू स्थित पार्टी कार्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मीडिया के माध्यम से पता चला कि राज्यपाल प्रिंट मीडिया को बुलाये हैं और एक मीडिया से स्पष्टीकरण भी मांगे हैं। अखबारों में पढ़ा कि उन्होंने कई सारी बातें कहीं। हिंदी में एक कहावत है दाढ़ी में तिनके वाली ईडी ने जब उनसे कहा कि हिरासत में ले लिये हैं उसके बाद सभी लोग राजभवन पहुंचे।

उपभोक्ताओं को मार्च से व्हाट्सएप पर मिलेगा बिजली बिल, भुगतान की भी मिलेगी सुविधा

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड (जेबीवीएनएल) मार्च महीने से अपने उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए व्हाट्सएप और एसएमएस पर भी उपलब्ध होगा। इसके लिए निगम ने प्रक्रिया शुरू कर दी है। नयी व्यवस्था के तहत प्रचार-प्रसार भी शुरू कर दिया गया है।

निगम की ओर से जनता से अपील की गयी है कि जिन उपभोक्ताओं का मोबाइल नंबर बिजली बिल से नहीं जुड़ा है, वो नजदीकी बिजली कार्यालय या ऊर्जा मित्र के माध्यम से बिजली बिल से मोबाइल नंबर को जोड़ कर इस सुविधा का लाभ ले सकते हैं। जिन उपभोक्ताओं का मोबाइल नंबर पहले से बिजली बिल से जुड़ा है, उन्हें स्वतः इस व्यवस्था के तहत बिजली बिल मिलने लगेगा।

जेबीवीएनएल की मानें तो सभी विद्युत आपूर्ति क्षेत्रों में नयी व्यवस्था का प्रचार-प्रसार शुरू कर दिया गया है।अधिकारियों और कर्मियों की ओर से इसका प्रचार-प्रसार सोशल मीडिया पर भी किया जा रहा है।

जेबीवीएनएल के जीएम आईटी संजय सिंह ने बताया कि नयी व्यवस्था मार्च से शुरू की जायेगी। इसके तहत चैट बॉट के माध्यम से उपभोक्ता बिजली बिल प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही बिजली संबंधी शिकायत, नया कनेक्शन समेत अन्य सुविधा का लाभ भी उपभोक्ता एसएमएस या व्हाट्सएप पर ले सकते हैं।

राज्य के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले 11वीं व 12वीं के बच्चों को दी जा रही व्यावसायिक शिक्षा

आधुनिक तकनीक से बच्चे कर रहे रचनात्मक आविष्कार

PHOTON NEWS RANCHI : राज्य शिक्षा परियोजना के निर्देशानुसार समग्र शिक्षा के तहत राज्य के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले 11वीं व 12वीं के बच्चों के अंदर व्यावसायिक और तकनीकी कौशल विकसित करने के उद्देश्य से उन्हें 11 प्रकार की व्यावसायिक शिक्षा दी जा रही है। इनमें कृषि, परिधान, होम फर्निशिंग, ऑटोमोटिव, सौंदर्य और कल्याण, इलेक्ट्रॉनिक्स और हार्डवेयर, हेल्थकेयर, आईटी-आईटीईएस, मल्टीस्किलिंग, मीडिया और मनोरंजन, खुदरा, पर्यटन और आतिथ्य शामिल है।

यह ट्रेड ओरिएंटेड कोर्सेज सभी कस्तूरबा विद्यालयों, 80 मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालयों के साथ-साथ आदर्श विद्यालयों में संचालित हैं, जिसका लाभ बच्चों को मिल रहा है। इससे बच्चों के भीतर व्यावसायिक व तकनीकी कौशल का विकास तो हो ही रहा है, साथ ही उनमें टीम मैनेजमेंट, लीडरशिप स्किल जैसे हुनर भी विकसित हो रहे हैं। व्यावसायिक शिक्षा के प्रभाव से स्कूली बच्चे आधुनिक तकनीकों का बेहतर उपयोग कर रचनात्मक आविष्कार कर रहे हैं जिनमें साइकिल को इलेक्ट्रिक साइकिल में बदलने से लेकर आधुनिक अल्कोहल सेंसिंग अलर्ट सिस्टम बनाना शामिल है।

व्यावसायिक शिक्षा ग्रहण करते छात्र। ● फोटोन न्यूज

धनबाद के ओम अग्रवाल और उनकी टीम ने बनाई इलेक्ट्रिक साइकिल

धनबाद के डीएवी 2 हाईस्कूल पाथरडीह के छात्र ओम अग्रवाल, शुभम कुमार और इमरान अंसारी ने ऑटोमोटिव विषय से व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त कर एक बैटरी से संचालित होने वाली इलेक्ट्रिक साइकिल का निर्माण किया है। अपने कौशल से उन्होंने एक साधारण साइकिल को इलेक्ट्रिक साइकिल में रूपांतरित कर दिया है। यह इलेक्ट्रिक साइकिल विद्युत ऊर्जा पर आधारित है। इलेक्ट्रिक साइकिल के निर्माण के लिए स्कूल द्वारा बच्चों को कच्चा माल और उपकरण उपलब्ध कराया गया। इस इलेक्ट्रिक साइकिल में बैटरी स्टोरेज बॉक्स लगा है, जो साइकिल के सामने की तरफ मुख्य फ्रेम पर स्थित है, ताकि बैटरी का भार दोनों पहियों पर वितरित किया जा सके। इसमें तीन फेज बीएलडीसी हब मोटर 36 वोल्ट 350 वाट है, जो व्हील के पिछले हिस्से में लगा है। इसमें लिथियम बैटरी 36 वोल्ट 15एएच भी शामिल है, जो लंबे समय तक चलने वाली लिथियम बैटरी है। इसमें 36 वोल्ट 350 वाट कंट्रोलर लगा है, जिसे इलेक्ट्रिक वाहन का दिमाग कहा जाता है। इन उपकरणों के अलावा इसमें कम ब्रेक, उच्च ब्रेक प्रणाली शामिल है। हेड लाइट, हॉर्न, इंडिकेटर, तीन स्पीड मोड, बैटरी इंडिकेटर मीटर और पैडल असिस्ट फंक्शन भी हैं। इन्हें साइकिल के सामने स्थापित किया गया है और स्विच हैंडल बार पर हैं। थ्रॉटलिंग फंक्शन हैंडल बार के दाहिने हाथ में स्थापित किए गए हैं।

खबरें राउरकेला की

हॉकी प्री लीग को लेकर नगर निगम करा रहा दीवारों पर पेंटिंग, लोगो में उत्साह

ROURKELA : राउरकेला में 12 फरवरी से हॉकी को लेकर लोगों में खुमार चढ़ा हुआ है। हॉकी प्रो लीग 2024 आगामी सोमवार से बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम में शुरू होगी। राउरकेलावासी में दुनिया के सबसे बड़े हॉकी स्टेडियम में सर्द रातों में हॉकी का आनंद लेने के लिए हॉकी प्रेमियों का उत्साह देखा जा रहा है। प्रो लीग हॉकी के लिए तैयारी कर रहा है। राउरकेला महानगर निगम शहर की सुंदरता को दोगुना करने के लिए दीवारों पर पेंटिंग करा रहा है। डीएवी चौक से जाने वाली सड़क की दीवारों को ओड़िया कला, संस्कृति, वास्तुकला, लोक नृत्यों के साथ-साथ महापुरुषों और कवियों की छवियों से सजाया गया है।

कुंड़ुख भाषा को संविधान में शामिल करने को लेकर निकली रैली, राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

ROURKELA : कुंड़ुख भाषा को संविधान की 8वीं अनुसूची में शामिल करने की मांग तेज हो रही है। राउरकेला में अखिल भारतीय कुंड़ुख युवा संघ की ओर से शुक्रवार को विशाल जुलूस निकाला गया । रैली में छत्तीसगढ़, झारखंड और ओडिशा के प्रतिनिधि शामिल हुए। बिसरा चौक से जुलूस शुरू होकर राउरकेला अतिरिक्त जिलापल कार्यालय तक पहुंचा। कुंड़ुख भाषा को संविधान में शामिल करने की मांग को लेकर एक मांग पत्र एडीएम के माध्यम से भारत के राष्ट्रपति को भेजा गया।

जनता निवास गली में जमीन अतिक्रमण को लेकर दो गुटों में विवाद, पुलिस पहुंचने पर मामला हुआ शांत

ROURKELA : शहर के जनता निवास गली से होकर जाने वाले सड़क के दोनो साइड और बुढ़िया बगान के बीच की जमीन पर अतिक्रमण को लेकर को लेकर दो गुटों के बीच झड़प हो गयी। जिसकी सूचना पाकर प्लांट साइट पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और स्थिति को किसी तरह काबू में किया। अंचल के लोगों के अनुसार आसपास सरकारी और आदिवासी जमीन पर कब्जे को लेकर हमेशा ऐसा झड़प की स्थिति बनी रहती है। दबंग लोग यहां पर जमीन को कब्जा कर अपने हिसाब से इसका इस्तेमाल कर रहे है। कोई इस पर घर बनाता है तो कोई व्यवसायिक गोदाम में इसका इस्तेमाल करता है तो कोई गैरेज बनाकर अपनी गाड़ी रखने में इस्तेमाल कर रहा है। राउरकेला महानगर निगम द्वारा समय समय एक ओर जहां अतिक्रमण हटाने का शहरभर में अभियान चलाया जाता है वहीं इस इलाके में ऐसी कोई कार्रवाई नहीं देखी जा रहा है ऐसा स्थानीय लोग कहना हैं। घटना के बाद यहां रहनेवाले लोगों में उम्मीद जगी है कि ऐसी अवैध गतिविधियों पर लगाम कसी जाएगी ताकि ऐसी घटनाओं की फिर से नहीं हो। पुलिस के पहुंचने पर वहां काफी भीड़ जमा हो गयी थी। पुलिस के हस्तक्षेप के बाद सबकुछ शांत हुआ। पुलिस की ओर से किसी भी तरह कानून हाथ में नहीं लेने की चेतावनी दी गई। जिसके बाद सबलोग वहां से लौट गए।

मौर्य एक्सप्रेस के विस्तार के लिए उत्तर भारतीय सहकारी समिति ने जताया आभार

ROURKELA : ट्रेन नंबर 15027/ 15028 मौर्य एक्सप्रेस को राउरकेला तक विस्तार की लंबे समय से चली आ रही मांग पर विचार करते हुए, रेलवे विभाग ने राउरकेला के रास्ते संबलपुर तक विस्तार की सहमति दी है। शुक्रवार को संवाददाता सम्मेलन में उत्तर भारतीय सहकारी समिति द्वारा शिक्षा और कौशल विकास केंद्र ने मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान एवं सांसद जोएल ओराम का सुविधा दिलाने के लिए आभार जताया। संगठन को उम्मीद है कि मौर्य एक्सप्रेस के संबलपुर तक विस्तार से राउरकेला, राजगांगपुर और झारसुगुड़ा के निवासियों को फायदा होगा। लंबे समय से विभिन्न संगठन मौर्य एक्सप्रेस को राउरकेला तक विस्तारित करने की मांग कर रहे हैं। आने वाले दिनों में संगठन की ओर से राउरकेला रेलवे डिवीजन, बिमलगढ़ तालचेर रेलवे लाइन, राउरकेला में दुरंतो एक्सप्रेस का ठहराव, राउरकेला से बालेश्वर तक रेल संजोग, पुरी से राउरकेला होते हुए अयोध्या तक रेल परिचालन आदि की मांग की जाएगी। केंद्रीय शिक्षा एवं कौशल विकास मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, सुंदरगढ़ सांसद जोएल ओराम, राज्य सरकार के श्रम एवं ईएसआई मंत्री सारदा प्रसाद नायक, विधायक सुब्रत तराई, विधायक शंकर ओराम, पूर्व केंद्रीय मंत्री दीलिप रॉय, विधायक कुसुम टेटे समेत भवानी शंकर भोई, संजय सेठ, शाहनबाज हुसैन, मनोज तिवारी, डॉ. सुभांकर महापात्र, भी.के.पांडियान ,साथ सांसद अपराजिता षाड़ंगी,ओडिशा भाजपा अध्यक्ष मनमोहन सामल से मुलाकात की और मांग रखी थी। संवाददाता सम्मेलन में उत्तर भारतीय सहकारी समिति के वेदप्रकाश तिवारी, शिव सागर राणा, मुनीन्द्र सिंह, हरिशंकर साह, अशोक पाठक, ओपी सिंह, एसएस शर्मा उपस्थित थे।

हिंदू बताकर नाबालिग को फंसाया फिर बेचने की कोशिश

यूपी की लड़की की इंस्टाग्राम पर हुई थी दोस्ती; बिहार बुलाकर होटल में किया रेप

एजेंसी

सीतामढ़ी । सीतामढ़ी में नाबालिग से लव जिहाद का मामला सामने आया है। जहां सीतामढ़ी के रहने वाले एक मुस्लिम युवक (27) ने हिंदू बताकर यूपी के गोरखपुर की रहने वाली एक लड़की (14) को अपने झूठे लव अफेयर में फंसाया। दोनों की दोस्ती सोशल मीडिया इंस्टाग्राम पर हुई थी।इसके बाद इलाज के बहाने से आरोपी लड़के ने लड़की पर पटना बुलाया, फिर वहां से सीतामढ़ी लेकर आया। यहां तीन दिन तक होटल में रखने के बाद उसे रेड लाइट एरिया में बेचने की कोशिश की। आरोपी युवक सीतामढ़ी जिले के राजोपट्टी मोहल्ले का रहने वाला अनीश अंसारी है। उसने नाबालिग को अपना नाम अनीश बताया था और कहा था कि वो उसी की जाति से है। डीएसपी सदर रामकृष्ण ने

बताया कि दोनों की दोस्ती सोशल मीडिया पर हुई। बातचीत के दौरान दोनों में अफेयर हुआ। युवक ने लड़की को बताया था कि वो सरकारी नौकरी में है। इलाज के बहाने उसने यूपी से बच्ची को बिहार बुलाया था।पीड़िता की बीते अगस्त में आरोपी से इंस्टाग्राम में दोस्ती हुई थी। नाबालिग के साथ तीन दिनों तक होटल में रेप किया गया। जब लड़की को पता चला कि वो गलत लोगों के जाल में फंस चुकी है तो उसने होटल से भागने की कोशिश की। इस बीच मो० अनीश ने उसका पीछा किया। तब तक लड़की को रास्ते में रोता-बिलखता देख स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना बचपन बचाओ आंदोलन के टीम को दे दी। जिसके बाद स्थानीय पुलिस को भी इसकी सूचना दी गई। तब तक लड़का भी उसका पीछा करते हुए वहां पहुंचा। जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों को कस्टडी में लेकर थाने पहुंची। वहां मौजूद लोगों ने आरोपी की पिटाई भी की। जबरन नशे की टैबलेट देने का भी लगाया आरोप लड़की ने महिला थाने पर काउंसिलिंग के दौरान यह बताया कि किस तरीके से हिंदू बनकर उसने अपने प्यार के जाल में फंसाया और उसके साथ गलत काम किया। इतना ही नहीं वह उसे जबरन नशे की टेबलेट भी देता था। बता दें कि आरोपी युवक की स्थानीय लोगों ने पिटाई भी की।फिलहाल सीतामढ़ी एसपी के निर्देश पर आरोपी युवक के खिलाफ सीतामढ़ी के महिला थाने में पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है और लड़की को काउंसलिंग के बाद उसे उसके घर भेजने की तैयारी में पुलिस जुटी है। बताया जा रहा है लड़की को झांसे में लेकर आरोपी युवक उसे सीतामढ़ी के रेड लाइट एरिया में बेचने के फिराक में था।सीतामढ़ी एएसपी मनोज राम ने बताया कि बचपन बचाओ की टीम को सूचना मिलने पर पता चला कि एक लड़की को बहला-फुसला कर यहां लाकर दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया है। जिस मामले में पुलिस कार्रवाई करते हुए लड़की को बरामद कर लिया है, और आरोपी के खिलाफ आगे की कार्रवाई की जा रही है।

संक्षिप्त डायरी

फाइनेंस कंपनी से 8.46 लाख की लूट

गया । गया में एक फाइनेंस कंपनी उत्कर्ष प्राइवेट लिमिटेड बैंक से 8 लाख 46 हजार रुपए की लूट हुई है। दो बाइक से 4 की संख्या में पहुंचे बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया। जिस वक्त घटना हुई वहां कोई कस्टमर नहीं था।अपराधियों ने हथियार के बल पर गार्ड और अन्य कर्मचारियों को बाथरुम में बंद कर दिया और काउंटर में रखे रुपए लेकर फरार हो गए। बदमाश कर्मचारियों के फोन भी साथ ले गए।फाइनेंस कंपनी के पास ही यशवंत हाई स्कूल में इंटर की परीक्षा चल रही है। परीक्षा की वजह से स्कूल के बाहर लोगों की भीड़ रहती है। इसके बावजूद भी बदमाश बैंक लूटकर चलते बने।कर्मचारियों और गार्ड को पुलिस ने अपने कब्जे में रखा है। उनसे मिलने नहीं दिया जा रहा है। दरवाजा खोलने की बात पर पुलिस शक जता रही है। गार्ड द्वारा बैंक कर्मियों का दरवाजा खोलने की बात सामने आ रही है।घटना की जानकारी तब मिली जब एक ग्राहक फाइनेंस कंपनी पहुंचा। वहां उसे बाथरूम से आती आवाज सुनाई दी। स्टाफ दरवाजा खोलने की आवाज लगा रहे थे। दरवाजा खोलने के बाद ही कर्मचारियों ने खिजरसराय पुलिस को लूट की सूचना दी।पुलिस घटनास्थल पर पहुंच जांच-पड़ताल में जुट गई है। सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। पुलिस ने खिजरसराय में नाकेबंदी कर दी है। बताया जा रहा है कि दो बदमाश बैंक के बाहर और दो डकैत बैंक के अंदर थे। 4 में से दो हेलमेट पहने थे और दो नकाब पहने थे।इस मामले में डीएसपी प्रकाश कुमार ने बताया कि चार हथियार बंद अपराधी बैंक के अंदर घुसे थे।

घर में घुसे बदमाशों से भिड़ा जवान

बांका। बांका में लूट की नीयत से घर में घुसे हथियारबंद अपराधियों ने आइटीबीपी जवान को गोली मारकर जख्मी कर दिया। जिसके बाद उसे गंभीर अवस्था में परिजनों ने भागलपुर के मायागंज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गोली जवान के फेफड़े में फंसा हुआ है। बताया जा रहा है कि जवान के घर में तीन की संख्या में बदमाश हथियार के साथ घुसे थे।जवान ने अपराधियों के साथ भिड़ते हुए एक अपराधी को दबोच लिया। जिसके बाद अपराधियों ने फौजी को गोली मार दिया। घटना के बाद पुलिस छानबीन में जुट गई है। घटना गुरुवार देर रात 11:00 बजे की है। घटना पंजवारा थाना क्षेत्र अंतर्गत पंजवारा बाजार की है। जहां पंजवारा बाजार स्थित कपड़ा व्यवसयी शंभू शाह के घर में अज्ञात हथियार बंद अपराधियों ने लूट की नीयत से घुसे थे।शंभू साह ने बताया कि वह अपनी पत्नी के साथ हॉल में सोए हुए थे। तीन हथियार बंद अपराधी घर में घुस आए और हथियार के बल पर धमकाते हुए उनकी पत्नी का जेवर उतार वाने लगे। इस दौरान बदमाशों की आवाज सुनकर बगल के कमरे में सोए हुए उनके पुत्र विकास कुमार जो आइटीबीपी में कार्यरत है , बाहर निकाला और चोरों से भिड़ गया।

ट्रैक्टर मालिक को किडनैप करने वाले 3 युवक गिरफ्तार

पूर्णिया । पूर्णिया पुलिस ने पैक्स गोदाम के समीप से अपहरण किए गए ट्रैक्टर मालिक को महज तीन घंटे के भीतर ही बरामद कर लिया है। ट्रैक्टर चालक का अपहरण कर 2.50 लाख रुपए की फिरौती मांगने वाले 3 युवकों को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उस कार को भी जब्त कर लिया है, जिसे ट्रैक्टर मालिक का अपहरण किया गया था। गिरफ्तार युवकों को जेल भेजने की कार्रवाई की जा रही है। मामला अकबरपुर ओपी क्षेत्र के डुमरा गांव से जुड़ा है।जानकारी देते हुए अकबरपुर ओपी अध्यक्ष सूरज प्रसाद ने बताया कि बुधवार की रात विजय मंडल ट्रेक्टर लेकर मालपुर गांव से वापस अपने घर आ रहे थे। तभी डुमरा गांव के समीप अकबरपुर की तरफ से विपरीत दिशा से आ रहे तेज रफ्तार कार एकाएक अनियंत्रित हो गई। जिसके बाद कार ट्रैक्टर की ट्रॉली से टकरा गई। इतने में ही कार से तीन युवक निकले।युवकों ने गाली गलौज और मारपीट करते हुए उन्हें जबरन अपने कार में बैठा लिया और फिर घटनास्थल से निकल गए। इतना ही नहीं कार सवार ने विजय मंडल से उसके घर का मोबाइल नंबर लिया और फिर उसके बड़े भाई बम बहादुर मंडल को फोन कर 2 लाख 50 हजार रुपए फिरौती की डिमांड की। उन्होंने फोन पर इसे पूरा न करने और पुलिस में जाने पर विजय मंडल को जान से मारने की धमकी दी।

बेटी का अफेयर था, टुकड़े-टुकड़े करके जला दिया

एजेंसी

दरभंगा । दरभंगा में एक परिवार ने अपनी ही बेटी की हत्या कर दी। हत्या अफेयर को लेकर की गई। पहले गला दबाया, फिर घर में टुकड़े-टुकड़े कर दिए। इसके बाद घर से 100 मीटर दूर ले जाकर पुआल में डाला और आग लगा दी। फिर पुलिस थाने पहुंचकर आवेदन दिया कि बेटी की अपराधियों ने हत्या करके शव जला दिया है। पुलिस ने जांच शुरू की। अब इस मामले में बड़ा खुलासा हुआ है।घटना कामतोल थाना क्षेत्र के मगरथू गांव की है। लड़की का नाम कंचन(15) है। वह नौवीं में पढ़ती थी। किसी लड़के से अफेयर चल रहा था। सिटी एसपी सुभम आर्या के मुताबिक, अफेयर की बात उसके पिता को पता चल गया। परिजनों ने उसे काफी समझाया, लेकिन वो नहीं मानी। दो फरवरी को पिता, दादा, चाचा और मामा ने मिलकर उसकी गला दबाकर हत्या कर दी। फिर घर में ही उसके शव को टुकड़े कर दिए। मां को इस बारे में पता नहीं था। 3 फरवरी को घर से 100 मीटर की दूरी पुआल के ढेर में टुकड़ों को फेंक कर जला दिया।इस मामले में दादा महेशी दास, पिता श्याम दास और चाचा शत्रुघ्न दास गिरफ्तार किया गया है। मामा सोहारत दास और ओजित दास की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी चल रही है।मां घर पर थी, पर पता नहीं चलाजब नाबालिग छात्रा की हत्या की गई तो घर में उसकी मां भी मौजूद थी। पर उसे इन सब चीजों से दूर रखा गया था। मां को पता नहीं था कि उसकी बेटी की हत्या उसके अपने ही कर रहे हैं। जहां शव जलाया गया, वहां से कंचन की चांदी की चेन और पायल मिला। घटना के खुलासे के बाद आरोपी के घर से हत्या में इस्तेमाल हथियार, कुल्हाड़ी, लोहे का सरिया, जमीन पर गिरा खून, पिता का खून से सना कपड़ा और मृतका का दांत बरामद किया गया है।

आलू की आड़ में अवैध शराब की तस्करी

एजेंसी

मुजफ्फरपुर । बिहार पुलिस की मद्यनिषेध इकाई की विशेष टीम की छापेमारी में एक बार फिर विदेशी शराब की बड़ी खेप पकड़ी गई है। जहां आलू के बोरीयों की आड़ में हो रही विदेशी शराब के गोरखधन्धे का भंडाफोड़ हुआ है। इस शराब तस्करी के खेल में शामिल दो लोगों को भी मद्यनिषेध की विशेष टीम ने गिरफ्तार किया है।पूरा मामला मुजफ्फरपुर जिले के कुढ़नी थाना क्षेत्र का है। जहां जिले में हो रही

शराब तस्करी की सूचना मिलने के बाद देर शाम बिहार पुलिस के मद्यनिषेध इकाई की स्पेशल टीम ने स्थानीय पुलिस के सहयोग से पीछा कर यूपी नंबर वाले एक ट्रक(व P65FT 7083) एनएच 77 से पकड़ा गया। जिसकी तलाशी के क्रम में ट्रक से आलू के बोरे की आड़ में छुपाकर लाई जा रही विदेशी शराब की बड़ी खेप को बरामद किया गया है। जहां, पुलिस अभिरक्षा में पकड़े गए शराब के खेप की गिनती का काम जारी है।वही, इस शराब तस्करी की खेल में शामिल दो लोगों को भी मद्यनिषेध विभाग की विशेष टीम ने गिरफ़्तार किया है। जिनसे इस शराब तस्करी के गोरखधंधे से जुड़े लोगों के सम्बन्ध में पूछताछ की जा रही है। मामले के अनुसंधान और इस मामले में कुछ अन्य लोगों के शामिल होने की सूचना भी विशेष टीम को मिली है। जिसके आलोक में कुछ अन्य ठिकानों पर पर छापेमारी की जा रही है।

एक ही परिवार के पांच लोगों की पिटाई

एजेंसी

आरा । भोजपुर जिले के कोईलवर थाना क्षेत्र के गीधा ओपी अंतर्गत महकमपुर गांव में गुरुवार की देर शाम मजदूरी का काम नहीं करने के विवाद को लेकर गांव के दबंगों ने एक ही परिवार के पिता,बेटी समेत पांच लोगों की जमकर लाठी-डंडे से पिटाई कर दी। अन्य ग्रामीणों के मदद से मामले को शांत कराया गया, इसके बाद सभी घायलों को इलाज के लिए आननझफानन में आरा सदर अस्पताल लाया गया। इस मारपीट की घटना में तीन लोगों को काफी गंभीर चोट आई है।घायलों में गीधा ओपी अंतर्गत महकमपुर गांव निवासी स्व ईश्वर

दयाल राम के 55 वर्षीय बेटे बिजली राम, उनकी 20 वर्षीय बेटी रेखा कुमारी, गिरिवर कुमार के 22 वर्षीय बेटे संतोष कुमार,17 वर्षीय बेटे गोल्डेन कुमार और स्व चंदन कुमार के 15 वर्षीय बेटी नंदनी कुमारी शामिल है। इधर,संतोष कुमार ने बताया कि उनके बड़े पापा बिजली राम मजदूरी का काम करते है। गांव के ही दबंगों ने अपने खेत में काम करने के लिए बोला था। लेकिन ने बड़े पापा ने काम करने से मना कर दिया था ।जब देर शाम बाजार से घर की ओर आ रहे थे, तभी उक्त लोगों ने उन्हें रास्ते में घेर कर पिटाई कर दी। इसके बाद बड़े पापा ने अपनी पत्नी से आकर आप बीती बताई। उनलोगों के द्वारा उक्त लोगों के घर जाकर बातचीत कर रहे थे । तभी दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हो गई। इसके बाद उक्त लोगों के द्वारा लोहे की रॉड और तलवार से मारना शुरू कर दिया। मारपीट की घटना में दोनों बुरी तरह जख्मी हो गए। मामला शांत होने के बाद सभी लोगों को इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। जहां सभी का इलाज चल रहा है।

डिवाइडर से टकरा कर नहर में गिरी बाइक दो की मौत

एजेंसी

बांका । बांका में सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई है। हादसे को लेकर बताया जा रहा है कि तेज रफ्तार बाइक सवार अनियंत्रित होकर पानी भरे नहर में गिर गए। जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना रजौन प्रखंड अंतर्गत सिंगरपुर मोड़ के पास की है। वहीं मृतक की पहचान सिंगरपुर गांव निवासी दुर्बिस तांती एवं बरौनी गांव निवासी मुंति तांती के रूप में हुई है। दोनों मृतक आपस में रिश्तेदार है और दोनों बेटे की शादी को लेकर बाजार से मार्केटिंग कर बाइक से सिंगरपुर गांव लौट रहे थे। बताया जाता है कि 18 फरवरी को उनके बेटे की शादी की शादी होनी थी।

घटना की सूचना के बाद स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंचकर दोनों के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना गुरुवार 10:15 बजे की है। तेज रफ्तार होने की वजह से हुआ हादसा स्थानीय लोगों ने बताया कि सिंगरपुर मोड़ के पास तेज रफ्तार बाइक होने की वजह से अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे डिवाइडर से टकराकर दोनों पानी भरे नहर में गिर गए। जिससे दोनों की मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों के सहयोग से काफी मशक्कत के बाद दोनों के शव नहर से बाहर निकाला। जिसके बाद पुलिस को हादसे के बारे में जानकारी दी गई।थानाअध्यक्ष चंद्रदीप कुमार ने बताया कि दोनों शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।आवेदन के अनुसार पुलिस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

अंगद हत्याकांड में मामले में दोस्तों से पूछताछ

आरा । भोजपुर मठिया के समीप सरेशाम शाम अंगद यादव हत्याकांड मामले में पुलिस ने कातिलों के काफी करीब पहुंच चुकी है। पुलिस अपराधी तक पहुंचाने के लिए तकनीकी सूत्र की मदद ले रही है। मोबाइल डीआर के आधार पर संदिग्धों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। पूरा मामला जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के अंतर्गत आर सिन्हा मुख्य मार्ग शोभित उमरागरिया का है।मृतक के बड़े भाई हरेंद्र यादव ने संबंधित थाने में अज्ञात के विरुद्ध प्राथमिक की कराई है। पुलिस ने इस घटना में दो मोबाइल भी जप्त किया है पैसे के लेनदेन के विवाद समेत कई अन्य बिंदुओं पर जांच

पड़ताल चल रही है। पुलिस शादी के पहले हत्या के एंगल को गहनता से जांच कर रही है। इस मामले में पुलिस दोस्तों को भी बुलाकर पूछताछ कर रही है। रढ प्रमोद कुमार के आदेश पर अरढ परिचय कुमार के नेतृत्व में उक्त टीम के एक्सपर्ट को भी लगाया गया है।इधर, चार फरवरी को अंगद यादव अपने घर पर थे, इस बीच मोबाइल पर किसी का फोन आने के बाद जरूरी काम से जाने की बात बोलकर निकले थे।

पति के पास पहुंची पत्नी 24 घंटे घर के बाहर बैठी

नालंदा । नालंदा में एक नवविवाहिता अपने पति को खोजते हुए उसके घर पहुंच गई। लेकिन, पति उसको अपने साथ रखने से इनकार कर दिया। इसके बाद नवविवाहिता घर के गेट पर बैठ गई। इस दौरान ससुरालवालों ने उसके साथ मारपीट भी की। इसके बावजूद वह 24 घंटे गेट पर बैठी रही। हालांकि, पति अपने परिवार के साथ फरार है।मामला कल्याण विगहा ओपी क्षेत्र के बराह गांव का है। इस गांव के पुरुषोत्तम ने तीन माह पहले पटना के करौटा स्थित मां जगदंबा स्थान में शादी की। इसके बाद कोर्ट में लव मैरिज किया। फिर दोनों अपने-अपने घर चले गए थे। घटना की सूचना मिलने के बाद ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। पटना के मंदिर में की थी शादी पटना के धनरूआ थाना क्षेत्र

के बीर गांव की मंजूषा कुमारी (20) ने बताया कि 3 साल से मोबाइल पर बात हो रही है। बातचीत प्यार में बदला और लीव इन रिलेशनशिप में रहने लगे। 3 माह पहले ही दोनों मंदिर में शादी करने के बाद कोर्ट मैरिज किया।मंजूषा ने बताया कि कुछ दिन पहले से पुरुषोत्तम ने बातचीत करना बंद कर दिया। हम फोन करते तो रिसीव नहीं कर रहा था। इसके बाद मैं पटना से अपने ससुराल पहुंची।

प्रपोज-डे पर प्रेमी के घर वालों ने प्रेमिका को पीटा

एजेंसी

पूर्णिया । पूर्णिया में प्रपोज डे पर महिला को उसके प्रेमी से मिलना भारी पड़ गया। प्रेमी के घर वाले अचानक प्रेमिका के घर आ धमके, जिसके बाद उन्होंने प्रेमिका की पिटाई कर दी। बीच सड़क पर युवती को पीटते हुए थाने ले गए। प्रेमिका का कहना है कि वो उसके प्रेमी की शादी किसी दूसरे लड़की से कराना चाहते हैं, जबकि वो ऐसा होने नहीं देगी। प्रेमिका का दावा है कि उसने 14 नवंबर को अपने प्रेमी से कोर्ट मैरिज कर ली है। उसके पास इससे जुड़े प्रमाण भी हैं। इसके बाद दोनों एक साथ रह रहे थे, जिस वजह से वो 2 माह की गर्भवती भी है। प्रेमिका का कहना है कि चाहे जो हो जाए, वो अपने प्रेमी के साथ रहेगी। पूरा मामला के.नगर थाना क्षेत्र से जुड़ा है। वहीं प्रेमिका

की पिटाई का एक वीडियो भी सामने आया है। इस वायरल वीडियो में प्रेमी के घर वाले प्रेमिका को बुरी तरह पीटते दिखाई दे रहे हैं। प्रेमिका का आरोप है प्रेमी के घर वाले उसे पीटते हुए घर से 1.5 किलोमीटर दूर थाने ले गए। वीडियो में भी कुछ लोग महिला को डंडे, बांस और बल्ले से पीटते दिख रहे हैं। पीड़िता ने प्रेमी के घर वालों के खिलाफ के नगर थाना में आवेदन दिया है।घटना को लेकर पीड़िता ने

बताया कि वो पहले से शादीशुदा है। उसका पति, उसे छोड़कर किसी दूसरी लड़की से शादी कर चुका है। काफी समय तक अकेले रहीं। एक साल पहले उनकी मुलाकात के.नगर चौक इलाके में ही रहने वाले संजीव कुमार साह से हुई। फोन पर लंबी बातें होने लगी। कुछ ही दिनों में बातचीत प्यार में बदल गया।इसके बाद पिछले साल 14 नवंबर को दोनों ने कोर्ट मैरिज कर ली। इसके दो महीने बाद तक दोनों किराए का मकान लेकर एक साथ रहने लगे। करीब 2 महीने पहले प्रेमी के घर वाले उनके किराए के मकान में आ धमके और प्रेमी संजीव को अपने साथ लेकर चले गए थे।पीड़िता ने बताया कि संजीव, प्रपोज डे पर उससे मिलने के.नगर बाजार आया था, तभी घर वाले आ धमके। लड़के को वहां से धमकाकर भगा दिया। उसके साथ गाली-गलौज की। इसके बाद प्रेमी के पिता भीमलाल साह, वीणा देवी, गुड्डू कुमार साह, सोनी देवी उन्हें पीटते हुए के.नगर चौक से थाने तक ले गए। उन्होंने इस मामले को लेकर थाने में प्रेमी के घर वालों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। बात करते हुए थानाध्यक्ष नवदीप कुमार गुप्ता ने बताया कि त्वरित कार्रवाई करते हुए महिला को पीटने वाले प्रेमी के पांचों घर वाले के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।

पश्चिमी यू.पी. के ग्रामीण क्षेत्र के निवासियों को अपने हॉस्पीटल में मुफ्त चिकित्सा उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाऐं देकर शानदार काम कर रहा है वेंक्टेश्वरा

संवाददाता

अमरोहा। जनपद अमरोहा के वेंक्टेश्वरा समूह के खाते में आज एक और शानदार उपलब्धि दर्ज हो गयी। मेडिकल ऐजुकेशन एवं शानदार चिकित्सीय व स्वास्थ्य सेवाओं के लिए वेंक्टेश्वरा समूह के चेयरमैन डॉ. सुधीर गिरि को ह्यह्यएक्सीलेन्स इन हैल्थ एण्ड मेडिकल सर्विसेजह्यह्य के लिए ह्यह्यहेल्थ एक्सीलेंस अवॉर्ड-2024ह्यह्य से नवाजा गया है। यह सम्मान उन्हें भारत सरकार के केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री मनसुख मांडविया जी ने प्रदान किया। नई दिल्ली प्रगति मैदान स्थित भारत मण्डपम में आयोजित ह्यह्यहेल्थ एक्सीलेंस अवॉर्ड-2024ह्यह्य का शुभारम्भ

केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया, राज्यसभा सांसद श्री कार्तिकेय शर्मा, वेंक्टेश्वरा समूह के चेयरमैन डॉ. सुधीर गिरि एवं प्रतिकुलाधिपति डॉ. राजीव त्यागी आदि ने सरस्वती माँ की प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्वलित करके किया।- अपने सम्बोधन में मुख्य अतिथि केन्द्रीय मंत्री भारत सरकार श्री मनसुख मांडविया ने कहा कि आज मोदी जी की ह्यह्यगारन्टीह्यह्य के कारण भारतीय टेलेंट अब विदेशों का रूख न करके अपने देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में लगे हैं। मोदी जी के विकसित भारत@2047 अभियान में स्वास्थ्य संस्थानों की भूमिका सर्वोच्य होगी। केन्द्रीय मंत्री ने वेंक्टेश्वरा की प्रशंसा करते हुए कहा कि वेंक्टेश्वरा मेडिकल कॉलेज की तर्ज पर देश के बाकी स्वास्थ्य संस्थानों को भी आगे आकर राष्ट्र विकास में अपना योगदान देना चाहिए। उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाओं के बल पर भारत अगले एक दशक में दुनिया का सिरमौर बनेगा। वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय के प्रतिकुलाधिपति एवं समूह चेयरमैन डॉ. सुधीर गिरि के आधिकारिक प्रतिनिधि डॉ. राजीव त्यागी ने उपस्थित जनसमूह को विश्वविद्यालय एवं मेडिकल कॉलेज द्वारा शिक्षा एवं चिकित्सा क्षेत्र में किये जा रहे शानदार कार्यों की विवरण रिपोर्ट प्रस्तुत की। वेंक्टेश्वरा समूह के चेयरमैन डॉ. सुधीर गिरि को ह्यह्यहेल्थ एक्सीलेंस अवॉर्ड-2024ह्यह्य मिलने पर बधाई देने वालों का ताँता लग गया। उनको बधाई देने वालों में प्रधान सलाहकार डॉ. वी.पी.एस. अरोड़ा, सी.ई.ओ. अजय श्रीवास्तव, समूह सलाहकार आर.एस. शर्मा, कुलपति डॉ. अनिल कुमार शुक्ला, प्रतिकुलपति राकेश यादव, कुलसचिव डॉ. पीयूष पाण्डे, डीन अकेडमिक अफेयर्स डॉ. राजेश सिंह, डॉ. दिव्या गिरधर, डॉ. तेजपाल सिंह, डॉ. अनिल जयसवाल, डॉ. आशुतोष सिंह, डॉ. ओम प्रकाश गोसाई, डॉ. राहुल कुमार, डॉ. अश्विन कुमार सक्सेना, डॉ. राम निवास शर्मा, डॉ. सर्वनन्द साहू, डॉ. दिनेश कुमार गौतम, डॉ. ऐना एरिक ब्राउन, डॉ. एल. एस. रावत, एस. एस. बघेल, अरूण कुमार गोस्वामी, मारूफ चौधरी, अभिषेक जैन, मीडिया प्रभारी विश्वास राणा, आदि लोग रहे।

पूर्व प्रधानमंत्री स्व0 चरण सिंह को भारत रत्न मिलने पर रालोद ने जताई खुशी

संवाददाता कसया, कुशीनगर। पूर्व प्रधानमंत्री व लोकदल के संस्थापक स्व0 चौधरी चरण सिंह को भारत सरकार द्वारा भारत रत्न सम्मान से सम्मानित किए जाने के निर्णय का रालोद ने स्वागत किया है और एक दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी व्यक्त किया। भारत सरकार द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री मंत्री स्व0 चरण सिंह को भारत रत्न का निर्णय लिया गया। इसकी सूचना मिलने पर रालोद पदाधिकारीयों ने जिलाध्यक्ष विनोद प्रताप कुंवर के नेतृत्व में बैठक की। जिलाध्यक्ष श्री कुंवर ने कहा कि भारत के पूर्व प्रधानमंत्री व किसानों के मसीहा स्व0 चरण सिंह को भारत सरकार द्वारा भारत रत्न से सम्मानित किए जाने का निर्णय देश की जनता का सम्मान है। हम सभी भारत सरकार व प्रधानमंत्री मोदी को धन्यबाद देते हैं। इस अवसर पर मण्डल अध्यक्ष राम भवन राव, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष भगवान दयाल विश्वकर्मा, क्षेत्रीय सचिव एवं जिला मीडिया प्रभारी एमएस निजामी, छात्र सभा अध्यक्ष मनीष सिंह चंदेल, युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष आनन्द प्रताप कुंवर, ध्रुव नरायण सिंह, श्रीनाथ यादव आदि ने हर्ष व्यक्त किया।

यशवर्धन राय मेमोरियल फाउंडेशन ने बांटा कम्बल सेवा से बड़ा कोई धर्म नही : उपेंद्र राय

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। मौनी अमावस्या के अवसर पर यशवर्धन राय मेमोरियल फाउंडेशन द्वारा कसया विकास खण्ड के ग्राम धुरिया भाठ में मुसहर समुदाय के 500 विधवाओं, दिव्यांगों, बेसहारों को कम्बल वितरित किया गया। शुक्रवार को कम्बल वितरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए फाउंडेशन के उप प्रबंधक उपेंद्र राय ने कहा कि सेवा से बड़ा कोई धर्म नही है। इसी को ध्यान में रखकर जरूरतमंदों हेतु फाउंडेशन द्वारा समय-समय पर यथा सम्भव कार्य किया जाता है। आगे भी सेवा सम्बन्धी कार्य होता रहेगा। कार्यक्रम आयोजक संस्था अध्यक्ष सचिन्द्र राय ने कहा कि सहयोग, सेवा व समर्पण से किया गया कार्य अनुकरणीय होता है। इसलिए हमें सहयोग की भावना के साथ समाज के हर जरूरतमंद की मदद को आगे आना चाहिए। नई दिशा सचिव डा0 हरीओम मिश्रा में सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संस्था सेवा, शिक्षा, स्वास्थ्य कार्यक्रम के माध्यम से एक सुंदर सामाजिक परिवेश निर्माण को लेकर आप सभी के सहयोग, प्रेरणा से रचनात्मक मुहिम चला रही है। जिसमें आप सभी के सहयोग की आवश्यकता है।

इस अवसर पर प्रधानाध्यापिका मनोरमा कन्नौजिया, राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के राजेश शुक्ल, क्षेत्र पंचायत सदस्य रमेश प्रसाद, पूर्व सैनिक यशवंत राव, पत्रकार मो0 असलम, शिक्षक अमर प्रकाश पांडेय, डॉ0 हरिओम मिश्र आदि उपस्थित रहे।

शांति व्यवस्था को लेकर पुलिस ने किया फ्लैग मार्च

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। पुलिस अधीक्षक कुशीनगर धवल जायसवाल के नेतृत्व में जुम्मे की नमाज के दृष्टिगत जनपद में सुरक्षा, कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने को लेकर पुलिस बल द्वारा फ्लैग मार्च/पैदल गस्त किया गया। शुक्रवार को कसया में आयोजित फ्लैग मार्च में अपर पुलिस अधीक्षक, अपर जिलाधिकारी, उपजिलाधिकारी कसया अंकिता जैन, क्षेत्राधिकारी कसया कुंदन सिंह, एसएचओ गिरिजेश उपाध्याय सहित पुलिस बल मौजूद रहे। इसके अतिरिक्त जनपद में समस्त

क्षेत्राधिकारी/समस्त प्रभारी निरीक्षक/ थानाध्यक्ष द्वारा मय पुलिस बल थाना क्षेत्रान्तर्गत आमजनमानस में विश्वास व सुरक्षा का वातावरण बनाये रखने के उद्देश्य से बाजारों एवं भीड़भाड़ वाले स्थानों पर पैदल मार्च कर, ड्रोन कैमरा द्वारा निगरानी करते हुए संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु, वाहन तथा नवयुवकों की चेकिंग व पूछताछ की गई। बाजारों में स्थित प्रतिष्ठानों/दुकानदारों से वार्ता कर सुरक्षा के दृष्टिगत प्रतिष्ठानों/दुकानों पर सीसीटीवी कैमरा लगवाने हेतु प्रेरित किया गया तथा क्षेत्र की जनता से आपसी सौहार्द एवं भाई-चारा बनाये रखने एवं किसी प्रकार के अफवाहों से बचने की अपील की गयी। साथ ही साथ बाजारों में सब्जी विक्रेताओं, दुकानदारों, रिक्शा चालकों आदि को सड़क की पटरी से उचित दूरी पर पार्किंग/दुकान आदि लगाने हेतु निर्देशित किया गया ताकि यातायात परिचालन में कोई बाधा उत्पन्न न हो एवं घटना/दुर्घटना से बचा जा सके।

जेल में बंदी पढ़ रहे गीता-रामचरित मानस

गोरखपुर । 'यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत। अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम्। परित्राणाय साधूनां विनाशाय च दुष्कृताम्। धर्मसंस्थापनार्थाय सम्भवामि युगे युगे।"...गीता का यह श्लोक अब गोरखपुर की जेल में खूब गूंज रहा है। यहां जेल में बंद करीब 2000 में 600 बंदी इन दिनों भगवत गीता और रामचरित मानस पढ़ रहे हैं।उनका मानना है कि भगवत गीता पढ़ने से विपरित परिस्थितयों में मन को शांति और कामवासना, क्रोध, लालच, मोह माया बंधनों से व्यक्ति मुक्त हो जाता है। यही वजह है, इस समय गोरखपुर जेल में

अधिकतर बंदी भगवत गीता की डिमांड कर रहे हैं। इतना ही नहीं, बंदी गीता पढ़कर अपने अपराध का प्रायश्चित और अच्छे रास्ते पर चलने का वचन ले रहे हैं।

संविधान को बचाना हमारा सब लोगों का कर्तव्य, पूर्व जज मनोज कुमार

संवाददाता

नजीबाबाद । गीना लोकसभा क्षेत्र के नजीबाबाद सिद्धबली कॉलोनी में जिला पंचायत सदस्य अमर सिंह के आवास पर संविधान विचार गोष्ठी बैठक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। गोष्ठी कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे पूर्व जज मनोज कुमार कार्यक्रम में पहुंचने पर गणमान्य व्यक्तियों द्वारा पूर्व जज मनोज कुमार का फूल मालाएं डालकर स्वागत किया गया। बैठक में वक्ताओं ने संविधान को लेकर अपने-अपने विचार रखें। पूर्व जज मनोज कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि कुछ लोगों द्वारा समाज को बताया गया है कि संविधान के निमार्ता बाबा भीमराव अंबेडकर को एक विशेष जाति का नेता की छवि बनाई गई है जबकि बाबा भीमराव अंबेडकर जी ने देश के सभी लोगों की बात को ध्यान में रखकर संविधान बनाया जिसमें लाखों करोड़ों लोगों के जीवन में बदलाव आया। उन्होंने कहा कि हम सबको बाबा साहब के सिद्धांतों पर चलकर देश और समाज को प्रगति के पद पर लाएं। तथा समाज को एकजुट करके संविधान को बचाने का काम करें। और उन्होंने बैठक में उपस्थित सभी लोगों से आने वाले लोकसभा चुनाव में गठबंधन के प्रत्याशी को वोट करने के लिए अपील की । इस दौरान महेंद्र सिंह ,ऋषिपाल सिंह, अमर सिंह ,बिजेंद्र कश्यप ,अशोक कुमार, अनिल कुमार ,सुरेंद्र सिंह ,अमित कुमार, पूरन सिंह ,नंदराम, दुष्यंत कुमार, गोविंद सिंह, धर्मेंद्र कश्यप, राशिद पहलवान, सुमित कुमार ,जावेद अहमद ,सलीम अहमद, फारूक अहमद, आदि उपस्थित रहे

ग्राम पंचायत अधिकारी संघ के जिला अध्यक्ष बने राजकुमार सिंह

संवाददाता

अमरोहा। जनपद अमरोहा में ग्राम पंचायत अधिकारी संघ के जिला अध्यक्ष विकासखंड जोया में तैनात ग्राम पंचायत सचिव राजकुमार सिंह को बनाया है। इस दौरान सभी कार्यकताओं ने फूल मालाओं के साथ राजकुमार सिंह का जोरदार स्वागत किया। आपको बता दे कि बृहस्पतिवार को जनपद अमरोहा के विकास भवन सभागार में ग्राम पंचायत अधिकारी संघ की नई कार्यकारिणी की बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान कार्यकारिणी में बैठक में सभी

एडीओ पंचायत और पंचायत सचिवों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इसी के साथ बैठक में सर्व सम्मानित ग्राम पंचायत अधिकारी संघ के नवागत जिला अध्यक्ष राजकुमार सिंह को चुना गया। इस दौरान सभी एडीओ पंचायत और पंचायत सचिवों ने नए जिला अध्यक्ष राजकुमार सिंह का फूल मालाओं के साथ जोरदार स्वागत किया। और सभी ने ढेरो सारी शुभकामनाएं दी। इस दौरान ग्राम पंचायत अधिकारी संघ में संरक्षक योगेंद्र सिंह, उपाध्यक्ष अनस संदीप, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मोनू, कोषाध्यक्ष पवित्र को बनाया गया है। इस दौरान जिला अध्यक्ष राजकुमार ने अपने संबोधन में बताया है कि जनपद स्तर पर किसी भी पंचायत सचिव को कोई भी समस्या आती है। उनकी समस्याओं का निवारण करने के लिए संगठन हमेशा सदैव तत्पर रहेगा। इसी के साथ उन्होंने सभी का आभार व्यक्त किया।

तीन ग्राम पंचायतों को आईएसओ सर्टिफिकेट प्राप्त हुआ है

संवाददाता

अमरोहा। जनपद अमरोहा में 3 ग्राम पंचायत को आईएसओ सर्टिफिकेट प्राप्त हुआ है। इस दौरान जनपद के मुख्य विकास अधिकारी अश्विनी कुमार मिश्रा और जिला पंचायत राज अधिकारी पारुल सिसोदिया ने तीनों ग्राम पंचायत के पंचायत सचिव पंकज शर्मा, एडीओ पंचायत मदनपाल सिंह, डिडौली के ग्राम प्रधान ग्राम को आईएसओ सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया। आपको बता दें विकासखंड अमरोहा क्षेत्र की ग्राम पंचायत जमुना खास, ग्राम पंचायत नन्हेड़ा अलीयारपुर के वही विकासखंड जोया क्षेत्र की ग्राम पंचायत डिडौली के सचिवालय की क्रियाशीलता में अभिनव प्रयास किए गए है। जिसमें पंचायत सचिवालय पर कंप्यूटर, प्रिंटर, सीसी टीवी आदि की उपलब्धता, ग्राम सचिवालय में कार्यरत कर्मचारियों एवं वार्ड सदस्यों का दीवार लेखन, शिकायत एवं सुझाव बॉक्स की उपलब्धता, ग्राम सचिवालय द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं का दीवार लेखन कूड़ेदान की व्यवस्था, महिला एवं पुरुष शौचालय की पृथक पृथक व्यवस्था। सांकेतिक बोर्ड ग्राम सचिवालय पर आवश्यक अभिलेख जैसे ग्राम पंचायत शिकायत रजिस्टर ग्राम सभा एवं समितियां की बैठकों की कार्यवाही रजिस्टर जन्म मृत्यु रजिस्टर परिवार रजिस्टर उपस्थिति रजिस्टर आदि उपलब्ध हैं। जिसको लेकर आज मुख्य विकास अधिकारी अश्विनी कुमार मिश्रा और जिला पंचायत राज अधिकारी पारुल सिसोदिया ने पंचायत सचिव पंकज शर्मा, एडीओ पंचायत मदनपाल सिंह और एक ग्राम प्रधान को आईएसओ सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया। इसी के साथ सभी से अपनी ग्राम पंचायत में बेहतर से बेहतर कार्य करने के निर्देश दिए।

संक्षिप्त डायरी

विधानसभा में विधायक पीएन पाठक ने उठाई कुबेरनाथ को नगर पंचायत बनाने की मांग

संवाददाता

कुशीनगर। कुशीनगर विधायक पीएन पाठक ने विधानसभा में पेश बजट के पक्ष में बोलते हुए अपने विधानसभा क्षेत्र के कुबेरनाथ को नगर पंचायत बनाने व क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं के समाधान की बात कही। विधायक पीएन पाठक गुरुवार को सदन में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा पेश किए गए बजट के पक्ष में विधानसभा में बोल रहे थे।विधानसभा क्षेत्र के कुबेरनाथ को नगर पंचायत का दर्जा देने की मांग करते हुए कहा कि कुबेरनाथ शिव नगरी से जाना जाता है और बडा बाजार के रूप में विकसित है और पर्यटन के दृष्टिकोण से ऐतिहासिक शिव मन्दिर है विधायक पीएन पाठक ने कहा कि कुशीनगर में कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए सरकार को धन्यवाद ज्ञापित किया। यहां की आबादी लगभग 12 हजार और मतदाताओं की संख्या 9 हजार के करीब है। अगर कुबेरनाथ की व्यापारिक स्थिति को माने तो उक्त बाजार में चार प्राथमिक विद्यालय, एक जूनियर हाईस्कूल 5 इंटरमीडिएट कॉलेज, 2 डिग्री कॉलेज, 2 पेट्रोल पंप, छोटे बड़े दो दर्जन से अधिक होल सेल की दुकान तथा दो मोटरसाइकिल की एजेंसी व लगभग पांच सौ के करीब दुकान व थाना हैं,अगर बाजार से सटे ग्रामसभाओं जैसे अमवा, बतरौली, अनाहारी बारी, बड़गांव, धरनी छापर, महारानी वेलवनिया, सिंघल जोडी, परानछपरा, परसौनी आदि को जोड़ दिया जाए तो उक्त बाजार जनसंख्या व मतदाताओं की संख्या के आधार पर नगर पंचायत के मानक को पूरा करता है। विधायक पीएन पाठक ने कुशीनगर विधानसभा में अन्य बिकास की योजनाओं के लिए वात रखा साथ ही विधायक ने क्षेत्र के विकास सम्बंधी विभिन्न समस्याओं पर भी सदन का ध्यान आकृष्ट किया। विधायक द्वारा कुवेर नाथ को नगर पंचायत का दर्जा देने की मांग पर मण्डल अध्यक्ष कुबेरस्थान बच्चा सिंह, गोलू सिंह, दिनेश तिवारी, रविभूषण त्रिपाठी, प्रियरंजन मद्धेशिया, अजय पटेल, दुर्गादयाल त्रिपाठी, जनार्दन मिश्रा आदि ने प्रसन्नता व्यक्त की।

एडवोकेट उदयभान यादव बने सपा अधिवक्ता सभा के जिलाध्यक्ष

संवाददाता कसया, कुशीनगर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव व प्रांतीय अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल के निर्देश पर समाजवादी अधिवक्ता सभा के प्रदेश अध्यक्ष सिकन्दर यादव ने दीवानी न्यायालय कसया के वरिष्ठ अधिवक्ता उदयभान यादव को कुशीनगर का जिलाध्यक्ष मनोनीत किया गया है। नगरपालिका परिषद कुशीनगर के वार्ड नम्बर 22 महन्थ अवैद्यनाथ नगर (डुमरी) निवासी हरी यादव के पुत्र अधिवक्ता श्री यादव के मनोनयन पर पूर्व मंत्री ब्रह्माशंकर त्रिपाठी, पूर्व मंत्री राधेश्याम सिंह, सपा जिलाध्यक्ष शुकरुल्लाह अंसारी, पूर्व एमएलसी राम अवध यादव, लोकसभा कुशीनगर प्रभारी राजेश प्रताप राव, पूर्व जिलाध्यक्ष पुरन्दर प्रताप यादव, पूर्व ब्लाक प्रमुख डॉ प्रियेश त्रिपाठी, अभिषेक त्रिपाठी, जिला उपाध्यक्ष राजेश पाण्डेय, उग्रसेन यादव, राजेन्द्र यादव, केदार नाथ यादव, रामगुलाब यादव, पूर्व प्रधान जनार्दन यादव, पूर्व सभासद अमरजीत सिंह, युवा सपा जिला मीडिया प्रभारी सनौवर अंसारी, प्रिंसिपल संजय कुमार यादव, वशिष्ट यादव आदि ने खुशी व्यक्त किया है।

जिंदा जला 3 साल का मासूम

लखनऊ । लखनऊ में बच्चों के खेल-खेल में बड़ा हादसा हो गया। दरअसल, 1 बच्चा खेत पर बने मचान पर बैठा था। गांव के कुछ बच्चों के साथ मासूम के भाई-बहन खेत पर पहुंचे। बच्चों ने खेल-खेल में मचान के नीचे पुआल में आग लगा दी गई। कुछ देर में आग मचान तक पहुंच गई। इससे पहले की कोई मदद कर पाता। 3 साल का मासूम जिंदा जल गया।बच्चों की चीख-पुकार सुनकर गांव के लोग दौड़े। पानी डालकर आग को बुझाया। हालांकि तब तक बच्चा दम तोड़ चुका था। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने मासूम के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। परिजन इस मामले को हादसा मान रहे हैं। ये हादसा गुरुवार दोपहर का गोसाईंगंज के सेमरापीतपुर गांव का है।घटना पर इंस्पेक्टर महेंद्र शुक्ला ने बताया, सेमरापीतपुर में रहने वाले सुखमीलाल मजदूरी करते हैं। गुरुवार सुबह रोज की तरह मजदूरी करने गए थे। दोपहर 3 बजे के करीब सुखमीलाल का बड़ा बेटा अनमोल (5) छोटे भाई कुनाल (3) और बहन खुशी (4) के साथ खेलते हुए खेत पर पहुंच गया।कुनाल खेत में बने मचान पर चढ़कर बैठ गया।

राजस्थान के बजट में मोदी विजन

राजस्थान में उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी द्वारा विधानसभा में पेश किए गए भाजपा सरकार के पहले लेखा अनुदान (अंतरिम बजट) में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विजन परिलक्षित हुआ है। यह बजट पूरी तरह से आगामी लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखकर लोक लुभावना बनाया गया है। हालांकि अंतरिम बजट होने के कारण इसमें अधिक घोषणायें नहीं की गई हैं। फिर भी बजट में ऐसी अन्य को बातों को शामिल किया गया है जिसका असर सीधे आम लोगों पर पड़ता है। विधानसभा चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राजस्थान में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कई गारंटी दी थीं। प्रधानमंत्री मोदी की बहुत सी गारंटी को इस बजट में शामिल किया गया है। अनुभव के हिसाब से उपमुख्यमंत्री ने वित्तमंत्री के रूप में पहला बजट पेश किया। मगर जिस तरह से उन्होंने बजट भाषण पढ़ा उसमें पूरा आत्मविश्वास झलक रहा था। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सरकार का यह पहला बजट था। इस कारण सरकार को चुनाव के दौरान किए गए लोक लुभावने वायदों को बजट में शामिल किया जाना बहुत जरूरी था। उसी को ध्यान में रखते हुए उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने अपने बजट में महिलाओं, बुजुर्गों, युवाओं, किसानों, व्यापारियों, धमार्चार्य को खुश करने के लिए बजट में कई तरह के प्रावधान किए हैं। प्रदेश में बुजुर्गों को अभी तक रोडवेज की बसों में 30 प्रतिशत किराए में छूट मिलती थी जिसे बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया गया है। इसी तरह वरिष्ठ नागरिकों को मिलने वाली सामाजिक सुरक्षा मासिक पेंशन को एक हजार रुपये से बढ़कर 1150 रुपये प्रतिमाह कर दिया गया है। उपमुख्यमंत्री ने बजट में 70 हजार युवाओं को नई नौकरी देने की घोषणा की है। इसके लिए राजस्थान लोक सेवा आयोग व राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड के द्वारा भर्ती कैलेंडर भी बनाने की बात कही गई है। राजस्थान में पिछली अशोक गहलोत सरकार के खिलाफ सबसे बड़ा मुद्दा भर्ती परीक्षाओं में हो रही धांधली को लेकर था। गहलोत सरकार के कार्यकाल में 18 भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक होने के कारण परीक्षाओं को निरस्त करना पड़ा था। बाद में प्रशासनिक परीक्षाओं में भी कांग्रेस के कई बड़े नेताओं के परिजनों के चयन को लेकर विवाद हुआ था। जिसके चलते आम जन में गहलोत सरकार की नकारात्मक छवि बनी थी। इस बात को ध्यान में रखकर भाजपा सरकार ने अपने पहले ही बजट में युवाओं को लुभाने के लिए एक साथ 70 हजार नयी भर्तियों की घोषणा की है। हालांकि भाजपा ने चुनाव से पहले राजस्थान लोक सेवा आयोग में आमूल चूल परिवर्तन करने की बात भी कही थी। मगर उस पर अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हो पाई है। भाजपा को पता है कि प्रदेश के युवा मतदाताओं की बदौलत ही उनकी सरकार बन पाई है। ऐसे में उन्हें अपने साथ जोड़े रखना बहुत जरूरी है। संविदा पर काम कर रही आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, आशा सहयोगिन, सहायिकाओं के साथ ही अन्य संविदा कर्मियों तथा पंचायती राज व नगरीय निकायों के निर्वाचित जन प्रतिनिधियों को मिलने वाले मासिक भत्ते में भी 10 प्रतिशत बढ़ोतरी की घोषणा की गई है। प्रदेश में इसका बड़ा असर होगा तथा कई लाख लोगों को इस बढ़ोतरी का लाभ मिलेगा। जिससे आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा को फायदा मिल पाएगा। अपने बजट भाषण के दौरान जब कांग्रेस नेता शांति धारीवाल बार-बार उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी को टोक रहे थे तो उन्होंने धारीवाल पर कटाक्ष करते हुए कहा कि यह सिर्फ मर्दों का प्रदेश नहीं है। यहां पर महिलाएं भी बराबर की संख्या में है। उनके पास भी वोट की शक्ति है। इसी के चलते राज्य सरकार ने अपने अंतरिम बजट में महिलाओं के हित की कई योजनाओं की घोषणा कर उन पर पूरा फोकस रखा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश में एक करोड़ नई लखपति दीदी बनाने की घोषणा की थी उसी की तर्ज पर राजस्थान के बजट में भी 5 लाख परिवार की महिलाओं को लखपति दीदी योजना में शामिल कर उनकी आय को एक लाख से अधिक बढ़ाया जाएगा। गरीब परिवारों में कन्या के जन्म पर एक लाख रुपये का सेविंग बांड दिया जाएगा। प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना में प्रथम प्रसव पर 6 हजार रुपये दिए जाएंगे। जबकि अभी तक यह राशि पांच हजार थी। प्रदेश के सभी ब्लॉकों में एक-एक आदर्श आंगनवाड़ी केंद्र की स्थापना की जाएगी। प्रदेश में महिलाओं के लिए हेल्प डेस्क बनेगी। सभी नारी निकेतनो में सीसीटीवी लगाए जाएंगे। किसानों के लिए भी बजट में कई घोषणाएं की गई है। पीएम किसान निधि में मिल रहे 6000 की राशि को बढ़ाकर 8000 रुपये प्रतिवर्ष किया गया है। इस तरह हर किसान को साल में 2000 रुपये का लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि इसे आगे बढ़कर 12000 रुपये तक किया जाएगा। किसान क्रेडिट कार्ड की तर्ज पर गोपाल क्रेडिट कार्ड जारी किए जाएंगे चालू वर्ष में 5 लाख गोपालक परिवारों को एक लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त लोन उपलब्ध करवाया जाएगा। करीबन 33 लाख किसानों को विभिन्न फसलों के उच्च गुणवत्ता वाले बीज उपलब्ध करवाए जाएंगे। अल्पआय, लघु सीमांत ,बटाईदार किसानों, खेती और श्रमिकों के बच्चों को केजी से पीजी तक की मुफ्त शिक्षा दी जाएगी। हालांकि सरकारी स्कूलों में आठवीं तक पढ़ाई और 12वीं तक किताबें पहले से फ्री दी जा रही है। 9वीं से 12वीं तक आंशिक फीस ही ली जा रही है। मुख्यमंत्री चिरंजीवी योजना का नाम बदलकर अब मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना किया गया है। जिसमें कैंसर का डे केयर इलाज को भी शामिल किया गया है। हाईवे पर हादसों में जान बचाने के लिए 25 एडवांस्ड लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस उपलब्ध करवाई जाएगी। प्रधानमंत्री ने सौर ऊर्जा के क्षेत्र में सूर्योदय योजना की घोषणा की थी। जिसके अंतर्गत राजस्थान के 5 लाख घरों पर रूफ टॉप सोलर पैनल लगाए जाएंगे। जिससे उन परिवारों के लोगों को 300 यूनिट तक प्रतिमा बिजली निःशुल्क मिल सकेगी। प्रदेश में मन्दिरों के उन्नयन पर 320 करोड़ रुपये खर्च किये जाने का प्रावधान किया गया है। इससे विभिन्न धमार्चार्यों का सरकार को समर्थन मिलेगा। हालांकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपनी सभी चुनावी जनसभाओं में प्रदेश में पेट्रोल, डीजल की अधिक कीमतों का विरोध करते हुए भाजपा सरकार बनने पर उन्हें कम करने का वादा किया था। मगर राज्य सरकार के बजट में उस पर कोई प्रावधान नहीं किया गया है। जबकि प्रदेश के लोगों को अपने पड़ोसी राज्यों की तुलना में आज भी महंगी दरों पर पेट्रोल, डीजल खरीदना पड़ रहा है। इससे लोगों के मन में निराशा व्याप्त हुई है।

देश के विकास में एमएसएमई की अहम भूमिका

ANALYSIS

महेश वर्मा

2006 से एमएसएमई के स्थापना से लेकर 2021 तक जो विकास हुआ, उससे ज्यादा 2021 से 2023 के दौरान इस सेक्टर के प्रगति पथ को प्रशस्त करने का काम राणे के दूरदर्शी निर्णय ने किया है। एमएसएमई के अंतर्गत विशेष कर नए उद्यमी आवश्यक दस्तावेजों की कमी के कारण सरकारी योजनाओं और बैंकों से कर्ज की सुविधाएं लेने में अक्षम थे। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना ऐसे ही उद्यमियों की सहायता के लिए शुरू की गई। इस योजना के तहत नए उद्यमियों के अपना व्यवसाय शुरू करने या वर्तमान उद्यमियों के व्यवसाय के विस्तार के लिए बिना किसी गारंटी वित्तीय सहायता दी जाती है और क्रेडिट गारंटी फंड ट्रस्ट फॉर माइक्रो एंड स्मॉल एंटरप्राइजेज के अंतर्गत कोलेटरल-फ्री ऋण दिया जाता है। वित्तीय सुविधाओं का लाभ उठाने से वंचित उद्यमियों के लिए 11 जनवरी 2023 को उद्यम असिस्ट प्लेटफॉर्म लॉन्च किया गया। पहले ही साल इस प्लेटफॉर्म पर सवा करोड़ से अधिक असंगठित क्षेत्र के सूक्ष्म उद्योगों के रजिस्ट्रेशन हुए और उन्हें ऋण लेने में आसानी हुई। एमएसएमई विभिन्न उद्योगों में विविधता लाते हैं और नवाचार को प्रोत्साहित करते हैं। इसके लिए अक्सर ये उद्यम नई तकनीक और व्यवसाय के नए मॉडल अपनाते हैं। इनका उद्योगों की समग्र प्रगति भारी योगदान होता है। इसे ध्यान में रखते हुए सरकार ने कई कदम उठाए हैं। उदाहरण के लिए क्लस्टर विकास कार्यक्रम के तहत खादी विकास और ग्रामोद्योग आयोग या केवीआईसी के माध्यम से लगभग 9 करोड़ रुपयों की लागत से कर्नाटक में सेंट्रल स्लिवर प्लांट शुरू किया गया।

भारत जैसे विकासशील देश में एमएसएमई सेक्टर को अर्थव्यवस्था की रीढ़ की हड्डी माना जाता है। एमएसएमई न सिर्फ रोजगार सृजन का महत्वपूर्ण स्रोत है, बल्कि यह देश के औद्योगिक विकास में भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। एमएसएमई सेक्टर की विशेषता इसका अनूठा लचीलापन और अनुकूलनशीलता है। यह विशेषता इसे आर्थिक उतार-चढ़ाव के दौरान भी स्थिर रखती है। एमएसएमई के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम व उद्यम मंत्री नारायण राणे ने इसके रास्ते में आने वाली बाधाओं की पहचान की और उनके उपाय तलाशे व लागू किए। इसके फलस्वरूप आज देश में एमएसएमई उद्योग ने एक लंबी छलांग लगाई। 2006 से एमएसएमई के स्थापना से लेकर 2021 तक जो विकास हुआ, उससे ज्यादा 2021 से 2023 के दौरान इस सेक्टर के प्रगति पथ को प्रशस्त करने का काम राणे के दूरदर्शी निर्णय ने किया है। एमएसएमई के अंतर्गत विशेष कर नए उद्यमी आवश्यक दस्तावेजों की कमी के कारण सरकारी योजनाओं और बैंकों से कर्ज की सुविधाएं लेने में अक्षम थे। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना ऐसे ही उद्यमियों की सहायता के लिए शुरू की गई। इस योजना के तहत नए उद्यमियों के अपना व्यवसाय शुरू करने या वर्तमान उद्यमियों के व्यवसाय के विस्तार के लिए बिना किसी गारंटी वित्तीय सहायता दी जाती है और क्रेडिट गारंटी फंड ट्रस्ट फॉर माइक्रो एंड स्मॉल एंटरप्राइजेज के अंतर्गत कोलेटरल-फ्री ऋण दिया जाता है। वित्तीय सुविधाओं का लाभ उठाने से वंचित उद्यमियों के लिए 11 जनवरी 2023 को उद्यम असिस्ट प्लेटफॉर्म लॉन्च किया गया। पहले ही साल इस प्लेटफॉर्म पर सवा करोड़ से अधिक असंगठित क्षेत्र के सूक्ष्म उद्योगों के रजिस्ट्रेशन हुए और उन्हें ऋण लेने में आसानी हुई। एमएसएमई विभिन्न उद्योगों में विविधता लाते हैं और नवाचार को प्रोत्साहित करते हैं। इसके लिए अक्सर ये उद्यम नई तकनीक और व्यवसाय के नए मॉडल अपनाते हैं। इनका उद्योगों की समग्र प्रगति भारी योगदान होता है। इसे ध्यान में रखते हुए सरकार ने कई कदम उठाए हैं। उदाहरण के लिए क्लस्टर विकास कार्यक्रम के तहत खादी विकास और ग्रामोद्योग आयोग या केवीआईसी के माध्यम से लगभग 9 करोड़ रुपयों की लागत से कर्नाटक में सेंट्रल स्लिवर प्लांट शुरू किया गया। प्लांट का उद्देश्य है खादी संस्थानों की कच्चे माल की लागत कम करने में मदद करना और उत्पादक में 40 प्रतिशत तक बढ़ोतरी करना। इसी के तहत महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट फॉर रूरल इंडस्ट्रियलाइजेशन या ग्रामीण औद्योगीकरण के लिए महात्मा संस्थान के पुनरुद्धार की भी योजना है। इस योजना के तहत महाराष्ट्र के वर्धा जिले में भी जल्द सिल्वर प्लांट शुरू किया जाएगा। ये प्लांट इन्क्यूबेशन सेंटर्स के रूप में शुरू किए जा रहे हैं। इन्क्यूबेशन सेंटर्स का उद्देश्य नवीन विचारों और तकनीक को प्रोत्साहन देना है। एमएसएमई में खादी उद्योग पर ध्यान देने का विशेष कारण है। पिछले नौ साल में खादी का उत्पादन तीन गुना बढ़ा है। इसकी बिक्री 2014-2015 में महज 1170 करोड़ रुपये थी। खादी की बिक्री 2022-2023 में बढ़कर लगभग छह हजार करोड़ रुपे. हो गई है। आज हम अपनी जरूरतों के अलावा 20 से अधिक देशों को खादी उत्पाद निर्यात कर रहे हैं। आज यह व्यवसाय उत्पादन से जुड़े लाखों लोगों के अलावा भी कई लोगों की जीविका का साधन बन गया है, जिनमें डिजाइनर, निर्यातक, व्यापारी, और बैंक तक शामिल हैं। यहां तक कि हजारों सरकारी कर्मचारियों की नौकरी भी हथकरघा और खादी व्यापार की वजह से चल रही है। खादी के अलावा एमएसएमई सेक्टर के दूसरे उद्योगों की भी मदद की जा रही है। देश भर में 20 प्रौद्योगिकी केंद्र और 100 विस्तार केंद्र खोलने की योजना शुरू की गई है, जो उत्पादन सुविधाओं, जनशक्ति विकसित करने, परामर्श प्रदान करने और सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाने के माध्यम से प्रतिस्पर्धी बढ़त विकसित करके मौजूदा और संभावित एमएसएमई का समर्थन दे रहे हैं। विश्व बैंक की सहायता से लगभग छह हजार करोड़ रुपये की आरएएमपी योजना शुरू की गई है। यह राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर डायरेक्ट मार्केट एक्सेस, ऋण उपलब्धता, संस्थानों को मजबूत कर एमएसएमई ईको सिस्टम के विकास में मददगार साबित हो रही है। एमएसएमई को ऋण का प्रवाह बढ़ाने के लिए क्रेडिट गारंटी योजना को और नया रूप दिया गया है। वार्षिक गारंटी शुल्क घटाकर 0.37 प्रतिशत कर दिया गया है और गारंटी की सीमा 2 करोड़ रुपये से बढ़ा कर पांच करोड़ रुपये कर दी गई है। आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को साकार करने में भी एमएसएमई सेक्टर का भारी योगदान है। आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना अनिवार्य रूप से रोजगार सृजन से जुड़ी हुई है। रोजगार सृजन के लिए प्राइम मिनिस्टर एम्प्लॉयमेंट जेनरेशन प्रोग्राम में व्यापक बदलाव किए गए हैं। इसमें सेवा क्षेत्र के साथ एमएसएमई के अन्य प्रोजेक्ट भी शामिल किए गए हैं। इस योजना के माध्यम से अब तक लगभग नौ लाख उद्यमों को आर्थिक मदद देकर 72 लाख से अधिक रोजगार सृजित किए गए हैं। वर्ष 22-23 में 2434 करोड़ रुपये वितरण का लक्ष्य था, जबकि लक्ष्य को पार कर 2722 करोड़ रुपये की मार्जिन मनी वितरित की गई। रोजगार सृजन का ही एक हिस्सा है, पीएम विश्वकर्मा योजना का शुभारंभ। यह न सिर्फ रोजगार सृजन, बल्कि हाशिये पर जा चुकी भारतीय पारंपरिक कला, शिल्प और दूसरी युक्तियों को पुनर्जीवित करने और विश्व पटल पर उनकी महत्ता स्थापित करने की महत्वाकांक्षी योजना है। इस योजना के तहत विश्वकर्मा भाई-बहनों को 18 प्रकार के उद्यमों की ट्रेनिंग, टूल किट और बिना गारंटी ऋण उपलब्ध कराए जाएंगे। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में तैयार की गई योजना विश्वकर्मा भाई-बहनों के लिए गेम चेंजर साबित होगी। इस योजना के तहत अभी तक 77 लाख से अधिक लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया है, जो लक्ष्य के दुगने से अधिक है। सरकार की योजना इनके उत्पादों को घरेलू और वैश्विक बाजार तक पहुंचाने में सहयोग प्रदान करना है। स्पष्ट है कि खादी के अलावा एमएसएमई के दूसरे सेक्टर का भी भारत के कुल निर्यात में महत्वपूर्ण हिस्सा है। सरकार निर्यात में इनकी हिस्सेदारी और बढ़ाने का प्रयास कर रही है। एमएसएमई उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंचाने के लिए विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मेलों में भाग लेने का अवसर प्रदान किया जाता है। उद्यमों द्वारा उत्पादित माल और सेवाएं विश्व बाजार में भारत की पहचान बनाते हैं, जिससे देश के विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि होती है। इसके अलावा एमएसएमई उत्पादों और सेवाओं के लिए जेम पोर्टल जैसे ऑनलाइन बाजार का गठन किया गया है, जो सरकारी खरीद में भाग लेने का अवसर प्रदान करते हैं। एमएसएमई सेक्टर को पर्यावरण चुनौतियों से निपटने में भारत की प्रतिबद्धता के भी अनुरूप बनाया जा रहा है। एमएसएमई को जीरो इफेक्ट बनाने और जीरो इफेक्ट को अपनाने हेतु प्रेरित और प्रोत्साहित करने के लिए जेड सर्टिफिकेट योजना शुरू की गई है। जेड सर्टिफिकेट योजना को महिला सशक्तीकरण से भी जोड़ा गया है। महिलाओं के स्वामित्व वाले एमएसएमई को जेड सर्टिफिकेट मुफ्त दिया जाता है। कुल मिलाकर एमएसएमई आर्थिक समानता लाने का महत्वपूर्ण प्रयास है। इस एक योजना से रोजगार सृजन, औद्योगिक विकास, निर्यात में वृद्धि और समावेशी विकास के माध्यम से देश के समग्र विकास की संकल्पना को साकार किया जा रहा है। स्पष्ट है कि एमएसएमई को उचित समर्थन और प्रोत्साहन दिया जाए, तो भारत तीव्र गति से विकास के लक्ष्यों की प्राप्ति कर सकता है और एक समृद्ध और समावेशी समाज की ओर अग्रसर हो सकता है।

(लेखक, भाजपा किसान मोर्चा के पूर्व राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी हैं।)

बच्चों का डिजिटल संसार, क्रिटिकल उपहार

भारतीय जीवनशैली पर पाश्चात्य सभ्यता का प्रभाव काफी हद तक बढ़ा है। हम उनके रहन-सहन की आधुनिक शैली को तो अपना लेते हैं पर उनकी कुछ अच्छी चीजों की अनदेखी कर देते हैं। मसलन आज से दो दशक पहले ब्रिटेन के प्राइमरी स्कूलों में पढ़ रहे करीब 60 फीसदी बच्चों के पास मोबाइल फोन होते थे। तब के हेलीफैक्स के आंकड़ों के मुताबिक सात से 11 साल के लगभग 60 फीसदी बच्चे मोबाइल फोन का इस्तेमाल करते थे। सर्वेक्षण के मुताबिक ब्रिटेन के बच्चे बचत के मामले में बड़ों से काफी आगे थे। ये बच्चे पॉकेट मनी या दूसरे स्रोतों से होने वाली इनकम का 60 फीसदी हिस्सा बचाकर रखते थे। वह ऐसा कुछ नहीं करते थे कि उनके परिजन परेशान हों। वहीं, आज के संदर्भ में भारत के माता-पिता के लिए बच्चों का मोबाइल फोन से चिपके रहना किसी चुनौती से कम नहीं है। इसमें कोई दोराय नहीं कि डिजिटल युग में बच्चों के पालन-पोषण के सफर में कई तरह की चुनौतियां मौजूद हैं। ऑनलाइन कंटेंट से भरी दुनिया में बड़े हो रहे बच्चों के साथ, रचनात्मक जुड़ाव और हानिकारक लत के बीच की रेखा तेजी से धुंधली होती जा रही है। देश में स्मार्ट पैरेंटिंग सॉल्यूशंस के क्षेत्र में अग्रणी 'बातू टेक' ने हाल ही में किए गए एक सर्वेक्षण के नतीजों की घोषणा की है। यह सर्वेक्षण बच्चों में स्क्रीन की लत, गेमिंग और वयस्क कंटेंट की खपत के बारे में भारतीय माता-पिता को आगाह करता है। 3000 लोगों के बीच किए गए इस सर्वेक्षण से पता चला कि 95 प्रतिशत भारतीय माता-पिता स्क्रीन की लत को लेकर ज्यादा परेशान हैं। 80 फीसद ने गेमिंग की लत और 70 प्रतिशत ने एडल्ट कंटेंट की खपत को लेकर चिंता जताई है। 'बातू टेक' के संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक संदीप कुमार कहते हैं कि हालांकि इससे पहले के एक मुताबिक अत्यधिक स्क्रीन टाइम बच्चों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। उनके संज्ञानात्मक विकास में बाधा डाल सकता है और सामाजिक संपर्क को प्रभावित कर सकता है। वह कहते हैं कि सबसे ज्यादा परेशानी बच्चों में गेमिंग की लत की बढ़ती प्रवृत्ति है। जर्नल ऑफ बिहेवियरल एडिक्शन में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, दुनिया भर में लगभग तीन-चार प्रतिशत बच्चे समस्या की हद तक गेमिंग व्यवहार का अनुभव करते हैं। यह लत विभिन्न प्रकार के हानिकारक प्रभावों को जन्म दे सकती है, जिसमें खराब शैक्षणिक प्रदर्शन, नींद के पैटर्न में व्यवधान और शारीरिक गतिविधि में होने वाली कमी शामिल हैं। इसके अलावा, हिंसक या आक्रामक स्पोर्ट्स कंटेंट में लंबे समय तक संपर्क बच्चों में बढ़ती आक्रामकता और वास्तविक जीवन की हिंसा के प्रति असंवेदनशीलता को बढ़ावा देती है। कुमार का मानना है कि माता-पिता और शिक्षकों को गेमिंग की लत के संकेतों के बारे में पता होना चाहिए और बच्चों के जीवन में गेमिंग और अन्य गतिविधियों के बीच एक स्वस्थ संतुलन सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय कदम उठाने चाहिए। जुड़ाव और संपर्क के वैकल्पिक स्वरूपों को बढ़ावा देकर और स्पष्ट सीमाएं तय करके हम बच्चों को टेक्नोलॉजी को लेकर एक बेहतरीन नजरिया विकसित करने में मदद कर सकते हैं और अत्यधिक गेमिंग के नकारात्मक परिणामों को रोक सकते हैं। बातू टेक डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देने और बच्चों को स्क्रीन पर ज्यादा समय बिताने, गेमिंग की लत और इंटरनेट के अत्यधिक इस्तेमाल के खतरों से बचाने के बीच एक बारीक संतुलन के महत्व को समझता है। बातू टेक का सर्वे कई समाचार रिपोर्ट्स और ऑनलाइन चचाओं के निष्कर्षों के बाद किया गया। इन निष्कर्षों में भी बच्चों के अनुचित सामग्री के संपर्क और अत्यधिक स्क्रीन समय के बारे में बढ़ती चिंताओं को सामने रखा है। वह कहते हैं कि जीवन के हर पहलू में टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल के साथ माता-पिता के लिए यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि वे पूरी तरह से सोच-समझकर ऐसा दृष्टिकोण अपनाएं जोकि यह सुनिश्चित कर सके कि उनके बच्चे टेक्नोलॉजी के साथ एक जिम्मेदार और सामंजस्यपूर्ण संबंध विकसित कर सकें। संदीप कुमार का कहना है कि ₹बातू टेक भारतीय माता-पिता की चिंताओं को समझता है और बच्चों में स्क्रीन की लत और अनुचित कंटेंट उपभोग के गंभीर मुद्दे का समाधान प्रतिबद्ध है। डिजिटल युग में पालन-पोषण के लिए निरंतर सतर्कता, खुले और ईमानदार संचार और बेहतर व जानकारी से भरे नजरिये की जरूरत है। हमारे स्मार्ट पैरेंटिंग समाधान माता-पिता को अपने बच्चों की सेहत की सुरक्षा करते हुए डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देने में सशक्त बनाते हैं।₹ वह कहते हैं कि "बातू टेक" आज की डिजिटल दुनिया में बच्चों की परवरिश करने की जटिलताओं से निपटने के तरीके में बड़ा बदलाव ला रहा है। नए उपकरण और संसाधन मुहैया कराते हुए बातू टेक बच्चों और तकनीक के बीच एक जिम्मेदार और सामंजस्यपूर्ण संबंध बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। विशेषज्ञ कहते हैं कि कुछेक साल से 12 से 18 महीने की उम्र के बच्चों में स्मार्टफोन के इस्तेमाल की बढ़ोतरी देखी गई है। ये स्क्रीन को आंखों के करीब ले जाते हैं और जिससे आंखों को नुकसान पहुंचता है। इससे जल्दी चश्मा लगने, आंखों में जलन और सूखापन, थकान जैसी दिक्कत हो रही हैं। बच्चे स्मार्टफोन चलाने के दौरान पलकें कम झपकाते हैं। इसे कंप्यूटर विजन सिंड्रोम कहते हैं। माता-पिता को सचेत रहना चाहिए बच्चे स्क्रीन का सामना आधा घंटे से अधिक न कर पाएं। कम उम्र में स्मार्टफोन की लत की वजह बच्चे सामाजिक तौर पर विकसित नहीं हो पाते हैं। बाहर खेलने न जाने की वजह से उनके व्यक्तित्व का विकास नहीं हो पाता। कुछ बच्चे तो पसंदीदा कार्टून कैरेक्टर की तरह ही हरकतें करने लगते हैं। इस कारण उनके दिमागी विकास में बाधा पहुंचती है। बच्चे मोबाइल फोन का इस्तेमाल अधिकतर गेम्स खेलने के लिए करते हैं। वे भावनात्मक रूप से कमजोर होते जाते हैं ऐसे में हिंसक गेम्स बच्चों में आक्रामकता को बढ़ावा देते हैं। मोबाइल फोन के अधिक इस्तेमाल से वे बाहरी दुनिया से संपर्क करने में कतराते हैं।

Social Media Corner

सच के हक में...

हमारी सरकार का यह सौभाग्य है कि देश के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह जी को भारत रत्न से सम्मानित किया जा रहा है। यह सम्मान देश के लिए उनके अतुलनीय योगदान को समर्पित है। उन्होंने किसानों के अधिकार और उनके कल्याण के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया था। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे हों या देश के गृहमंत्री और यहां तक कि एक विधायक के रूप में भी, उन्होंने हमेशा राष्ट्र निर्माण को गति प्रदान की। वे आपातकाल के विरोध में भी डटकर खड़े रहे। हमारे किसान भाई-बहनों के लिए उनका समर्पण भाव और इमरजेंसी के दौरान लोकतंत्र के लिए उनकी प्रतिबद्धता पूरे देश को प्रेरित करने वाली है।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

हरित क्रांति के माध्यम से भारतीय कृषि में बदलाव लाने वाले प्रख्यात आनुवंशिकीविद् और कृषि वैज्ञानिक मनकोम्बु संबाशिवन स्वामीनाथन ने अपने पूरे जीवनकाल में एक ऐसी दुनिया की कल्पना के लिए लगातार काम किया जिसमें कोई भूखी या गरीब आबादी न हो। उन्होंने सतत विकास की अवधारणा, विशेष रूप से कृषि की पर्यावरण-अनुकूल तकनीकों, खाद्य उपलब्धता और जैव विविधता संरक्षण के साथ भी महान काम किया। स्वामीनाथन को उनके शोध कार्य का लाभ भौगोलिक सीमाओं के पार फैलाने के लिए कई अंतरराष्ट्रीय संगठनों द्वारा भी प्रशंसा मिली है। गेहूं की अधिक उपज देने वाली किस्मों के विकास में उनके योगदान के लिए उन्हें भारत की हरित क्रांति के जनक के रूप में जाना जाता है।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

एमएस स्वामीनाथनः जिन्होंने भूख और अन्न का व्याकरण बदल दिया

सुप्रसिद्ध कृषि विज्ञानी प्रोफेसर मनकोम्बु संबासिवन स्वामीनाथन को भारत रत्न दिए जाने की घोषणा की गई है। पिछले साल ही 28 सितंबर को इस महान वैज्ञानिक का 98 साल की आयु में निधन हो गया था। उनके वैज्ञानिक अवदान की वजह से लाखों भारतीय गरीब दशकों तक भूख के खिलाफ जीवन-मरण की लड़ाई जीत सके या अकाल मौत का निवाला बनने से कम-से-कम बचे रह सके। मानव सेवा के क्षेत्र में इस सर्वोच्च योगदान की इसी वजह से टाइम मैगजीन ने 20वीं सदी के सबसे प्रभावशाली एशियाई के रूप में जिन तीन भारतीयों का चयन किया, उनमें रवीन्द्रनाथ टैगोर, महात्मा गांधी के साथ एमएस स्वामीनाथन का नाम था। स्वामीनाथन को हरित क्रांति का मुख्य वास्तुकार कहा जाता है। उन्होंने धान की ज्यादा पैदावार देने वाली किस्मों को विकसित करने में अहम भूमिका निभाई। जिसने यह सुनिश्चित किया कि भारत के कम आय वाले किसान ज्यादा पैदावार ले सकें। 1960 के दशक में स्वामीनाथन ने अमेरिकी वैज्ञानिक नॉर्मन बोरलॉग और दूसरे वैज्ञानिकों के साथ मिलकर गेहूं की उच्च पैदावार वाली किस्म (एचवाईवी) के बीज विकसित किए, जिसने आगे चलकर हरित क्रांति की लहर के रूप में भारतीय कृषि जगत की सूरत बदल दी। देश में हरित क्रांति की शुरूआत दिल्ली-हरियाणा सीमा के एक गांव से हुई। जौंती के नाम से मशहूर यह गांव, देश के कृषि क्रांति का नर्सरी रहा है। स्वामीनाथन ने इस गांव का चयन गेहूं और बाजरा के उन्नतशील बीजों पर अनुसंधान के लिए किया था। दरअसल, दूसरे विश्वयुद्ध के दौरान 1943 में बंगाल में भीषण अकाल पड़ा, जिसमें भूख से छटपटाते करीब 20 लाख से ज्यादा भारतीयों की जान चली गई। बंगाल का अकाल भारत में ब्रिटिश औपनिवेशिक काल की सबसे बड़ी त्रासदियों में एक था। इसमें हुई मौतों के लिए ब्रिटेन के तत्कालीन पीएम विस्टन चर्चिल को भी जिम्मेदार माना जाता है। 4 अगस्त 1943 को चर्चिल की अगुवाई में वॉर कैबिनेट की बैठक हुई जिसमें अधिकारियों ने बंगाल में भूख से मर रहे लोगों की मदद के लिए तत्काल पांच लाख टन गेहूं भारत भेजने की सिफारिश की। लेकिन चर्चिल ने न केवल भारत में अनाज भेजने से मना किया बल्कि यह ताना भी मारा कि खरगोश की तरह बच्चा पैदा करने वाले भारतीय इस अकाल के लिए खुद जिम्मेदार हैं। इसी बैठक में चर्चिल ने यूरोप के बाकी हिस्सों में अनाज भेजने के आदेश दिए ताकि दूसरे विश्वयुद्ध के दौरान अंग्रेज सैनिकों के लिए खाने की कमी न हो। बहरहाल, तमिलनाडु के कुंभकोणम में 7 अगस्त, 1925 को पैदा हुए 18 वर्षीय युवक स्वामीनाथन को इस परिदृश्य ने झकझोर कर रख दिया। अनाज के बिना मौत के भयावह आंकड़ों ने युवक स्वामीनाथन के भीतर देश के हर व्यक्ति के लिए खाद्यान्न सुनिश्चित कराने के संकल्पों को भी कहीं मजबूत किया। 1944 में स्वामीनाथन ने मद्रास एग्रीकल्चर कॉलेज से कृषि विज्ञान में बैचलर ऑफ साइंस की डिग्री हासिल की। 1960 के दशक के आखिरी वर्षों में स्वामीनाथन का संकल्प आखिरकार सिद्ध हुआ। हर भारतीय के लिए खाद्यान्न सुनिश्चित कराने के अपने संकल्प को स्वामीनाथन ने हरित क्रांति के जरिये पूरा कर दिखाया। यह किसी चमत्कार से कम नहीं था कि भारत सरकार ने 1971 में देश को खाद्य उत्पादन में आत्मनिर्भर घोषित कर दिया। भारतीय कृषि जगत में स्वामीनाथन का योगदान और उसके व्यापक प्रभाव का ही नतीजा है कि भारत पहले खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर हुआ। दशकों तक प्रकारांतर से भारत खाद्यान्न उत्पादन के क्षेत्र में विश्व का प्रमुख देश बन गया। केवल गेहूं उत्पादन की ही बात करें तो भारत सरकार की तरफ से जारी की गई जानकारी के मुताबिक पिछले छह दशकों में गेहूं उत्पादन में लगभग 1000 फीसदी की वृद्धि हुई है। हरित क्रांति के बाद यह रिकॉर्ड उत्पादन है। गेहूं उत्पादन में भारत दुनिया में दूसरे नंबर पर है। देश का कुल गेहूं उत्पादन 1960 के दशक की शुरूआत में 98.5 लाख टन था जो बढ़कर 2021-2022 में 1068.4 लाख टन हो गया।

समग्र क्रांति के अग्रदूत महर्षि दयानंद

गुजरात के गांव टंकारा में जन्मा एक ऐसा महापुरुष जिसके तर्क आज भी अकाट्य हैं। दादा साहब फाल्के पुरस्कार प्राप्त कवि प्रदीप ने ऋषि गाथा लिख व गाकर, बाबू देवेंद्रनाथ मुखोपाध्याय, रक्तसाक्षी पं. लेखराम, पं. घासीराम, मुंशी प्रेमचंद एवं कविवर मैथिलीशरण गुप्त ने लेखबद्ध कर गुजरात की धरती में जन्मी इस दिव्य आत्मा का गुणकीर्तन किया है। महर्षि दयानंद सरस्वती भारत के प्रथम महामानव थे जिनके बारे में 19वीं सदी के अमेरिकी एवं यूरोप के अखबारों में सबसे अधिक चर्चा रहती थी और इस चर्चा का प्रमुख कारण था महर्षि का क्रांतिकारी व्यक्तित्व। जन्मस्थली टंकाराः महर्षि दयानंद सरस्वती का जन्म 12 फरवरी, 1824 को तत्कालीन मोरवी राज्य के टंकारा गांव में हुआ। उनके पिता का नाम करसन तिवारी तथा मां का नाम यशोदा बेन उर्फ अमृतबाई था। वे औदीच्य ब्राह्मण थे। महान मार्गदर्शकः जो लोग महर्षि दयानंद से प्रभावित थे और उनका अनुसरण करते थे उनमें महारानी लक्ष्मीबाई, तांत्या टोपे, नाना साहब पेशवा, मैडम भीकाजी कामा, पंडित लेखराम, स्वामी श्रद्धानंद, श्यामजी कृष्ण वर्मा, सरदार किशन सिंह, सरदार भगत सिंह , विनायक दामोदर सावरकर, भाई परमानंद, लाला हरदयाल, मदन लाल ढींगरा, पं. राम प्रसाद बिस्मिल, लाला लाजपत राय, पं. गुरुदत्त विद्यार्थी, सुभाष चन्द्र बोस, चंद्रशेखर आजाद, सरदार ऊधम सिंह, स्वामी भवानी दयाल संन्यासी, स्वामी शंकरानंद, पं. रुचिराम आर्य, महाशय राजपाल, महादेव गोविंद रानाडे, लोकमान्य बालगंगाधर तिलक, अशफाकउल्ला खां, महात्मा हंसराज, योगमाया न्यूपाने, सरदार वल्लभभाई पटेल आदि प्रमुख थे । अंधविश्वास व पाखंड पर निष्पक्ष व निर्भीक प्रहारः यद्यपि संत कबीरदास, गुरु नानकदेव व संत रविदास ने गहन साधना के प्रभाव से कई सदी पूर्व अनेक धार्मिक पाखंड का खंडन किया, पुनरपि महर्षि दयानंद ने जो वेद-शास्त्रों व अन्य मत मजहबों की समालोचना की उसका कोई प्रतिवाद नहीं कर सका। महर्षि दयानंद सरस्वती ने निष्पक्षता से सामाजिक एवं धार्मिक भेदभाव को मिटाने का यत्न किया।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899 Editor- Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

महाराष्ट्र चीनी मिलों की चालू सीजन में अप्रैल तक गन्ना पेराई की योजना

- राज्य में अब तक लगभग 72.33 लाख टन चीनी का उत्पादन किया गया

मुंबई । महाराष्ट्र में चीनी सीजन उत्पादन जारी है, इसके साथ ही राज्य में चीनी मिलों ने गन्ना पेराई बंद करना शुरु कर दिया है। हालांकि राज्य सरकार इस साल गन्ना पेराई सत्र पिछले साल के मुकाबले लंबा रखने की योजना तैयार कर रही है, ताकि गन्ना पेराई पूरी हो सके। इस साल सूखे की वजह से महाराष्ट्र में गन्ना उत्पादन पर बुरा असर पड़ा है। जिसकी वजह से मिलों ने पेराई सत्र लंबा रखने की योजना बनाई हैं । चीनी उद्योग के विशेषज्ञों का अनुमान है कि मिलें अगले दो महीनों तक और पेराई जारी रखेंगी, ताकि गन्ने की बढ़ी हुई उपलब्धता से लाभ हो सके। इस बार पेराई सत्र अप्रैल तक चलने की उम्मीद है। महाराष्ट्र चीनी मिलों ने पेराई बंद करना भी शुरू कर दिया है। चीनी आयुक्तालय के आकड़ों के मुताबिक सीजन 2023-24 में 05 फरवरी, 2024 तक महाराष्ट्र में 4 चीनी मिलें बंद हो गई है, जबकि इसी समय पिछले सीजन 5 चीनी मिलों ने पेराई बंद किया था। सोलापुर विभाग में एक चीनी मिल, छत्रपति संभाजी नगर विभाग में दो चीनी मिल और नांदेड़ विभाग में एक चीनी मिल ने पेराई सत्र बंद कर दिया है। इस सीजन कुल मिलाकर 207 चीनी मिलों ने पेराई में भाग लिया था। जिसमें 103 सहकारी एवं 104 निजी चीनी मिलें शामिल है और 743.25 लाख टन गन्ने की पेराई की जा चुकी है। राज्य में अब तक लगभग 72.33 लाख टन चीनी का उत्पादन किया गया है। पिछले सीजन में इसी समय 208 चीनी मिलें शुरू थी और उन्होंने 820.55 लाख टन गन्ना पेराई कर 803.07 लाख क्विंटल चीनी का उत्पादन किया था। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश के बाद महाराष्ट्र गन्ना का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है। चीनी आयुक्तालय की रिपोर्ट के मुताबिक 31 जनवरी 2024 के अंत तक राज्य की चीनी मिलों ने किसानों के बैंक खातों में एफआरपी का 91.45 फीसदी यानी 16,126 करोड़ रुपये जमा कर दिए है।

खाद्य कीमतों को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है: दास

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि खाद्य कीमतों को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है और मुख्य मुद्रास्फीति कम करने की राह में प्रभाव डाल रहे हैं। उन्होंने कहा कि 2022 के गर्मियों के मौसम के उच्च स्तर से मुद्रास्फीति काफी कम हुई है। लेकिन इसे लक्ष्य के दायरे में लाने का काम अभी पूरा नहीं हुआ है और हमें आपूर्ति पक्ष की नई अड़चनों को लेकर सतर्क रहना होगा क्योंकि यह अभी तक की प्रगति पर पानी फेर सकती है। बैठक के बाद संवाददाताओं को संबोधित करते हुए आरबीआई के डिप्टी गवर्नर स्वामीनाथन जे ने कहा कि जहां तक उधारी दरों को कोष की सीमांत लागत दर (एमसीएलआर) से जोड़ने की बात है तो यह अभी तक पूरा नहीं हुआ है। जमा दरें तेजी से बढ़ी हैं मगर उधारी के मामले में ज्यादा तेजी नहीं दिखाई गई। बार्कले के अर्थशास्त्री ने कहा कि हमारे उम्मीद के विपरीत आरबीआई गवर्नर और मौद्रिक नीति समिति का बयान दिसंबर की बैठक की तरह ही सतर्क दिखा। आरबीआई ने अगले वित्त वर्ष के लिए वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि दर 7 फीसदी रहने का अनुमान लगाया है। इसी तरह वित्त वर्ष 2025 में मुद्रास्फीति 4.5 फीसदी रहने का अनुमान जताया है। आरबीआई के अनुसार अगले वित्त वर्ष की पहली तिमाही में खुदरा मुद्रास्फीति 5 फीसदी रहेगी और दूसरी तिमाही में यह घटकर 4 फीसदी रह जाएगी। ऐसे में रीपो दर में कटौती वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही से पहले होने की संभावना नहीं है।

एचडीएफसी बैंक के अर्थशास्त्री ने कहा कि आरबीआई ने नीति में बदलाव के लिए काफी कम गुंजाइश छोड़ी है, जिससे अगस्त 2024 से पहले रीपो में कटौती की उम्मीद नहीं है।

भारत में लान्च के लिए ये कारें हैं तैयार

पेट्रोल और डीजल कारों के साथ इलेक्ट्रिक कारें भी शामिल

नईदिल्ली । चालू साल में लान्च के लिए 7 कारें तैयार है । मारुति सुजुकी, महिंद्रा, टाटा मोटर्स और हुंडई समेत कई कंपनियां इस साल नई कारों को लान्च करने की तैयारी कर रही हैं। इनमे पेट्रोल और डीजल कारों के साथ इलेक्ट्रिक कारें भी शामिल होंगी। इसी क्रम में मारुति सुजुकी ईवीएक्स कान्सेप्ट इलेक्ट्रिक एसयूवी 2024 के फेस्टिव सीजन के दौरान आएगी। इसे टोयोटा के 27पीएल स्केटबोर्ड प्लेटफॉर्म पर डिजाइन किया जाएगा। मारुति सुजुकी ने पहले ही पुष्टि कर दी है कि उसकी पहली ईवी में अदास तकनीक, एक फ्रेमलेस रियरव्यू मिरर और 360-डिग्री कैमरा जैसे कई एडवांस फीचर्स से लैस होगी। 2024 मारुति स्विफ्ट एक पॉपुलर हैचबैक है, जो नए जेनरेशन के रूप में आएगा। यह नए डिजाइन, इंटीरियर और टेक्नोलॉजी के साथ आएगा और 1.2 लीटर का हाइब्रिड पेट्रोल इंजन लगाएगा, जो अधिक माइलेज और परफॉर्मेंस देगा। न्यू जनरेशन स्विफ्ट को 6 लाख रुपये की एक्स-शोरूम कीमत पर लॉन्च किया जा सकता है। उम्मदी है कि कंपनी इसे मार्च 2024 के आस पास लान्च करेगी। टाटा कर्व एक कूपे डिजाइन की एसयूवी है जिसकी पोजिशन नेक्सन के ऊपर होगी। यह कंपनी की पहली कूपे एसयूवी है। यह 2024 की दूसरी छमाही में भारत में लॉन्च हो सकती है। हुंडई क्रेटा पर आधारिक इलेक्ट्रिक एसयूवी को 2024 के अंत में पेश किया जा सकता है। इसका डिजाइन और स्टाइल अपडेटेड क्रेटा पर बेस्ड होगा। इसको एलजी केमिकल से प्राप्त 45केडब्ल्यूएच बैटरी पैक के साथ पेश किया जाएगा।महिंद्रा थार 5-डोर एक ऑफ-रोड एसयूवी है, जो थार का 5-डोर वर्जन है। यह अधिक स्पेस और कॉम्फर्ट के साथ आएगा और दो इंजन विकल्पों के साथ उपलब्ध होगा - 2.0 लीटर का पेट्रोल और 2.2 लीटर का डीजल। इसकी अनुमानित कीमत 15 लाख रुपये है और यह 2024 के मार्च में लॉन्च हो सकती है। महिंद्रा एक्सयूवी 300 फेसलिफ्ट एक कॉम्पैक्ट एसयूवी है, जो एक्सयूवी300 का फेसलिफ्ट वर्जन है। यह नए डिजाइन और फीचर्स के साथ आएगी और 1.2 लीटर का टर्बो पेट्रोल और 1.5 लीटर का डीजल इंजन से लैस होगी। कंपनी इसे 9 लाख रुपये की एक्स शोरूम कीमत पर मार्च 2024 में लॉन्च कर सकती है।महिंद्रा बोलेरो नियो प्लस एक सबकॉम्पैक्ट एमयूवी है, जो बोलेरो नियो का बड़ा वर्जन है। यह 9 सीटर कैपेसिटी के साथ आएगा और 1.5 लीटर का डीजल इंजन लगाएगा, जो 100 बीएचपी का पावर और 260 एनएम का टॉर्क उत्पन्न करेगा। कंपनी इसे 10 लाख रुपये की एक्स-शोरूम कीमत पर उतार सकती है।

आईटीसी का शेयर 4 फीसदी फिसलकर बंद हुआ

मुंबई ।

ब्रिटिश अमेरिकन टोबैको (बीएटी) के आईटीसी में कुछ हिस्सेदारी बेचने की खबरों के बीच सिगरेट से लेकर होटल कारोबार करने वाली कंपनी के शेयर में गिरावट देखी गई। बीएटी के पास टोबैको मैन्युफैक्चरर्स (इंडिया) लिमिटेड, मायडलटन इन्वेस्टमेंट कंपनी लिमिटेड और रोथमैन्स इंटरनेशनल एंटरप्राइजेज लिमिटेड के जरिये आईटीसी में 29.03 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इस खबर के बाद आईटीसी का शेयर गुरुवार को 4.15 प्रतिशत तक फिसलकर 431.90 रुपये के पिछले बंद स्तर के मुकाबले 414 रुपये के दिन के निचले स्तर पर पहुंच गया। कारोबार के अंत में बीएसई पर आईटीसी का शेयर 4.04 प्रतिशत की गिरावट लेकर 414.45 रुपये पर बंद हुआ। बीएटी ने एक बयान में कहा कि हम बैलेंस शीट में मजबूती को बढ़ाने के लिए सभी अवसरों का प्रयास करना जारी रख रहे हैं और इसके हिस्से के रूप में हम नियमित रूप से आईटीसी में अपनी हिस्सेदारी की समीक्षा कर रहे हैं। हम मानते हैं कि हमारे पास एक महत्वपूर्ण शेयरधारिता है जो हमें कुछ पूंजी जारी करने और पुनः आवंटित करने का अवसर प्रदान करती है। आईटीसी के शेयरों में गिरावट का असर भारतीय शेयर बाजार पर भी पड़ा। वो इसलिए क्योंकि आईटीसी तीस शेयरों वाले बीएसई सेंसक्स में हैवी वेटेज कंपनी है। आईटीसी का 31 दिसंबर को समाप्त तिमाही में मुनाफा एक साल पहले की तुलना में 10.8 फीसदी बढ़कर 5,572 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी का परिचालन से रेवेन्यू 2 प्रतिशत बढ़कर 17,665 करोड़ रुपये हो गया, जबकि सिगरेट कारोबार 3.6 प्रतिशत बढ़ा।

मोदी सरकार ने 12,343 करोड़ के रेल प्रोजेक्ट को दी मंजूरी

- पीएम ने कहा, रेल परियोजनाओं की मंजूरी से बुनियादी ढांचे को बढ़ावा मिलेगा

नई दिल्ली ।

आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने रेल मंत्रालय की छह परियोजनाओं को मंजूरी प्रदान कर दी है, जिनकी अनुमानित लागत लगभग 12,343 करोड़ रुपये है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता वाली समिति द्वारा अनुमोदित परियोजनाओं का वित्त पोषण केंद्र सरकार करेगी। प्रधानमंत्री मोदी ने केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा लिए गए विभिन्न फैसलों की सराहना की और कहा कि रेल परियोजनाओं की मंजूरी से बुनियादी ढांचे को बढ़ावा मिलेगा और व्यस्त मार्गों पर भीड़ कम होगी। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं से वाणिज्य के साथ-साथ कनेक्टिविटी में भी सुधार होगा। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि मंत्रिमंडल द्वारा मत्स्य पालन अवसंरचना विकास कोष (एफआईडीएफ) के विस्तार से मत्स्य पालन क्षेत्र में लोगों के लिए बेहतर ऋण पहुंच सुनिश्चित होगी और संबंधित बुनियादी ढांचे के निर्माण को बढ़ावा मिलेगा। सरकार ने बृहस्पतिवार को असंगठित मत्स्य पालन क्षेत्र को औपचारिक रूप देने, सूक्ष्म और लघु उद्यमों को संस्थागत वित्त की सुविधा देने और जलकृषि बीमा को बढ़ावा देने के लिए 6,000 करोड़ रुपये की योजना की घोषणा की। इसके साथ ही सरकार ने 7,522.48 करोड़ रुपये के पहले से स्वीकृत कोष और 939.48 करोड़ रुपये के बजटीय समर्थन से मत्स्य पालन अवसंरचना विकास कोष (एफआईडीएफ) को अगले तीन वर्षों के लिए वित्त वर्ष 2025-26 तक बढ़ाने का भी निर्णय लिया। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक्स पर पोस्ट किया कि राजस्थान, असम, तेलंगाना, गुजरात, आंध्र प्रदेश और नगालैंड में 12,343 करोड़ रुपये की छह मल्टी ट्रैक परियोजनाओं को मंजूरी देने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद। सरकार के अनुसार छह राज्यों के 18 जिलों को कवर करती इन परियोजनाएं से भारतीय रेलवे का मौजूदा नेटवर्क 1,020 किलोमीटर तक बढ़ेगा।

मारुति सुजुकी अर्टिगा का बिक्री आंकड़ा 10 लाख के पार

नई दिल्ली ।

मारुति सुजुकी इंडिया के बहुउद्देश्यीय वाहन (एमपीवी) अर्टिगा ने 10 लाख बिक्री का आंकड़ा पार कर लिया है। मारुति सुजुकी इंडिया के एक वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी ने कहा कि अर्टिगा ने उन्नत प्रौद्यागिकी से लैस वाहन के तौर पर एमपीवी की अवधारणा को फिर से परिभाषित किया है। उन्होंने कहा कि यह मॉडल शहरी तथा ग्रामीण दोनों बाजारों में 37.5 प्रतिशत की प्रभावशाली बाजार हिस्सेदारी के साथ देशभर में लोकप्रिय रहा है। मोटर वाहन कंपनी घरेलू बाजार के अलावा 80 से अधिक देशों में इसका निर्यात भी करती है।

पेटीएम ई-कॉमर्स ने अपना नाम बदलकर पाई प्लेटफॉर्म्स किया

नई दिल्ली । पेटीएम ई-कॉमर्स कंपनी ने अपना नाम बदलकर पाई प्लेटफॉर्म्स कर लिया है। साथ ही ऑनलाइन खुदरा कारोबार में हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए बिट्सला का अधिग्रहण किया है। बिट्सला ओएनडीसी पर एक विक्रेता मंच है। सूत्रों के मुतो बिक कंपनी ने करीब तीन महीने पहले नाम बदलने के लिए आवेदन किया था। आठ फरवरी को उसे कंपनी रजिस्ट्रार से मंजूरी मिल गई। कंपनी रजिस्ट्रार की की अधिसूचना के अनुसार इस प्रमाणपत्र की तारीख से कंपनी का नाम पेटीएम ई-कॉमर्स प्राइवेट लिमिटेड से बदलकर पाई प्लेटफॉर्म्स प्राइवेट लिमिटेड कर दिया गया है। एलिवेशन कैपिटल पेटीएम ई-कॉमर्स में सबसे बड़ा शेयरधारक है। सूत्रों ने बताया कि कंपनी ने अब इनोबिट्स सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड (बिट्सला) का अधिग्रहण कर लिया है। इसे 2020 में पेश किया गया था। यह फुल-स्टैक ओमनीचैनल और हाइपरलोकल कॉमर्स क्षमता के साथ ओएनडीसी विक्रेता मंच के रूप में काम करता है। ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ओएनडीसी) वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की एक पहल है। इसका मकसद छोटे खुदरा विक्रेताओं को डिजिटल कॉमर्स का फायदा उठाने में मदद करने के वास्ते एक सुविधाजनक मॉडल तैयार करना है। बताया जा रहा है कि पाई प्लेटफॉर्म्स ओएनडीसी नेटवर्क पर एक अग्रणी खरीदार मंच है और बिट्सला अधिग्रहण से इसकी वाणिज्य गतिविधियों को और बढ़ावा मिलेगा।

42 फीसदी किराना व्यापारियों ने पेटीएम से बनाई दूरी

नई दिल्ली । पेटीएम पेमेंट्स बैंक पर भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा प्रतिबंध की घोषणा के बाद से ही पेटीएम को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। एक तरफ जहां पेटीएम की पैरेंट कंपनी वन97 कम्यूनिकेशन्स के शेयर औंधे मुंह गिरे हैं, वहीं पेटीएम ऐप से भी अब दुकानदार दूरी बना रहे हैं। देश भर के किराना दुकानदार ग्राहकों से कह रहे हैं पेटीएम न करो! किराना क्लब के एक सर्वे के मुताबिक पिछले हफ्ते पेटीएम पेमेंट्स बैंक के खिलाफ आरबीआई के प्रतिबंधों के बाद भारत में 42 फीसदी किराना स्टोर्स पेटीएम से दूर हो गए हैं और अन्य पेमेंट ऐप पर स्विच कर चुके हैं। इस सर्वे में 5,000 किराना दुकानदारों को शामिल किया गया था। सर्वे के मुताबिक लगभग 20 फीसदी ने कहा कि वे अन्य पेमेंट ऐप्स का इस्तेमाल करना चाहते हैं। किराना के लब के सर्वे में सामने आया है कि आरबीआई के एक्शन के बाद 68 फीसदी भारतीय किराना स्टोर्स का पेटीएम पर भरोसा कम हो गया है। किराना के लब के सर्वे बताता है कि जो खुदरा विक्रेता पेमेंट के लिए अन्य ऐप का इस्तेमाल कर रहे हैं या करने की सोच रहे हैं, उनमें से 50 फीसदी विक्रेताओं ने फोन पे का रुख किया है, जबकि 30 फीसदी ने गूगल पे और 10 फीसदी ने भारत पे को अपनाया है। रिजर्व बैंक ने 31 जनवरी को पेटीएम पेमेंट्स बैंक को अपने अकाउंट्स और डिजिटल वॉलेट में 1 मार्च से नई जमाएं स्वीकार करने से प्रतिबंधित कर दिया था।

शेयर बाजार हल्की बढ़त पर बंद

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को हल्की बढ़त पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन एशियाई बाजारों से मिश्रित रुख के बाद भी बाजार में ये तेजी रिलायंस इंडस्ट्रीज तथा आईटीसी के शेयरों में उछाल से आयी। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स उतार चढ़ाव के बाद अंत में 0.23 फीसदी करीब 167.06 अंक बढ़कर 71,595.49 पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 0.3 फीसदी तकरीबन 64.55 अंक ऊपर आकर 21,782.50 पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में स्टेट बैंक का शेयर सबसे ज्यादा 3.55 फीसदी बढ़कर बंद हुआ। इसके साथ ही सनफार्मा, आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक, टाइटन, बजाज फाइनेंस, कोटक बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईटीसी के शेयर बढ़त पर बंद हुए। वहीं दूसरी ओर महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर में सबसे ज्यादा 2.40 फीसदी की गिरावट आई। इसके अलावा भारती एयरटेल, एनटीपीसी, टाटा स्टील, इन्फोसिस सहित 14 कंपनियों के शेयर नीचे आकर बंद हुए। बाजार में ये उछाल बैंकिंग और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में तेजी के कारण बाजार को बल मिलने आया है। इससे पहले गत दिवस बाजार गिरावट पर बंद हुआ था। इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट के साथ खुले और उतार-चढ़ाव भरे कारोबार के बाद हरे निशान में लौट आये। सेंसेक्स कल के बंद भाव 71,428.43 की तुलना में मामूली गिरावट लेकर 71,410.29 पर खुला।

एशियाई बाजारों में जापान का निक्केई 0.6 फीसदी बढ़कर 34 साल के नए उच्च स्तर पर पहुंच गया। एएसएक्स 200 0.18 फीसदी ऊपर था जबकि हैंग सेंग 1.7 फीसदी गिरा। अमेरिकी शेयर बाजार का एसएंडपी 500 भी 0.06 फीसदी बढ़ गया। वहीं डॉव 0.13 फीसदी बढ़ गया और नैस्डैक 0.24 फीसदी बढ़ा।।

बायोकॉन बायोलॉजिक्स ने सैंडोज के साथ किया समझौता

नई दिल्ली । बायोकॉन बायोलॉजिक्स ने ऑस्ट्रेलिया में कैंसर उपचार संबंधी दो बायोसिमिलर उत्पादों की बिक्री तथा वितरण के संबंध में दवा कंपनी सैंडोज एजी के साथ पांच साल का समझौता किया है। बायोकॉन बायोलॉजिक्स ने कहा कि यह समझौता सैंडोज को ऑस्ट्रेलिया में बायोसिमिलर ट्रैस्टुजुमैब और बेवाकिजुमैब को बढ़ावा देने, बेचने तथा वितरित करने का विशेष अधिकार प्रदान करता है। बायोकॉन बायोलॉजिक्स, बायोकॉन लिमिटेड की अनुषंगी कंपनी है। बायोकॉन बायोलॉजिक्स के एक वे रिष्ठ वाणिज्यिक अधिकारी ने कहा कि जापान में सैंडोज के साथ हमारी हाल ही में की गई रणनीतिक साझेदारी के बाद ऑस्ट्रेलिया में सैंडोज के साथ हमारा समझौता हमारी वैश्विक साझेदारी तथा विकास रणनीति में एक और उपलब्धि है।

एलआईसी का दिसंबर तिमाही में मुनाफा बढ़कर 9,444 करोड़ हुआ

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही का मुनाफा 49 प्रतिशत बढ़कर 9,444 करोड़ रुपए पर पहुंच गया है। देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी का मुनाफा बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में 6,334 करोड़ रुपए रहा था। एलआईसी के निदेशक मंडल ने शेयरधारकों के लिए 10 रुपए के अंकित मूल्य पर प्रति शेयर चार रुपए का लाभांश देने का भी फैसला किया है। लाभांश का भुगतान अगले 30 दिन में कर दिया जाएगा। एलआईसी कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि अक्टूबर-दिसंबर, 2023 तिमाही में उसकी प्रीमियम आय बढ़कर 1,17,017 करोड़ रुपए हो गई, जो एक साल पहले की समान तिमाही में 1,11,788 करोड़ रुपए थी। एलआईसी की कुल आय समीक्षाधीन तिमाही में बढ़कर 2,12,447 करोड़ रुपए हो गई, जो बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में 1,96,891 करोड़ रुपए रही थी।

सेबी ने टीवी चैनल पर 10 अतिथि विशेषज्ञों, फर्मों पर लगाया प्रतिबंध

- शेयरों में कथित हेराफेरी का मामला

मुंबई ।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने एक आर्थिक समाचार चैनल पर आने वाले अतिथि विशेषज्ञों सहित 10 संस्थाओं को प्रतिभूति बाजार से प्रतिबंधित कर दिया। इसके साथ ही सेबी ने शेयरों में कथित हेराफेरी के जरिये इन इकाइयों द्वारा जुटाए गए 7.41 करोड़ रुपये के गैरकानूनी लाभ को जब्त करने का निर्देश भी दिया है। सेबी ने अपनी जांच में पाया कि कुछ अतिथि विशेषज्ञ समाचार चैनल पर शेयर संबंधी अपनी सिफारिशों के प्रसारण से पहले ही कुछ फर्मों को अपनी अनुशंसाओं के बारे में अग्रिम जानकारी साझा कर देते थे। सेबी ने अपने अंतरिम आदेश में कहा कि अतिथि विशेषज्ञों किरण जाधव, आशीष केलकर, हिमांशु गुप्ता, मुदित गोयल और सिमी भौमिक से शेयर अनुशंसा संबंधी अग्रिम जानकारी के आधार पर निर्मल कुमार सोनी, पार्थ सारथी धर, एसएएआर कमोडिटीज प्राइवेट लिमिटेड, मनन शेयरकॉम प्राइवेट लिमिटेड और कन्हैया ट्रेडिंग कंपनी ने उन सौदों को पूरा कर लाभ कमाया। सेबी ने कहा कि इन संस्थाओं ने ऐसे शेयर सौदों के निपटान से 7.41 करोड़ रुपये का गैरकानूनी लाभ कमाया और इस लाभ को सहमति के तहत अतिथि विशेषज्ञों के साथ साझा भी किया गया। नियामक ने कहा कि इस तरह ये सभी संस्थाएं सौदा निपटान से हुई आय को जब्त करने के लिए संयुक्त रूप से और अलग-अलग उत्तरदायी हैं।

सस्ता हो सकता है हवाई सफर

नई दिल्ली । बढ़ते हवाई किराये पर लगाम लगाने के लिए संसदीय समिति ने स्पेसिफिक रुट्स पर हवाई किराये की अधिकतम सीमा निर्धारित करने का प्रस्ताव रखा। समिति ने हवाई टिकट की कीमतों पर नियंत्रण रखने के लिए एक अलग इकाई स्थापित करने का भी प्रस्ताव रखा है। हवाई किराये पर नागरिक उड्डयन मंत्रालय की प्रतिक्रियाओं पर विचार करने के बाद समिति ने कहा कि एयरलाइंस द्वारा टिकट की कीमतों का स्व-नियमन असरदार नहीं रहा है। फिलहाल हवाई किराया न तो सरकार तय करती है और न ही इसका विनियमन करती है। परिवहन, पर्यटन और संस्कृति पर गठित संसदीय समिति ने हवाई किराये के निर्धारण के मुद्दे पर अपनी सिफारिशों एवं टिप्पणियों पर सरकार द्वारा की गई कार्रवाई पर रिपोर्ट पेश की। समिति ने रिपोर्ट में कहा कि ऐसे कई उदाहरण सामने आए हैं जहां खासकर त्योहारों या छुट्टियों के दौरान हवाई किराये में असामान्य वृद्धि हुई है। समिति की राय है कि एयरलाइंस का स्व-नियमन प्रभावी नहीं रहा है, यह भी सिफारिश की गई है कि एक तंत्र विकसित किया जा सकता है जिससे नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) को हवाई किराया विनियमित करने का अधिकार दिया जा सके।

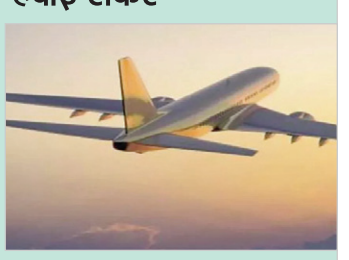

जानकारी

छोटे बच्चों के लिए खतरनाक हो सकता है देर रात तक जागना

दिन भर सोना और रात को जागना कई बच्चों की रुटीन बन जाती है। ऐसे बहुत कम बच्चे होते हैं, जो रात आराम से सोकर बिताएं। बच्चों को सुलाना मां-बाप के लिए चैलेंज होता है। आइए हम आपको इसे लेकर कुछ टिप्स देते हैं। नवजात शिशु की नींद बहुत हल्की होती है। थोड़ी सी खिटपिट की आवाज हुई नहीं कि बच्चे उठ जाते हैं। ऐसे उठने के बाद उन्हें फिर से सुलाना मुश्किल हो जाता है। छोटे बच्चे नींद को लेकर हमेशा ही जिद्दी होते हैं। उन्हें हमेशा अपने मन से ही सोना और जागना पसंद होता है। कुछ शिशु तो रात में देर तक जागते रहते हैं, जबकि मां-बाप सोना चाहते हैं। इस तरह के जिद्दी बच्चों को सुलाना मुश्किल काम होता है। कई बार मां-बाप को समझ नहीं आता कि उन्हें कैसे सुलाएं। हालांकि ऐसी दिक्कत पहली बार मां-बाप बने लोगों को होती है। अगर आप भी अपने बच्चे की ऐसी आदत से परेशान हैं, तो हम आपको उनको सुलाने के 6 टिप्स देते हैं।

सुलाकर कुछ देर बच्चे के पास ही सोएं

बच्चे को सुलाते वक्त उसे सुलाकर कुछ देर उसके पास ही सोएं, ताकि उसे लगे कि आप उसके आस-पास ही हैं। फिर उसके पास एक तकिया या कोई कपड़ा रख दें। इसके अलावा अगर आप उसे पालने में सुला रहें हैं, तो ध्यान रखें कि पालने में किसी भी चीज की सुगंध न आ रही हो। यह सुगंध अच्छा हो बुरा, इससे आपके बच्चे की नींद बीच में ही टूट सकती है। आधी नींद में उठने की वजह से वह और चिड़चिड़ा हो सकता है और दोबारा उसे सुलाने में आपको परेशानी हो सकती है।

बच्चे की सेहत का ख्याल रखें

कई बार बच्चे की तबीयत खराब होती है और आपको पता नहीं चलता कि उसे क्या हुआ है। ऐसे में अगर वो उठे तो उसे पूरी तरह चेक करें कि उसे क्या हुआ है। कई बार पेट में एसिडिटी की वजह से बच्चा सो नहीं पाता। इसलिए बच्चे को दूध पिलाने या खिलाने-पिलाने के बाद कंधे पर रखकर उसे डकार जरूर दिलवाएं। जिससे कि सोते वक्त उसे एसिडिटी जैसी समस्या नहीं होगी।

अच्छे से खिला-पिला कर सुलाएं

डॉक्टर्स की मानें तो शिशु अगर भूखा होता है तो ढंग से सोता नहीं है। शिशु भूख की वजह से या तो सो नहीं पाते हैं या आधी नींद से ही उठ जाते हैं। ऐसे में मां को चाहिए कि वह बच्चे का पेट हमेशा भरा रखे। ताकि सोते वक्त बच्चा भूखे पेट न सोए। इसके बाद भी वह उठ जाए तो उसे फिर से दूध पिलाकर सुलाने की कोशिश करिए।

शिशु की मालिश जरूर करें

शिशु की मालिश करना बेहद जरूरी चीज है। इससे बच्चे की बॉडी रिलैक्स फील करती है। अगर नहाने के तुरंत बाद शिशु की मालिश की जाए तो उन्हें उसके बाद तुरंत अच्छी नींद आ जाती है। बच्चों को नहलाते वक्त या फिर बाद में कभी भी खिलौने न दें। इससे बच्चे का मन डाइवर्ट होगा, जिस वजह से बच्चा सोने में आनाकानी करता है और सोता नहीं।

लाइट्स को डिम रखें

बच्चों को सुलाने से पहले कुछ ऐसा माहौल तैयार करें, इससे उन्हें भी लगता है कि अब सोना है। फिर बच्चे को लेकर लेट जाएं और उसे हल्की थपकी मार कर सुलाएं। डिम लाइट में बच्चों की आंखें चमकती नहीं है इसलिए वह शांत हो जाते हैं। ऐसे में आपने अक्सर देखा होगा कि बच्चा अगर सोया हो और अचानक से लाइट जलाएं तो वह जग जाता है। इसलिए बच्चों को सुलाते वक्त लाइटिंग का ख्याल रखें। साथ ही आप अगर उसे कुछ गाकर सुला सके तो उसे और अच्छी नींद आएगी।

बच्चों को सुलाने का वक्त तय करें

यह काम एक दिन में तो नहीं होगा पर अगर आप धीरे-धीरे एक ही वक्त पर बच्चे को सुलाएंगे, तो उन्हें उस वक्त पर ही सोने की आदत हो जाएगी। इस तरह वो रोज उसी वक्त पर आसानी से सोने लगेंगे। इसी तरह आप शुरू से ही बच्चों में सोने की आदत का विकास कर सकते हैं।

अध्ययन

40 की उम्र से पहले बढ़ गया है वजन तो हो जाएं सावधान हो सकता है कैंसर का खतरा

Cancer Risk मी-कैन नाम के एक अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन में इस बात का खुलासा हुआ है कि अगर आपका वजन 40 की उम्र से पहले बढ़ने लगता है तो आपको कैंसर का खतरा ज्यादा होता है।

एक अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन में इस बात का खुलासा हुआ है कि यदि आपका वजन 40 की उम्र से पहले बढ़ने लगता है तो आपको कैंसर का खतरा ज्यादा होता है। इस अध्ययन में यह पता लगाने की कोशिश की गई क्या व्यस्कों (40 की उम्र से ज्यादा) में, जिनका वजन जरूरत से ज्यादा (25 से ज्यादा बीएमआई) या मोटापे (30 से ज्यादा बीएमआई) का शिकार हैं उनमें कई प्रकार के कैंसर का खतरा बढ़ जाता है।

बर्जेन यूनिवर्सिटी के डिपार्टमेंट ऑफ ग्लोबल पब्लिक हेल्थ एंड प्राइमरी केयर के प्रोफेसर टोन जार्ज ने कहा कि 'मोटापा कई कैंसर के जोखिम कारक के रूप में जाना जाता है। इस अध्ययन में हमने जरूरत से ज्यादा वजन की डिग्री, समय और अवधि व कैंसर जोखिम के मोटापे से संबंध पर ध्यान केंद्रित किया।'

प्रोफेसर टोन जार्ज ने कहा कि इस अध्ययन में शोधकर्ताओ ने दो या उससे अधिक माप वाले वयस्कों को शामिल किया और संभावित रूप से कैंसर निदान से पहले उन्हें कम से कम तीन साल तक अलग-अलग रखा। शोधकर्ताओं ने सभी व्यक्तियों की औसतन लगभग 18 वर्षों तक गतिविधियों पर नजर रखी।

बढ़ जाती है इस तरह के कैंसर की संभावना

- अंतर्गर्भाशयकला कैंसर (Endometrial Cancer) 70 फीसदी।
- पुरुषों में गुर्दे की कोशिकाओं का कैंसर (renal-cell cancer)58 फीसदी।
- पुरुषों में पेट के कैंसर की संभावना 29 फीसदी।
- मोटापे से संबंधित सभी प्रकार के कैंसर की संभावना पुरुषों और महिलाओं में 15 फीसदी तक बढ़ जाती है।

अध्ययन के निष्कर्षो से सामने आया कि अतिरिक्त भार और मोटापे का शिकार व्यस्कों में रजोनिवृति के बाद स्तन कैंसर, अंतर्गर्भाशयकला, गुर्दे की कोशिकाओं का कैंसर और पेट के कैंसर के जोखिम की संभावना अधिक पाई गई।

इस अध्ययन में नार्वे, स्वीडन और ऑस्ट्रिया के प्रतिभागी शामिल हुए थे। मी-कैन नाम के इस अध्ययन में 2,20,000 व्यस्कों से प्राप्त डेटा का विश्लेषण किया गया। लंबाई और वजन सहित स्वास्थ्य जांच जानकारियां नेशनल कैंसर रजिस्ट्री के डेटा से संबंधित थी। जांच के दौरान 27,881 व्यस्कों में कैंसर का निदान पाया गया, जिसमें से 35 फीसदी यानी की 9,761 मोटापे से संबंधित थे।

मोटापे से ग्रस्त प्रतिभागियों में सामान्य बीएमआई वाले प्रतिभागियों की तुलना में (30 से ज्यादा बीएमआई) पहली और दूसरी स्वास्थ्य जांच में उनमें मोटापे से संबंधित कैंसर विकसित होने का खतरा अधिक पाया गया।

जार्ज ने कहा कि 'कैंसर का जोखिम पुरुषों में 64 फीसदी और महिलाओं में 48 फीसदी पाया गया।' अध्ययन के नतीजों में सामने आया कि अतिरिक्त भार और मोटापे से ग्रस्त लोगों में रजोनिवृति के बाद स्तन कैंसर, अंतर्गर्भाशयकला, गुर्दे की कोशिकाओं का कैंसर और पेट के कैंसर के जोखिम की संभावना अधिक पाई गई।

जार्ज का कहना है कि हमारा मुख्य संदेश कैंसर के जोखिम को करने के लिए एक जरूरी जन स्वास्थ्य रणनीति बनाकर वजन बढ़ने से रोकना है।

सेहत

दांतों की समस्याएं बच्चों के संपूर्ण स्वास्थ्य पर डालती है बुरा असर

यह हैं बचाव के तरीके

यह सच है कि जो खाना हम खाते हैं वह हमारे शरीर, हड्डियों, दांतों व मसूढ़ों को पोषण प्रदान करता है तथा संक्रमणों एवं रोगों से लड़ने और ऊतकों को नया करने में मददगार होता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा 2018 में जारी की गई फैक्टशीट ऑन डाइट एंड ओरल हैल्थ के मुताबिक अस्वास्थ्यकर खुराक और खराब पोषण दांतों व जबड़ों के विकास को कुप्रभावित करता है और इसका दुष्प्रभाव जीवन के बाद के वर्षों में भी रहता है। जीवन के आरंभिक वर्षों में जो आहार बच्चों को मिलता है उससे उनके शारीरिक एवं संज्ञानात्मक विकास में मदद मिलती है। परिणास्वरूप इससे उनके ओरल एवं संपूर्ण स्वास्थ्य पर भी असर पड़ता है। विशेषज्ञों के अनुसार असंतुलित आहार में बहुत सारे कार्बोहाइड्रेट, शुगर एवं स्टार्च होता है जिससे दांतों में कैविटी और दंत क्षय जैसी मुंह की बीमारियां पनपती हैं, जिससे बच्चों के समग्र स्वास्थ्य पर और ज्यादा दुष्प्रभाव होता है।

डेंटल की डॉक्टर प्रियंका माथुर का कहना है कि आहार और पोषण का मुंह पर बहुत अहम असर होता है। अत्यधिक शुगर वाले खाद्य पदार्थों से ऐसिड बनता है जो दांतों के इनामल पर असर करता है और जिससे दंत क्षय होता है। दांतों की समस्याएं न सिर्फ ओरल कैविटी को प्रभावित करती हैं बल्कि ये बच्चों के संपूर्ण विकास पर भी व्यापक असर डालती हैं।

मुंह के स्वास्थ्य की स्थिति, खानपान की आदत, पोषण का स्तर और सामान्य स्वास्थ्य के बीच में काफी पेचीदा संबंध है और इन्हें परस्पर जोने वाले कई कारक होते हैं। अगर मौखिक स्वास्थ्य ठीक नहीं है तो उससे भोजन के विकल्प चुनने में बदलाव आता है और खानपान पर नकारात्मक असर पता है, जिससे पोषण का स्तर घटता है और चलकर क्रोनिक सिस्टेमिक रोगों की स्थिति बनती है। नेशनल सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी इंफॉरमेशन, यूएसए के मुताबिक मौखिक एवं पोषण संबंधी समस्याओं को पहचानना और उनका उपचार करना स्वास्थ्य एवं जीवन गुणवत्ता सुधारने के लिए बेहद अहम है।

डेंटल ऑफिसर डॉक्टर विमल अरोरा कहते हैं कि मौखिक स्वास्थ्य से संपूर्ण स्वास्थ्य एवं कल्याण का रास्ता खुलता है। यह न केवल बच्चे के विकास को बल्कि उसके आत्म विश्वास को भी प्रभावित करता है। बच्चों के दांत खराब होंगे तो वे खुद को कमतर समझेंगे, शर्मिंदा और नाखुश होंगे। संतुलित व पौष्टिक आहार सर्वश्रेष्ठ तरीका है बढ़िया मौखिक स्वास्थ्य पाने और भविष्य में होने वाली परेशानियों को रोकने का।

सेहतमंद दांतों के लिए जरूरी पोषक तत्व

- सेहतमंद दांतों के लिए कम उम्र से ही स्वास्थ्यकर पोषण बेहद अहम है। माता-पिता को अपने बच्चों की खानपान की आदतों पर ध्यान देना चाहिए और खानपान की अच्छी आदतें उन्हें सिखानी चाहिए। कैल्शियम से भरपूर चीजें (जैसे लो-फैट मिल्क, दही, ची, बादाम), हरी पत्तेदार सब्जियां व अन्य ऐसे ही स्वास्थ्यकर खाद्य पदार्थ दांतों व हड्डियों को मजबूत करते हैं इसलिए इन्हें बच्चों के आहार में बढ़ावा दिया जाना चाहिए। अंडे, मछली, हल्का मांस व डेयरी उत्पाद फॉस्फोरस से भरपूर होते हैं जो कि मजबूत दातों के लिए लाभकारी होता है।
- सही मात्रा में फ्लोराइड होने से दंत क्षय की रोकथाम में मदद मिलती है, यद्यपि फ्लोराइड की मात्रा बढ़ने से दांतों में धब्बे आ जाते हैं जो शर्मिंदगी की वजह बनते हैं।
- इसी प्रकार अन्य विटामिनों एवं खनिजों की कमी दांतों एवं हड्डियों दोनों के ही विकास पर असर करती है और उनका रूप बिगड़ जाता है।
- कोमल और चिपकने वाले खाद्य पदार्थ मसूढ़ों की बीमारियों की शुरुआत करते हैं, इनकी वजह से बाद में चलकर मसूड़ों से खून निकलने लगता है। खराब खानपान की वजह से बचपन में ही दांत खराब हो जाते हैं, चबाने का उकसाव ठीक से नहीं होता जिससे जबड़ा छोटा रह जाता है और बेडौल दांत विकसित होते हैं। बच्चों को ऐसा भोजना दीजिए जिसे उन्हें अच्छे से चबाना पड़े इससे उनके दांते बेडौल नहीं होंगे और उनके मसूढ़ों, हड्डियों व जबड़ों का भी अच्छी तरह से विकास होगा।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शनैः-शनैः स्थिती पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। प्रेमभाव बढ़ेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। शुभांक-3-5-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रखें। शुभांक-1-3-5

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): कार्यारम्भ से पहले उचित मूल्यांकन कर लें। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। यात्रा का योग बनेगा। शुभांक-5-7-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): आध्यात्मिक रुचि बनेगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित विघ्न पैदा होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-3-5-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। वाहन चालन में सावधानी बरतें। शुभांक-5-7-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। हाथ-पैरों में पीड़ा हो सकती हैं। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-2-4-6

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। मातृपक्ष के लोगों का सहयोग मिलेगा। शुभांक-3-5-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): मनोविनोद बढ़ेगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। शुभांक-6-8-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों में प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। शुभांक-6-7-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। शुभांक-7-8-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-2-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र हैं। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-3-5

काकुरो पहेली - 3090

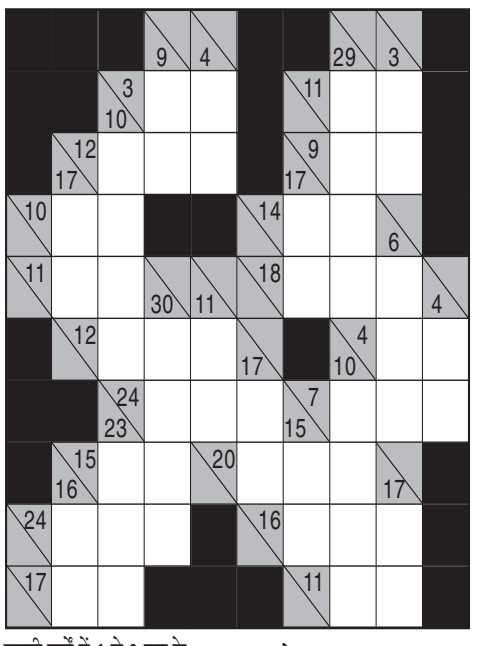

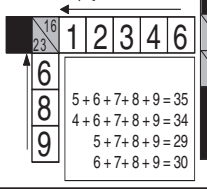

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

16/23: 1 2 3 4 6 (दाएं से बाएं); 6 8 9 (नीचे से ऊपर)

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो - 3089 का हल

हंसी के फूव्वारें

एक कवि की कविताएं कोई नहीं सुनता था आखिरकार एक दिन जब एक व्यक्ति ने उनकी कविता सुनी तो कवि ने उसका आभार मानते हुए कहा कि 'आप पहले ऐसे महानुभाव है जिन्होंने कि मेरी कविताएं इतने ध्यान से सुनी हैं.'

दूसरा व्यक्ति- 'जरा जोर से बोलिए मैं थोड़ा ऊंचा सुनता हूँ.'

एक कैदी से मिलने जेल में कोई नहीं आता था, यह देख कर जेलर को उस पर दया आ गई उसने कैदी को बुलाकर पूछा कि 'क्या बात है तुमसे मिलने तुम्हारा कोई रिश्तेदार जेल में क्यों नहीं आता है ?'

कैदी- 'क्योंकि साहब वे सब भी तो यहीं ही है !'

दो मित्र आपस में बातें कर रहे थे. एक बोला- 'क्या यह ताज्जुब की बात नहीं कि रमेश के भाग्य ने उसका आखिर तक साथ दिया.'

'वह कैसे ?'

'खाना खाते हुए वह एक मोती निगल गया था.' मित्र ने पूरी बात बताते हुए कहा - 'जब उसका ऑपरेशन करके वह मोती निकाला गया तो वह इतना कीमती निकला कि उसकी कीमत से न केवल आपरेशन का बिल ही चुक गया, बल्कि उसका क्रिया-कर्म भी ठाठ से सम्पन्न हुआ.'

फिल्म वर्ग पहेली - 3090

बायें से दायें:-

१. अनिल, रेखा की 'तू मेरा मखना' गीत वाली फिल्म-३
३. 'किसीसे तुम प्यार करो' गीत वाली अक्षय, लारा, प्रियंका की फिल्म-३
५. 'सुबह सुबह जब' गीत वाली फिल्म-२
७. राजकुमार, मीनाकुमारी की 'चलो दिलदार चलो' गीत वाली फिल्म-३
८. मंगेशकर बहनों लता, आशा, उषा की चौथी बहन का नाम क्या हैं?-२
९. अमिताभ, जया की 'आए तुम याद मुझे' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'परदेसी तो हैं परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
१२. देवआनंद, निम्मी की 'ओ रूपनगर के सौदागर' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'मैं ने तुझसे प्यार' गीत वाली विनोद खन्ना, भानुप्रिया की फिल्म-२
१४. राजकपूर, मीनाकुमारी की 'ऐ चाँद जहाँ वो जाए' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली सनी, अमीषा की फिल्म-३
१६. अजय देवगन, मनीषा, करिश्मा की एक फिल्म-४
१८. 'जलता है जिया' गीत वाली सुनील दत्त, रीनाराय, आशा की फिल्म-२
१९. सनी, सलमान, करिश्मा, तब्बू की 'यारा ओ यारा' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'तारे हैं बारती' गीत वाली अनिल, तब्बू, पूजा बत्रा की फिल्म-४
२५. मनीष, मनीषा की 'तू दीवाना पागल मेरा' गीत वाली फिल्म-३,३
२७. 'लड़की है क्या' गीतवाली फिल्म-३
२८. 'मेरे खयालों की' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'सूर्यवंशी' में नायिका कौन थी-२
३०. सनी, जूही की 'जादू तेरी नजर' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'जब कोई बात' गीतवाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'रात कली इक ख्वाब में आई' गीत वाली फिल्म-२,२,२
२. फिल्म 'आर या पार' की नायिका-२
३. शाहरूख, माधुरी की 'बड़ी मुश्किल है' गीत वाली फिल्म-३
४. 'तुम भी चलो हम भी चलें' गीत वाली अमिताभ, सायरा की फिल्म-३
६. राजेश खन्ना, राखी की 'छोड़दे जवानी में उदासी' गीत वाली फिल्म-४
११. 'तेरी चाहत में' गीत वाली फिल्म-१,२
१२. नसीरूद्दीनशाह, पूजा की 'आज हमने दिल का हर फैसला' गीत वाली फिल्म-२
१३.'बहारों फूल बरसाओ' गीतवाली फिल्म-३
१४. अमिताभ, शशि, शत्रुघ्न, राखी, परवीन, बिंदिया की फिल्म-२
१७. जीतेंद्र, हेमा की 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीत वाली फिल्म-३
२०.फिल्म 'शोला और शबनम' नायिका कौन थी ?-३
२१. फिल्म 'गुनाह' की नायक कौन था-२
२२. जीतेंद्र, लीना की 'कभी खोले ना तिजोरी का' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'मझे तेरे जैसी लड़की' गीत वाली डिनो और बिपाशा की फिल्म-२
२४. अक्षय, करीना की 'यार बदल ना जाना' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'फूलों सा चेहरा तेरा' गीत वाली फिल्म-३
२६. राजेश, धर्मेन्द्र, वहीदा की 'हमने देखी है' गीत वाली फिल्म-३
२८.'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली सनीदेओल, सुष्मिता सेन की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3089

आ	शि	क		दी	वा	र		प्रे	म
शि		न्है		वी		फू	ल		न
की		या	श	ना		च		श	का
	शा		जा		ट	क	र		मी
जा	न	की	बा	जी		र		अं	त
गृ			बू		ही		दा	दा	
ति	रं	गा		को	श	का	ग	ज	
	ग		आ	ह		श			सं
दे		श	जा	श	नी		श	जा	जी
व	क्त		द		ना	श	ज		व

सूडोकु -3090

6					7			
		8	2				7	5
	4			3				6
	7	1			2		5	
8				4				3
	2		8			9	6	
2				8			3	
4	3				9	8		
			3					9

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3089 का हल

7	4	6	9	1	5	8	3	2
1	5	2	8	3	7	4	6	9
9	3	8	2	6	4	7	1	5
8	6	4	7	9	1	5	2	3
5	2	7	3	4	6	9	8	1
3	9	1	5	8	2	6	7	4
2	7	9	1	5	8	3	4	6
6	1	5	4	7	3	2	9	8
4	8	3	6	2	9	1	5	7

शब्द पहेली - 3090

बाएँ से दाएँ

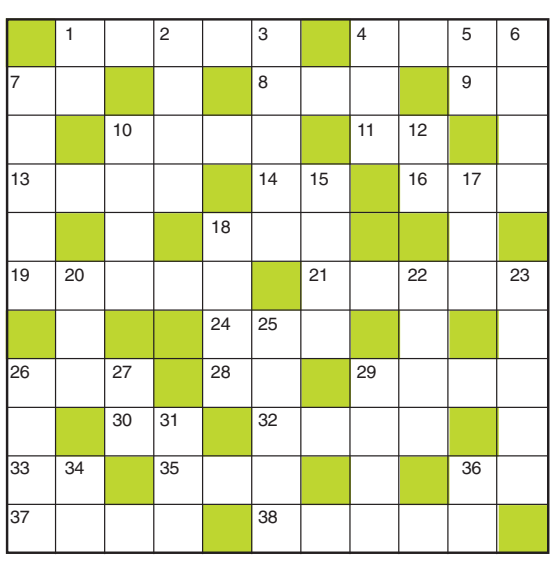

1.जायकेदार,लजीज-5
4.नट का खेल-4
7.राय,वोट-2
8.दुरुह,कठिन-3
9.प्रहार,घात-2
10.अचरज भरा कार्य-4
11.शराब,मद्य-2
13.साझेदार-4
14.क्षण,लम्हा-2
16.सहयोग-3
18.अड़िग-3
19.कैद, बंधक-3,2
21.चुगली करना-2,3
24.धावक (अंग्रेजी-3)
26.अग्नि, आग-3
28.टैक्स, हाथ-2
29.एक मुगल सम्राट-4
30.टकटकी-2
32.कैंची से काटना-4
33.आत्मा-2
35.सीरा,मिष्ठान-3
36.आगमन-2
37.जोरदार-4
38.तेज दौड़ना-5

ऊपर से नीचे

1.बुरी आदत-2
2.झगड़ा,रार-4
3.फिल्मी दुनिया-3,2
4.लेखनी,पेन-3
5.इस पर रोटी सेंकते हैं-2
6.वटवृक्ष-4
7.मन को भाने वाला-5
10.बुरा आचरण-4
12.यमराज-2
15.चुनौती-4
17.विदरण,एकता भंग-3
18.आर्द्रक-4
20.भूमि,धरती-3
22.आवेश में आना-4
23.नामकरण-2,3
25.नरक में रहना-5
26.जामफल-4
27.बेल,लतिका-2
29.प्रार्थना,ईश्वर वंदना-4
31.जलजला-3
34.मैं का बहुवचन-2
36.रुपये का सोलहवां भाग-2

शब्द पहेली -3089का हल

स	द	च	रि	त्र			ब	ह	रा	
मा	मा		या		अ	द	द		ह	क
ज			स	ज	दा		न			हा
वा	र	दा	त			श		प	नी	र
दी		मि		ह	म	रा	ज		र	
	रा	नी		रा		फ		बी	ज	
	ह		श	र	ब	त		ह		म
क	त	रा		त			अ	ड़	च	न
हा			चिं		म	लि	न			भा
नी	र		त	न	य		ब		श	व
	थ	का	न			म	न	मो	ह	न

रणजी ट्रॉफी 2024- चेतेश्वर पुजारा के नाम दर्ज एक और शतक, इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट स्क्वॉड में वापसी की उम्मीद जगी

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय टीम के सीनियर खिलाड़ी चेतेश्वर पुजारा रणजी ट्रॉफी में सौराष्ट्र की ओर से खेल रहे हैं। इस दौरान उन्होंने राजस्थान के खिलाफ मुकाबले में 110 रनों की अहम पारी खेली। उनकी इस बेहतरीन पारी से उनके टीम इंडिया में वापसी की उम्मीदें जगी हैं। दरअसल, 7-11 जून 2023 को खेले गए मैच के बाद से पुजारा ने भारत की ओर से कोई भी टेस्ट मैच नहीं खेला है। जिसके बाद उनकी इस शतकीय पारी ने भारतीय टेस्ट स्क्वॉड का दरवाजा एक बार पिर से खटखटाया है। बता दें कि, राजस्थान के खिलाफ सौराष्ट्र ने 74 रनों तक तीन विकेट गंवा दिए थे। जिसके बाद टीम मुश्किल में नजर आ रही थी, लेकिन पुजारा ने शेल्डन जैक्सन के साथ मिलकर स्कोर 242 रनों तक पहुंचाया और आउट होने से पहले सौराष्ट्र को काफी मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। सौराष्ट्र ने पहले ही दिन का खेल खत्म होने तक पहली पारी में चार विकेट पर 242 रन बना लिए हैं। वहीं वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2021-23 के फाइनल मैच के बाद से पुजारा की टीम इंडिया में वापसी नहीं हो पाई है। उन्हें साउथ अफ्रीका दौरे के लिए भी टेस्ट स्क्वॉड में नहीं चुना गया। उसके बाद इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा सीरीज में भी उनकी अनदेखी की गई। लेकिन मौजूदा स्थिति को देखते हुए रणजी ट्रॉफी में उनके प्रदर्शन को देखते हुए पुजारा की लगता है इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी तीन टेस्ट मैचों के लिए स्क्वॉड में वापसी हो सकती है।

फिलहाल, इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी तीन टेस्ट मैचों के लिए भारतीय स्क्वॉड का ऐलान होना अभी बाकी है। पुजारा का ये शतक सेलेक्टर्स पर भी दबाव बनाने का काम कर सकता है। इसके अलावा विराट कोहली की वापसी को लेकर भी अभी सस्पेंस है।

रविन्द्र जडेजा के परिवार का विवाद सामने आया, पिता ने अनदेखी का आरोप लगाया

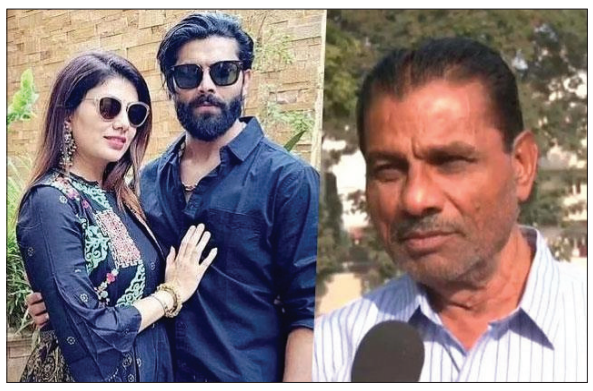

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्रिकेट रविन्द्र जडेजा के परिवार में विवाद का मामला सामने आया है। इस क्रिकेटर के पिता अनिरुद्ध जडेजा ने कहा है अगर वह अपने बेटे को क्रिकेटर नहीं बनाते तो अच्छा रहता। उन्होंने कहा कि बहू रिवाबा ने बेटे को उनसे दूर कर दिया है। जडेजा और उनके पिता अलग अलग रहते हैं। जडेजा के पिता का कहना है कि बेटे की शादी के तीन चार महीने बाद ही परिवार में विवाद शुरू हो गया था। पिता का कहना है कि उनकी बहू को केवल पैसों से मतलब है।

जडेजा के पिता ने अपने पिछले दिनों को याद किया और कहा कि किस तरह से उन्होंने चौकीदार की नौकरी करके बेटे को क्रिकेटर बनाया पर अब वह उनसे ही अलग रहता है।

जडेजा के पिता जामनगर में एक 2 बीएचके फ्लैट में रहते हैं। उन्होंने कहा कि रवींद्र के परिवार में ससुराल का अधिक दखल है। उन्होंने कहा कि रवींद्र को उनकी बड़ी बहन नयनाबा ने पाल पर अब उसे उससे भी मतलब नहीं है। जडेजा चोट की वजह से इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में नहीं खेल पाये। उनके तीसरे टेस्ट में खेलने की संभावना है।

वेस्टइंडीज के खिलाफ डेविड वॉर्नर ने मचाई तबाही, 70 रन जड़कर बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

(एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में एक नया रिकॉर्ड अपने नाम किया है। दरअसल, इंटरनेशनल क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट में मैचों का शतक लगाने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट में वो तीसरे नंबर हैं। उनसे पहले विराट कोहली और न्यूजीलैंड के रोस टेलर ही ऐसे खिलाड़ी हैं। जिन्होंने तीनों फॉर्मेट में कम से कम 100 मैच खेले हैं। वॉर्नर ने 100 से ज्यादा टेस्ट और वनडे इंटरनेशनल मैच खेले हैं।

बता दें कि, ऑस्ट्रेलिया बनाम वेस्टइंडीज के बीच तीन मैचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज के पहले मैच में वॉर्नर ने महज 36 गेंदों पर 70 रन ठोके। इस दौरान वॉर्नर ने 12 चौके और एक छक्का लगाया। वह दुनिया के पहले ऐसे खिलाड़ी बन गए हैं जिन्होंने अपने 100वें टेस्ट, 100वें वनडे और 100वें टी20 इंटरनेशनल मैच में 50+ रन बनाए हैं।

वॉर्नर ने अपना 100वां टेस्ट मैच साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेला था। तब वॉर्नर ने 255 गेंदों पर 200 रन बना डाले। इसके बाद 100वां वनडे इंटरनेशनल मैच उन्होंने भारत के खिलाफ खेला था, जिसमें वॉर्नर ने 110 गेंदों पर 124 रन बनाए थे। अपने 100वें टी20 इंटरनेशनल मैच में वॉर्नर ने 70 रन ठोक डाले। डेविड वॉर्नर टेस्ट और वनडे फॉर्मेटसे संन्यास का ऐलान कर चुके हैं, जबकि टी20 इंटरनेशनल फॉर्मेट में वह खेलना जारी रख रहे हैं।

वॉर्नर को दुनिया के सबसे सफल सलामी बल्लेबाजों में शामिल किया जाता है, इसके अलावा तीनों फॉर्मेट में उन्होंने जिस तरह के रिकॉर्ड्स बनाए हैं। वे अविश्वसनीय हैं। ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 20 ओवर में सात विकेट पर 213 रन बनाए हैं। जोश इंग्लिस ने 25 गेंदों पर 39 रनों की पारी खेली। वहीं टिम डेविड ने 17 गेंदों पर नॉटआउट 37 रन जड़ डाले।

स्ट्रेकर ने अंडर 19 क्रिकेट विश्वकप में बना रबाडा का रिकार्ड तोड़ा

बेनोनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के युवा तेज गेंदबाज ट्रॉम स्ट्रेकर की घातक गेंदबाजी से ही पाकिस्तान की टीम अंडर 19 क्रिकेट विश्वकप सेमीफाइनल में 179 रन ही बना पायी। स्ट्रेकर ने केवल 24 रन छह विकेट लेकर पाक बल्लेबाजी को धवस्त कर दिया। इस तेज गेंदबाज की गेंदों का ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों के पास कोई जवाब नहीं था। उसने शुरुआती ओवरों के बाद डेथ ओवरों में भी धातक गेंदबाजी की। इस दौरान स्ट्रेकर ने मेजबान दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा का एक दशक पुराना एक रिकॉर्ड भी तोड़ दिया।.

यह अंडर 19 विश्व कप के इतिहास में सेमीफाइनल या फाइनल में किसी गेंदबाज का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन है। गौरतलब है कि इससे पहले रबाडा ने साल 2014 में अंडर 19 विश्व कप के सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 25 रन देकर 6 विकेट लिए थे। स्ट्रेकर ने रबाडा का सर्वश्रेष्ट गेंदबाजी आंकड़े कारिकार्ड तोड़ा है। इस सूची में भारत के अंगद राज बावा तीसरे नंबर पर हैं जिन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ फाइनल में 31 रन देकर 5 विकेट लिए थे.

स्ट्रेकर की गेंदबाजी के कारण ही पाक की टीम पूरे ओवर भी बल्लेबाजी नहीं कर पाई। पाक टीम 179 रन ही बना पायी। उसके 8 बल्लेबाज तो दो अंकों से आगे तक नहीं निकल पाये। स्ट्रेकर अंडर 19 विश्व कप के इस सत्र में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में 5वें नंबर पर पहुंच गए हैं। उन्होंने अभी तक 5 मैचों में 12 विकेट लिए हैं।

24 वर्षीय बल्लेबाज ने रचा इतिहास, वनडे में दोहरा शतक लगाने वाले पहले श्रीलंकाई बने

स्पोर्ट्स डेस्क। अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे मैच में श्रीलंका के 24 वर्षीय बल्लेबाज पथुम निस्सांका ने इतिहास रच दिया है। पथुम श्रीलंका की तरफ से वनडे में दोहरा शतक लगाने वाले पहले क्रिकेटर बन गए हैं। उन्होंने 139 गेंदों पर 151 की स्ट्राइक रेट से 210 रन बनाए जिसमें 20 चौके और 8 छक्के लगाए। इसी के साथ ही वनडे में सबसे तेज दोहरा शतक लगाने के मामले में उन्होंने क्रिस गेल और वीरेंद्र सहवाग का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया है।

वनडे में सबसे तेज दोहरे शतक लगाने वाले

126 - ईशान किशन बनाम बांग्लादेश
128 - ग्लेन मैक्सवेल बनाम अफगानिस्तान
136 - पथुम निसांका वी अफगानिस्तान
138 - क्रिस गेल बनाम जिम्बाब्वे
140 - वीरेंद्र सहवाग बनाम वेस्टइंडीज

मैच की बात करें तो अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के पहले मैच में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका टीम ने धमाकेदार शुरुआत की और पहले विकेट के लिए 182 रन की साझेदारी की। इस साझेदारी में पथुम और अविष्का फर्नांडो शामिल थे। अविष्का 88 रन बनाकर 26.2 ओवर में फरीद अहमद की गेंद पर इब्राहिम जारदार के हाथों कैच आउट हो गए जबकि पथुम टिके रहे। इसके बाद पथुम ने कुसल मेंडिस (16) के साथ 43 रन और सदीरा समरविक्रमाक (45) के साथ 120 रन की साझेदारी की और नाबाद वापस लौटे। मेंडिस 35.2 ओवर में नबी की गेंद पर कैच आउट हुए जबिक सदीरा को 47.1 ओवर में फरीद ने अपना शिकार बनाया।

तीसरे टेस्ट से पहले टीम इंडिया को बड़ा झटका, सीरीज से बाहर हो सकते हैं श्रेयस अय्यर

भारतीय टीम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी तीन टेस्ट मैचों से बाहर हो सकते हैं। दरअसल, इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार अय्यर ने फॉरवर्ड डिफेंस खेलते समय पीठ में अकड़न और ग्रोइन पेन की शिकायत बनाताई है। जिससे उनका आगामी टेस्ट मैचों में खेलने पर सस्पेंस है। दूसरे टेस्ट मैच के लिए पूरी टीम की प्लेइंग किट विशाखापट्टनम से सीधे राजकोट पहुंचा दी गई थी, जहां 15 फरवरी से भारत और इंग्लैंड के बीच तीसरा टेस्ट मैच खेला जाना है। वहीं, अय्यर की किट को मुंबई में उनके घर भेज दिया गया था। अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति शुक्रवार को पांच मैचों की सीरीज के शेष मैचों के लिए भारतीय टीम की घोषणा कर सकती है, जो 1-1 से बराबरी पर है। सूत्रों ने कहा कि अय्यर को आगे के परीक्षणों के लिए बैंगलोर में राष्ट्रीय क्रिकेट एकेडमी भेजा जाएगा। लेकिन बल्लेबाज को अगले महीने इंडियन प्रीमियर लीग शुरू होने तक प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी की उम्मीद है। पिछले साल पीठ की चोट के बाद अय्यर की सर्जरी हुई थी।

बुमराह के प्रदर्शन से टेस्ट क्रिकेट का रोमांच बढ़ा : आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाज आकाश चोपड़ा ने तेज गेंदबाज जसपीत बुमराह की जमकर प्रशंसा की है। चोपड़ा के अनुसार बुमराह अपने प्रदर्शन से हमें टेस्ट क्रिकेट से प्यार करना सीखा रहे हैं। चोपड़ा ने कहा कि इंग्लैंड टीम के खिलाफ दूसरे टेस्ट में बुमराह ने जिस प्रकार घातक गेंदबाजी कर भारतीय टीम को जीत दिलायी उससे टेस्ट क्रिकेट का रोमांच बढ़ा है। इस मैच में बुमराह ने ओली पोप और बेन स्टोक्स के विकेट लेकर मैच का रुख अपनी ओर मोड़ा। चोपड़ा ने कहा है कि बुमराह को तेज गेंदबाजी से प्यार है। उन्होंने पहली पारी में 6 विकेट लेकर अकेले ही इंग्लैंड के बल्लेबाजी क्रम को ध्वस्त कर दिया था। उन्होंने दूसरी पारी में भी 3 विकेट लिए जिससे भारतीय टीम को मुकाबले में 106 रन से जीत मिली थी। इस प्रदर्शन के बाद वह आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष गेंदबाज भी बने हैं। सभी प्रारूपों में शीर्ष रैंकिंग हासिल करने वाले बुमराह एकमात्र भारतीय तेज गेंदबाज हैं। चोपड़ा ने इसी कारण कहा कि बुमराह जैसा कोई नहीं है। वह स्पिनरों की सहायक टर्निंग पिच पर विकेट ले रहे हैं। बुमराह ने पीठ की गंभीर चोट से शानदार वापसी की है। बुमराह समय-समय पर गेंद को अंदर ला सकते हैं और बाहर निकाल सकते हैं। वह हमें टेस्ट क्रिकेट से प्यार करवा रहा है। टेस्ट क्रिकेट में नंबर वन गेंदबाज बनने के लिए उन्हें बधाई। आकाश चाहते हैं कि बुमराह राजकोट में इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट में भी खेलें। उन्होंने कहा कि ऐसी खबरें हैं कि उन्हें तीसरे टेस्ट के लिए आराम दिया जा रहा है पर मैं ऐसा नहीं चाहता। मुझे उम्मीद है कि वह खेलेंगे।

सैफ महिला अंडर-19 फुटबॉल में भारत-बांग्लादेश बनी संयुक्त विजेता

ढाका (एजेंसी)। भारत और मेजबान बांग्लादेश की टीम सैफ महिला अंडर-19 फुटबॉल चैम्पियनशिप में संयुक्त विजेता बनी हैं। इससे पहले भारतीय टीम को विजेता घोषित कर दिया गया था पर बाद में अधिकारियों ने दोनो ही टीमो को संयुक्त विजेता घोषित किया। इस मैच में निर्धारित 90 मिनट तक मुकाबला 1-1 से बराबरी पर था। इसके बाद रैफरी ने पेनल्टी शूटआउट कराया।

इसमें सभी 11 खिलाड़ियों ने अपने पेनल्टी किक पर गोल दाग दिया। इस प्रकार स्कोर 11-11 पर पहुंचने के बाद रैफरी ने पेनल्टी शूटआउट बंद कर सिक्का उछालकर विजेता का फैसला करना चाहा। इसमें भारतीय टीम जीत गयी और जश्न मानने लगी पर मेजबान टीम के खिलाड़ियों ने इस प्रकार से मैच का फैसला किये जाने का विरोध किया। इसके बाद दर्शकों ने भी इस फैसले के खिलाफ उग्र प्रदर्शन शुरु कर दिया। ऐसे में उन्हें नारे लगाते भी देखा गया। एक घंटे से अधिक समय के बाद सिक्का उछालने का फैसला करने मैच आयुक्त ने अपना फैसला बदलते हुए दोनो ही टीमों का संयुक्त विजेता घोषित कर दिया।

मेस्सी की हांगकांग मैच में अनुपस्थिति पर चीन में नाराजगी बढ़ी, 'रिफंड' की पेशकश की

हांगकांग । हांगकांग में एक फुटबॉल मैच के दौरान लियोनल मेस्सी के मैदान पर नहीं उतरने के बाद सरकार और खेल प्रेमियों के गुस्से का सामना करने वाले आयोजक ने शुक्रवार को कहा कि वे विश्व कप विजेता फुटबॉलर की अनुपस्थिति के लिए टिकट की 50 प्रतिशत राशि लौटने की पेशकश करेंगे। इस हफ्ते के शुरू में स्थानीय टीम के खिलाफ हुए इस मैच में मेस्सी को भी मैदान पर खेलने उतरना था लेकिन वह 'ग्रोइन' चोट के कारण पूरे 90 मिनट तक बेंच पर बैठे रहे। लेकिन अर्जेंटीना का यह स्टार खिलाड़ी बुधवार को इंटर मियामी के ताजा प्रदर्शनी मैच में तोक्यो में 30 मिनट तक मैदान पर उतरा था। जिससे पिछले दो दिन से चीन में सोशल मीडिया पर लोग मेस्सी के हांगकांग में मैच नहीं खेलने पर निराशा व्यक्त कर रहे हैं। शुक्रवार को स्थानीय आयोजक टैटलर एशिया ने 'इंस्टाग्राम' पोस्ट पर उन लोगों से माफी मांगी जो मैच से काफी निराश थे। उसने कहा कि मेस्सी के नहीं खेलने के बारे में जब पता चला तो उसने इंटर मियामी के प्रबंधन से अनुरोध किया था कि वह इस फुटबॉलर से दर्शकों को समझाने का आग्रह करे। अनुबंध के अनुसार मेस्सी को 45 मिनट तक खेलना था लेकिन अगर चोटिल हो तो ऐसा नहीं कर पायेगा। आयोजक ने कहा, 'लेकिन ऐसा नहीं हुआ। बल्कि मेस्सी सात फरवरी को जापान में खेले थे जो उनके चेहरे पर एक और थप्पड़ की तरह था।' आयोजक ने कहा कि वह सरकार से चर्चा कर रहा है कि इस मामले को कैसे निपटाया जाये और 50 प्रतिशत टिकट की राशि वापस देने के इंतजाम की घोषणा मार्च के मध्य में की जाएगी। आयोजक ने कहा, 'आयोजक के तौर पर हम अपनी जिम्मेदारी से नहीं बचेंगे इसलिये ही टैटलर एशिया उन सभी को 50 प्रतिशत 'रिफंड' की पेशकश करेगा जिन्होंने मैच के दिन के टिकट आधिकारिक चैनल से लिए थे।' मैच के प्रत्येक टिकट की कीमत 4,880 हांगकांग डॉलर (624 डॉलर) तक थी।

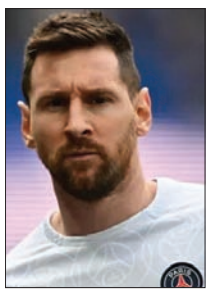

फिंच की पसंदीदा आईसी विश्व कप टीम में स्मिथ शामिल नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान आरोन फिंच ने जून में होने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप के लिए ऑस्ट्रेलिया की अपनी पसंदीदा टीम बनायी है। फिंच ने इसमें अनुभवी ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज स्टीव स्मिथ को भी अपनी अंतिम ग्यारह में जगह नहीं दी है। साथ ही कहा कि बल्लेबाजी में काफी गहरायी है। उन्होंने यह भी कहा कि विकेटकीपर-बल्लेबाज जोश इंगलिस इस टूर्नामेंट में फिनिशर की भूमिका अच्छी प्रकार से निभा सकते हैं। फिंच ने कहा, इस समय मेरी 11 में वह स्मिथ शामिल नहीं है और इसका कारण यह है कि मुझे लगता है कि सूची में पर्याप्त बल्लेबाजी क्षमता है। इंग्लिस कई प्रकार की भूमिका एकसाथ निभा सकता है।

उन्होंने कहा कि स्मिथ इस युग के सबसे बेहतरीन बल्लेबाजों में से एक होने के बाद भी टी20 में बेहतर नहीं कहे जा सकते हैं। उन्होंने 25.69 के औसत और 125 से अधिक की स्ट्राइक रेट से पांच अर्धशतकों के साथ 1,079 रन बनाए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 90 है। 15 टी20 में इंग्लिस ने 158 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट और एक शतक के साथ 29.76 की औसत से 387 रन बनाए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 110 है।

फिंच ने मध्यम गति के ऑलराउंडर मार्कस स्टोइनिस और स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर मैथ्यू शॉर्ट को भी शामिल किया। उन्होंने कहा, मेरे पास मार्कस स्टोइनिस और मैट शॉर्ट हैं। कैरेबियन में विकेट बहुत अधिक स्पिन कर सकते हैं। अगर आपको लगता है कि आपको गेंद के साथ अतिरिक्त कवर की जरूरत है तो मैं वहां मैट शॉर्ट या मार्कस स्टोइनिस का विकल्प रखना चाहूंगा।

फिंच की टी20 विश्व कप के लिए अंतिम 11 :

डेविड वार्नर, ट्रैविस हेड, मिशेल मार्श, ग्लेन मैक्सवेल, जोश इंग्लिस, मार्कस स्टोइनिस, मैथ्यू शॉर्ट, टिम डेविड, पैट कमिंस, मिशेल स्टार्क, एडम ज़म्पा और जोश हेज़लवुड।

यशस्वी जैसे खिलाड़ी की ही हमें जरुरत : गावस्कर

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि हमें उनके जैसा ही बल्लेबाज चाहिये था। यशस्वी ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में दोहरा शतक लगाया था। गावस्कर ने कहा, यशस्वी ने दिखाया है कि वे तेजी से सीखते हैं। उन्होंने जिस प्रकार की बल्लेबाजी दूसरे टेस्ट में की उसी की जरुरत थी। उस मैच में टीम को किसी ऐसे खिलाड़ी की ही जरूरत थी जो पारी को संभाल सके और उन्होंने ऐसा ही किया। वहीं कई बल्लेबाज ऐसा करने में विफल रहे। वे सभी उतरे और विकेट खोते चले गये। .गावस्कर ने साथ ही कहा, आपको ऐसे ही शॉट्स खेलने की जरूरत होती है जो थोड़ा हैरान कर देने वाले हों। कुछ समय पर बल्लेबाजों का रुख थोड़ा बदल सा जाता है। टेस्ट क्रिकेट पांच दिन का खेल है पर कभी-कभी मैच कुछ ही दिन में समाप्त हो जाते हैं। पहले टेस्ट में ओली पॉप और दूसरे में यशस्वी जायसवाल ने मैच विजेता पारियां खेली थीं। दूसरे मैच में भारतीय टीम के मध्य क्रम के विफल होने के बाद भी यशस्वी एक छोर पर जमे रहे जिससे भारतीय टीम एक बड़ा स्कोर बनाने में सफल रही। यशस्वी के दोहरे शतक से ही टीम पहली पारी में 396 रनों तक पहुंची।

उदय सहारन को टीम के अंडर 19 विश्वकप खिताब जीतने का भरोसा

बेनोनी (एजेंसी)। भारतीय अंडर 19 क्रिकेट टीम के कप्तान उदय सहारन को विश्वकप जीतने की उम्मीद है। भारतीय टीम के फाइनल में पहुंचने का श्रेय उदय ने सभी खिलाड़ियों के एक इकाई के तौर पर खेलने को दिया है। उदय ने कहा कि अब टीम रविवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खिताबी मुकाबले में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने उतरेगी। भारतीय टीम ने इस बार अपने अब तक के सभी मैच जीते है जिसके कारण भी उदय के हौंसले बुलंद हैं। इसके साथ ही टीम के खिलाड़ियों ने जरुरत के समय बेहतर प्रदर्शन कर उसे जीत दिलायी है। हर बार किसी न किसी खिलाड़ी ने जिम्मेदारी लेकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया है।

सहारन ने टीम के अभ्यास सत्र के बाद कहा, 'हमारी टीम के अच्छे प्रदर्शन का राज आपसी तालमेल रहा है। हमारा आपस में जुड़ाव इतना अच्छा है कि ड्रेसिंग रूम का माहौल दोस्ताना बना हुआ है। सभी एक दूसरे पर भरोसा करते हैं और एक दूसरे की सहायता को तैयार रहते हैं। इसी का प्रभाव टीम के प्रदर्शन पर भी दिखा है। भारतीय टीम पिछले नौ में से सात बार टीम फाइनल में पहुंची है जबकि पांच बार उसने खिताब जीत है। टीम का लक्ष्य इस बार छठी बार जीत दर्ज करना रहेगा।

उदय ने कहा, 'बहुत गर्व की बात है कि हम लगातार पांचवीं बार फाइनल में पहुंचे हैं। भारतीय टी ने अब तक इस टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया है। हमारे सभी खिलाड़ी लय में हैं और अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। इस टूर्नामेंट में सबसे अधिक 389 रन बनाने वाले सहारन ने कहा, 'फाइनल में कोई भी टीम को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। हम विरोधी टीम की जगह अपने खेल पर ध्यान दे रहे हैं। हमने मैच दर के अनसार रणनीति बनाई है और हर मैच को गंभीरता से ले रहे हैं। साथ ही कहा कि हम अपने खेल पर ध्यान दे रहे हैं क्योंकि हमें अपना सर्वश्रेष्ठ देना है। मैच हालात के हिसाब से खेल रहे हैं। हर मैच अहम है क्योंकि यह विश्व कप है और सारी टीमें अच्छी है।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सेमीफाइनल में 245 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए एक समय भारतीय टीम ने चार विकेट 32 रन पर खो दिये थे। इसके बाद टीम को मुश्किल हालातों से निकालते हुए सहारन ने सचिन धास 96 के साथ पांचवें विकेट के लिए रिकॉर्ड 171 रन की साझेदारी करके टीम को जीत दिलाई। उस पारी के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा, 'मेरे पापा ने सिखाया है कि जितना हो सके लंबे समय तक टिके रहना है। मैच को फिनिश करना है और मैं कोशिश करता हूं कि अंत तक जिम्मेदारी निभाऊं। टीम को जीत तक लेकर जाऊं।

उन्होंने कहा, 'हम पहले भी बहुत सारे शिविर में भाग ले चुके हैं और बहुत दबाव वाले मैच खेल सकते हैं। हम बहुत कड़ा अभ्यास करते हैं और दबाव के हालात में भी अभ्यास करते हैं। जैसी जरूरत है, वैसा ही अभ्यास करते हैं और ध्यान इसी पर रहता है कि मैदान पर उस पर अमल करें।

शिवसेना नेता का फेसबुक लाइव मर्डर, आरोपी ने भी कर ली आत्महत्या

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति में खूनी संघर्ष की घटनाएं बढ़ रही हैं। बीते रोज मुंबई में शिवसेना यूबीटी नेता अभिषेक घोसालकर की गोली मारकर हत्या कर दी गई। घोसालकर जिसके साथ बैठक फेसबुक लाइव कर रहे थे उसी ने उन्हे गोली मार दी और खुद भी आत्महत्या कर ली। इसके पहले महाराष्ट्र के उल्हासनगर में पिछले शुक्रवार देर रात बीजेपी विधायक गणेश गायकवाड़ ने कथित तौर पर शिवसेना नेता महेश गायकवाड़ को गोली मार दी थी। गोलीबारी हिल लाइन पुलिस स्टेशन में एक वरिष्ठ पुलिसकर्मी के केबिन के अंदर हुई थी, जहां दो राजनेता और उनके समर्थक लंबे समय से चले आ रहे भूमि विवाद पर शिकायत दर्ज कराने के लिए जमा हुए थे। इसके बाद पुलिस ने आरोपी विधायक को तुरंत हिरासत में लेकर गिरफ्तार कर लिया था। मुंबई में शिवसेना यूबीटी नेता अभिषेक घोसालकर की हत्या हो गई है। इस हमले के दौरान अभिषेक पर ताबड़तोड़ फायरिंग की गई। जिसमें उन्हें तीन गोली लगीं। घायल शिवसेना नेता को एक स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया था, यहां उन्होंने दम तोड़ दिया। अभिषेक पर हमला करने के कुछ देर बाद हमलावर ने खुद भी सुसाइड कर लिया। वारदात के वक्त अभिषेक उसी हमलावर के साथ बैठकर फेसबुक लाइव कर रहे थे। अब पुलिस पूरे मामले की छानबीन में जुट गई है। मौके से मिली प्राथमिक जानकारी के मुताबिक इस हमले मे अभिषेक को 3 गोलियां लगी थीं। उनपर हमला करने वाले शख्स का नाम मोरिस भाई बताया गया है।यह वारदात मुंबई के एमएचबी पुलिस स्टेशन इलाके में हुई है। जानकारी के मुताबिक, गोलियों का शिकार बने अभिषेक घोषालकर पूर्व नगरसेवक थे। वो शिवसेना उद्धव गुट के नेता विनोद घोसालकर के बेटे थे। बताया जा रहा है कि आपसी विवाद में ये फायरिंग की गई। उधर, अस्पताल के बाहर शिवसेना उद्धव गुट के कार्यकर्ता जमा हो गए। उनमें इस घटना को लेकर खासा गुस्सा है। पार्टी नेताओं का कहना है कि दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए। इस घटना की जितनी निंदा की जाए वो कम है। हमले पर शिवसेना (यूबीटी) के प्रवक्ता आनंद दुबे ने कहा कि महाराष्ट्र में इस समय अराजकता का माहौल बनाने की कोशिश की जा रही है। आमदार हों या खासदार हों कोई सुरक्षित नजर नहीं आ रहा है। क्या विपक्षी लोगों को चुन-चुनकर निशाना बनाया जा रहा है? मुख्यमंत्री से लेकर पूरी की पूरी एनडीए सरकार कानून व्यवस्था बनाए रखने में असफल हो गई। और ये सरकार राम राज्य लाने का वादा करती है। ऐसी सरकार को हम पूरी तरह से उखाड़ फेकेंगे।

भारत में लगभग 16 करोड़ लोग शराब का सेवन करते

नई दिल्ली । देश के कई राज्य हैं, जहां पर लोग नशीले पदार्थों का सेवन खूब करते हैं। पिछले कुछ सालों में पंजाब, केरल, हरियाणा और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों में भी तंबाकू, अफीम, गांजा और शराब जैसे नशा का सेवन करने वालों की संख्या बढ़ी है। कमोबेश भारत के सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में नशीली पदार्थों का प्रयोग होता है। नेशनल ड्रग विभाग ट्रीटमेंट (एनडीडीटी) की रिपोर्ट कहती है कि भारत में लगभग 16 करोड़ लोग सिर्फ शराब का नशा करते हैं। इसमें बड़ी संख्यां में शहरी महिलाएं शामिल हैं। यूपी-बिहार जैसे राज्यों में भी लोग अलग-अलग प्रकार के नशा करते हैं। बिहार में जहां लोग खैनी का सेवन ज्यादा करते हैं। वहीं यूपी में तंबाकू से जुड़े उत्पादों का प्रचलन खूब है। मोदी सरकार ड्रग डिमांड रिडक्शन योजना के तहत हर साल तकरीबन 100 करोड़ रुपये खर्च करती है। इसके तहत केंद्र सरकार नशीले पदार्थों का उपयोग करने वालों के लिए पुनर्वास केंद्रों, किशोरों को नशीले पदार्थों के उपयोग की रोकथाम के लिए सीपीएलआई योजना, आउटरीच और ड्रॉप इन सेंटर एवं जिला नशामुक्ति केंद्रों के संचालन और रखरखाव के लिए एनजीओ के जरिए हर साल मदद देती है। साल 2022-23 वित्तीय वर्ष में मोदी सरकार ने तकरीबन 100 करोड़ देश के राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को दिए। आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों को 2022-23 वित्तीय वर्ष में तकरीबन 4 करोड़ रुपये दिए गए। वहीं असम को 4.37 करोड़ रुपये जारी किए गए। बिहार को 1.84 करोड़ रुपये दिए गए। इसतरह कर्नाटका को साल 2022-23 वित्तीय वर्ष के दौरान 9 करोड़ रुपये दिए गए। मणिपुर को 8 करोड़, ओड़िशा को 9.31 करोड़ रुपये दिए गए। तमिलनाडु को 5.19 करोड़ रुपये दिए गए। वहीं साल 2022-23 में आंध्र प्रदेश को 3.99 करोड़ रुपये केंद्र ने दिए। गुजरात को 2.53 करोड़, हरियाणा को 2.03 करोड़, कर्नाटक को 9 करोड़, केरल को 3.54 करोड़ रुपये दिए गए। मध्य प्रदेश को 3.50 करोड़, महाराष्ट्र को 9.88 करोड़, मणिपुर को 8 करोड़ रुपये मिले। राजस्थान को 4.87 करोड़ और पंजाब को 1.01 करोड़ रुपये दिए गए। मोदी सरकार के मंत्रालय के अनुसार देश में जम्मू-कश्मीर में सबसे ज्यादा नशामुक्ति केंद्रों की संख्या है। देश की 66 नशामुक्ति केंद्रों में 18 नशामुक्ति केंद्र सिर्फ जम्मू-कश्मीर में है। भारत की अलग-अलग एजेंसियों से जुड़े रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में ड्रग्स का अवैध कारोबार लगभग 10 लाख करोड़ रुपए का है।

उत्तर प्रदेश : प्रयागराज में मौनी अमावस्या पर 1.4 करोड़ लोगों ने गंगा में लगाई डुबकी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश की 'संगम नगरी' प्रयागराज में मौनी अमावस्या पर शुक्रवार दोपहर 12 बजे तक लगभग 1.40 करोड़ लोगों ने गंगा में आस्था की डुबकी लगाई। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। इस बीच, हेलीकाप्टर से स्नान करने वाले श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा भी की गई। माघ मेला प्रशासन के एक अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार दोपहर 12 बजे तक करीब 1.40 करोड़ लोगों ने गंगा और संगम में स्नान किया। इस बीच हेलीकाप्टर से स्नान करने वाले श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा की गई। उन्होंने बताया कि बृहस्पतिवार मध्यरात्रि 12 बजे से ही जनसैलाब घाटों की तरफ उमड़ा हुआ है और गांव देहात व दूसरे जिलों से श्रद्धालु यहां पहुंच रहे हैं। अधिकारी ने बताया कि भारी भीड़ को देखते हुए घाटों की लंबाई 6800 फुट से बढ़ाकर 8000 फुट कर दी गई है और कुल 12 घाट बनाए गए हैं एवं सभी घाटों पर पर्याप्त संख्या में वस्त्र बदलने की सुविधा स्थापित की गई है। पुलिस उप महानिरीक्षक (माघ मेला) राजीव नारायण मिश्र ने बताया कि मेला क्षेत्र में सुरक्षा के व्यापक बंदोबस्त किए गए हैं और पूरे क्षेत्र में 300 से अधिक सीसीटीवी कैमरे और कई एआई (कृत्रिम बुद्धिमता) आधारित कैमरे क्रियाशील हैं। उन्होंने बताया कि इन कैमरों से फीड को इंटीग्रेटेड कमांड कंट्रोल सेंटर पर लिया जा रहा है। अधिकारी ने बताया कि मेला क्षेत्र में कोई भी संदिग्ध वस्तु या व्यक्ति नजर आने पर त्वरित कार्रवाई की जा रही है। इसके साथ ही आतंक रोधी दस्ता (एटीएस), द्रुत कार्य बल (आरएएफ), राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ), राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की टीमें, महिला पुलिसकर्मी, घुड़सवार पुलिस, बम निरोधक दस्ते सभी क्रियाशील हैं। मेला अधिकारी दयानंद प्रसाद ने बताया कि इसके अलावा, सार्वजनिक शौचालयों की संख्या भी 1800 से बढ़ाकर छह हजार कर दी गई है और 12,000 संस्थागत शौचालयों के साथ मेला क्षेत्र में शौचालयों की कुल संख्या अब 18,000 हो गई है। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के निरीक्षक अनिल कुमार ने बताया कि प्रमुख स्नान पर्व मौनी अमावस्या पर भारी भीड़ को देखते हुए श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए एनडीआरएफ के जवान विभिन्न घाटों पर तैनात किए गए हैं। साथ ही एनडीआरएफ की महिला बचाव कर्मियों की भी तैनाती की गई है।

काशी विश्वनाथ मंदिर के पुजारी को मिलेगा 90 हजार वेतन

वाराणसी । वाराणसी स्थित श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के मुख्य पुजारी को बतौर 90 हजार रुपये वेतन मिलेगा। वहीं कनिष्ठ पुजारी को 80 हजार और सहायक पुजारी को 65 हजार रुपये का मानदेय दिया जाएगा। ऐसा इसलिए होने वाला है क्योंकि काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास की 105 वीं बैठक में 41 साल बाद पुजारी सेवा नियमावली को लेकर सहमति बन गई है। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया है कि मंदिर में पुजारियों के कुल 50 पद होंगे और इस पर भर्ती के लिए विज्ञापन भी जारी किया जाएगा। इसके अलावा जिले के सभी संस्कृत के छात्रों को श्री काशी विश्वनाथ मंदिर मुफ्त में ड्रेस और पुस्तकें देगा। पहली बार मंदिर संस्कृत ज्ञान प्रतियोगिता भी कराएगा। साथ ही शहर में कई स्थानों पर बाबा का भोग प्रसाद बांटा जाएगा। संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय को अनुदान मिलेगा। बता दें कि काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास की 105 वीं बैठक बीते दिन कमिश्नरी सभागार में मंदिर न्यास के अध्यक्ष प्रोफेसर नागेंद्र पांडे की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक की शुरुआत मंदिर के ट्रस्टी श्री वेंकट रमन घनपाठी द्वारा वैदिक मंत्रों से मंगलाचरण करके की गई. इसके पश्चात मंदिर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण मिश्रा द्वारा पिछले बैठक में लिए गए निर्णय की अनुपालन आख्या और आगामी सत्र की बजट को लेकर चर्चा की गई, जिस पर न्यास द्वारा सहमति प्रदान की गई। बैठक में चार दशक बाद पुजारी सेवा नियमावली को लेकर भी चर्चा हुई, जिसे न्यास परिषद ने सर्वसम्मत से सहमति प्रदान की। बैठक में मंडलायुक्त कौशल राज शर्मा द्वारा संस्कृत विद्यालयों के कक्षा 6 से लेकर कक्षा 12 तक के सभी बच्चों को निशुल्क में पुस्तक और ड्रेस देने का प्रस्ताव रखा गया, जिस पर न्यास ने इस पुनीत कार्य की सराहना करते हुए तत्काल अनुमोदन और अगले एक दो माह में ही इसको पालन करने पर सहमति व्यक्त की।

देश में हर रोज 15 किलोमीटर रेल पटरी बिछायी जा रही है : वैष्णव

नई दिल्ली (एजेंसी)। , 09 फरवरी (वेब वार्ता)। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज कहा कि पिछले 10 वर्षों में देश में हर रोज औसतन 15 किलोमीटर रेल पटरी बिछायी जा रही है जबकि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार के दस वर्षों में यह औसत केवल 04 किलोमीटर थी।

श्री वैष्णव ने शुक्रवार को राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान पूरक प्रश्नों के जवाब में यह जानकारी दी। रेल परियोजनाओं में देरी से जुड़े सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 से लेकर अब तक 30 हजार 336 किलोमीटर रेल पटरी बिछायी गयी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार के दस वर्षों में केवल 14,900 किलोमीटर रेल पटरी बिछायी गयी थी। उन्होंने कहा कि रेल पटरी बिछाने के काम में तेजी लाने के लिए पिछले वर्षों में अनेक अड़चनों को हटाया गया है। सरकार ने रेलवे के लिए दो लाख 52 हजार करोड़ रूपये का आवंटन किया गया है।

श्री वैष्णव ने एक अन्य सवाल के जवाब में कहा कि सरकार इंटरनेट को सुरक्षित बनाने और डीपफेक जैसी

गंभीर समस्याओं से निपटने के लिए इंटरमीडियरी रूल्स में संशोधन करने जा रही है। इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री ने कहा कि सोशल मीडिया प्लेटफार्म को भी इस मामले अपनी जिम्मेदारी को समझ कर उसका निर्वहन करना होगा।

शिव सेना की प्रियंका चतुर्वेदी ने देश में अनेक लोगों के फोन पर आये एप्पल कंपनी के संदेश का हवाला देते हुए कहा कि उनके फोन पर भी इस तरह का संदेश आया था और उन्होंने मंत्री महोदय को इसकी शिकायत की थी लेकिन चार महीने हो गये इस बारे में कुछ नहीं हुआ।

श्री वैष्णव ने कहा कि इस तरह की शिकायतों के लिए संस्थागत तंत्र है जो इनका समाधान करता है। उन्होंने कहा कि इस समस्या के लिए इस तंत्र के साथ सहयोग करना होगा। आप को अपने फोन की जांच करानी होगी। यदि व्यक्ति जांच में सहयोग करेगा तो सच्चाई सामने आ सकेगी।

पशुपालन और डेयरी मंत्री परूशोत्तम रूपाला ने बताया कि देश भर में 13 हजार करोड़ रूपये की लागत से समूचे पशुधन के लिए टीकाकरण कार्यक्रम चलाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार पशुधन में बीमारियों के बचाव के लिए राज्य सरकारों के साथ मिलकर इस टीकाकरण कार्यक्रम को सफलतापूर्वक चला रही है। ओडिशा में पशु चिकित्सालय विश्वविद्यालय खोले जाने से संबंधित सवाल पर उन्होंने कहा कि इस तरह का विश्वविद्यालय खोलने की जिम्मेदारी राज्य सरकार की होती है।

दादा को भारत रत्न....गदगद हुआ पोता जयंत, पीएम मोदी को धन्यवाद कहकर लिखा दिल जीत लिया

नई दिल्ली । पूर्व पीएम चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न सम्मान देने के ऐलान के बाद उनके पोते जयंत चौधरी ने पीएम मोदी के ट्वीट को शेयर कर लिखा कि दिल जीत लिया। बता दें कि जयंत चौधरी जल्द ही इंडिया ब्लॉक को छोड़कर एनडीए में शामिल हो सकते हैं जिसके लिए आखिरी दौर की बातचीत चल रही है। भारत सरकार ने देश के पूर्व प्रधानमंत्री और किसानों के मसीहा रहे चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न देने का फैसला किया है। पीएम मोदी ने खुद इसका ऐलान किया जिसके बाद उनके पोते जयंत चौधरी ने इस पर खुशी जाहिर की। जयंत ने पीएम मोदी के ट्वीट को शेयर कर लिखा कि दिल जीत लिया। इसके पहले चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न देने का ऐलान कर पीएम मोदी ने लिखा, हमारी सरकार का यह सौभाग्य है कि देश के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह जी को भारत रत्न से सम्मानित किया जा रहा है। यह सम्मान देश के लिए उनके अतुलनीय योगदान को समर्पित है। उन्होंने किसानों के अधिकार और उनके कल्याण के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया था। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे हों या देश के गृहमंत्री और यहां तक कि एक विधायक के रूप में भी, उन्होंने हमेशा राष्ट्र निर्माण को गति प्रदान की। वे आपातकाल के विरोध में भी डटकर खड़े रहे।

अगले माह हो सकता है लोकसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान, तैयारियों में जुटा चुनाव आयोग

नई दिल्ली, (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव 2024 की तैयारियां बहुत तेजी से चल रहीं है। इसके लिए जहां राजनैतिक दल अपनी रणनीति बना रहे हैं वहीं निर्वाचन आयोग भी अपनी तैयारियां कर रहा है। चुनाव आयोग की टीमों ने आंध्र प्रदेश का दौरा कर लिया है और वहां चुनाव की तैयारियों का जायजा लिया है। अब 20 फरवरी को आयोग की टीम का बिहार दौरा है और उससे पहले ही 15 तारीख को ओडिशा में टीम पहुंचेगी। इस टीम में मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार समेत 8 अधिकारी शामिल होंगे। अब तक मिली जानकारी के अनुसार आयोग की टीमें मार्च के पहले सप्ताह तक सभी राज्यों में तैयारियों को परख लेंगी। उसके बाद मार्च के ही दूसरे सप्ताह में चुनाव का ऐलान हो जाएगा।

ने सबसे पहले आंध्र प्रदेश का दौरा 10 और 11 जनवरी को किया था। अब 15 से 17 तक ओडिशा का प्लान है। इन दोनों राज्यों में विधानसभा चुनाव भी होने हैं। ऐसे में यहां ज्यादा तैयारियों की जरूरत होगी। ओडिशा के बाद टीम बिहार पहुंचेगी। फिर तमिलनाडु का प्लान है। सूत्रों के अनुसार इसी महीने के अंत तक यूपी और बंगाल का दौरा भी होगा। जम्मू-कश्मीर भी टीम जाएगी और वहां विधानसभा चुनाव के लिहाज से भी व्यवस्थाओं को परखा जाएगा। कहा जा रहा है कि एक बार गृह मंत्रालय से सुरक्षा आदि पर मंजूरी मिलने के बाद वहां विधानसभा इलेक्शन भी कराए जा सकते हैं। चुनाव की शुरुआत ऐलान के कम से कम 28 दिन बाद ही हो सकती है। इस तरह पहले चरण का मतदान भी अप्रैल के दूसरे सप्ताह तक होने की संभावना जताई जा रही है। चुनाव का यह पूरा कैलेंडर कमोबेश 2019 के आम चुनाव जैसा ही होगा, जब निर्वाचन आयोग ने 10 मार्च को इलेक्शन का ऐलान किया था और 24 मई को प्रक्रिया समाप्त हो गई थी। राज्यों में जाकर सुरक्षा व्यवस्था समेत कई पहलुओं का जायजा चुनाव आयोग की टीमें लेती हैं। उसके बाद जब तैयारियों को परख लिया जाता है तो फिर प्रक्रिया शुरू की तैयारी होती है।

बता दें कि चुनाव आयुक्त अनूप चंद्र पांडेय रिटायर भी होने वाले हैं। ऐसे में लोकसभा इलेक्शन से पहले नए चुनाव आयुक्त का भी चयन होना है। इसे लेकर पीएम मोदी की अध्यक्षता वाली कमेटी ने पहली मीटिंग कर ली है। माना जा रहा है कि लोकसभा चुनाव होने तक तीन निर्वाचन आयुक्त हो जाएंगे। अनुमान है कि इस बार लोकसभा चुनाव के लिए देश भर में करीब 11.8 लाख बूथ बनेंगे। यही नहीं देश भर में मतदाताओं की संख्या भी बढ़कर करीब 95 करोड़ हो सकती है। 2019 में यह आंकड़ा 90 करोड़ का था।

केजरीवाल का दावा, हमारे सरकारी स्कूल निजी से अच्छे नहीं साबित हुए ... राजनीति छोड़ दूंगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली के सीएम केजरीवाल ने कहा, मैं चैलेंज करता हूं। इस इलाके में बहुत बड़े-बड़े प्राइवेट स्कूल हैं। जिस दिन यह स्कूल बन जाए एक चक्कर इस स्कूल का लगा लेना, और एक चक्कर उन प्राइवेट स्कूलों का लगा लेना। अगर यह सरकारी स्कूल प्राइवेट से ज्यादा बेहतर ना हो तब राजनीति छोड़ दूंगा।

लोकसभा चुनाव से पहले केजरीवाल ने फिर दिल्ली के लिए पूर्ण राज्य का मुद्दा उठाया है। उन्होंने कहा है कि दिल्ली आधा राज्य है। उस आधा राज्य क्यों कर रखा है, इस पूरा कर दे।

केजरीवाल ने कहा, पिछले 75 साल से बाबासाहेब अंबेडकर का सपना अधूरा है। मैंने कसम खाई है, बाबा तेरा सपना अधूरा, केजरीवाल करेगा पूरा। चारों तरफ इतनी महंगाई हो गई है कि घर का खर्चा चलाना मुश्किल हो गया है। बीजेपी वालों की केंद्र सरकार ने पूरे देश में सर्वे कराया है कि सबसे कम महंगाई दिल्ली में है। क्योंकि दिल्ली में बिजली मुफ्त है, दिल्ली में महिलाओं का बस में सफर मुफ्त है, शिक्षा मुफ्त है, इलाज मुफ्त है, तीर्थ यात्रा मुफ्त है। इसकारण दिल्ली में सबसे कम महंगाई है।

सीएम केजरीवाल ने कहा, मैं आप लोगों से पूछना चाहता हूं क्या बीजेपी की केंद्र सरकार ने आप लोगों के लिए एक भी काम किया है। ना खुद करते हैं, ना मुझे करने देते हैं। मेरे पीछे सारी एजेंसियां छोड़ दी हैं, जैसे देश का सबसे बड़ा डाकू और चोर मैं ही हूं। लेकिन मुझे इनकी कोई चिंता नहीं है। मैं उतने स्कूल बनाऊंगा। तुम अपना धर्म करो, मैं अपना धर्म करूंगा। तुम्हारा धर्म है फर्जी और झूठ कैसे बनाना, सारा नेगेटिव काम तुम्हारा धर्म है। जबकि मेरा काम है स्कूल बनाना लोगों को अच्छा इलाज देना, उनकी सेवा करना मेरा धर्म है। यह गुंडे मेरे पीछे पड़े हैं, लेकिन आपके आशीर्वाद के सामने इन गुंडों का कुछ नहीं होगा।

अग्निवीरों के हक में संसदीय समिति ने उठाई आवाज कहा-रेग्युलर सैनिक की तरह मिले लाभ

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मामले की संसदयी स्थायी समिति ने संसद में यह भी कहा कि ड्यूटी के दौरान शहीद होने वाले जवानों के परिवार को मिलने वाली धनराशि को भी बढ़ाने की सिफारिश की गई है। पैनल ने कहा है कि अगल-अलग राज्य अपने हिसाब से शहीदों के परिवार को मुआवजे की रकम देते हैं। इसको सभी राज्यों में बराबर कर देना चाहिए। समिति ने कहा, चार साल की सेवा के लिए भी जिन अग्निवीरों की भर्ती होती है। उनके शहीद होने पर परिवार को मिलने वाला लाभ रेग्युलर सैनिक के बराबर ही होना चाहिए। वहीं बात करें रेग्युलर सैनिक की तो उनके परिवार को इन सब लाभों के अलावा फैमिली पेंशन और पूर्व सर्विसमैन की भी सुविधाएं मिलती हैं। बता दें कि चार साल की सेवा पूरी होने के बाद अग्निवीरों में से 25 फीसदी को सुरक्षाबलों में जगह दे दी जाएगी। शुरुआती साल में इसमें 30 हजार रुपये सैलरी मिलती है जिसमें से 21 हजार दिया जाता है और 9 हजार कॉर्प्स फंड में जमा होता है। बता दें कि अग्निवीर योजना के तहत सैनिक, सेलर और एयरमैन की भर्ती होती है। बता दें कि ड्यूटी के दौरान शहीद होने वाले अग्निवीर के परिवार को बीमा के 48 लाख रुपये, 44 लाख का मुआवजा, इसके अलावा उसके द्वारा जमा किए गए सेवा निधि और बैटल कैजुअलिटी फंड से 8लाख रुपये दिए जाते हैं। इसके अलावा परिवार को शहीदी की तारीख से लेकर चार साल तक की सेवा पूरी होने तक का वेतन मिलने का भी प्रावधान है। इस फंड में हर महीने 9 हजार रुपये का योगदान सरकार भी देती है। दूसरे साल सैलरी 23,100 रुपये मिलने लगती है।

पीएम मोदी की जाति को लेकर राहुल गांधी के बाद खड़गे ने उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जाति को लेकर आम चुनाव से पहले राजनीति तेज हो गई है। जहां कांग्रेस पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सबसे पहले पीएम मोदी की जाति पर सवाल उठाए। अब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी राहुल का समर्थन कर पीएम मोदी पर बड़ा आरोप लगाया है। खरगे ने तंज कसते हुए कहा कि पीएम मोदी को बिना सड़कों पर आंदोलन करे ओबीसी वर्ग का दर्जा मिला है, जबकि देश में करोड़ों लोग ओबीसी लिस्ट में खुद को शामिल करवाने के लिए लगातार संघर्ष कर रहे हैं।

खड़गे ने कहा कि आजकल पूरे देश को मोदी जी सामाजिक न्याय का पाठ पढ़ा रहें हैं। उनकी जाति को ओबीसी दर्जा मिल गया। वे अपने आप को सबसे बड़ा ओबीसी भी कहने लगे हैं। उन्होंने कहा कि मोदी जी को बिना सड़कों पर आंदोलन करे ओबीसी वर्ग का दर्जा मिल गया, पर देश में करोड़ों लोग ओबीसी

लिस्ट में अपने आप को शामिल कराने के लिए निरंतर संघर्ष कर रहें हैं। उन्होंने कहा कि देश की कई सारी ऐसी पिछड़ी जातियां हैं, जो मोदी जी के जाति जनगणना के विरोध के चलते, अन्य पिछड़ा वर्ग दर्जा नहीं ले पाएगी। महाराष्ट्र, हरियाणा, गुजरात में लाखों लोग कई वर्षों से अपनी जाति को ओबीसी का दर्जा दिलवाने के लिए सड़कों पर उतरें हैं।

खड़गे ने कहा कि ओबीसी में विश्वगुरु मोदी जी बन गए! पर ये नहीं बता रहे कि जातिगत जनगणना - जाति जनगणना कब होगा? सामाजिक न्याय को लागू करने के लिए जातिगत जनगणना- जाति जनगणना सबसे जरुरी है। कांग्रेस पार्टी का वादा है कि हम जाति जनगणना जरूर करवाएंगे! राहुल ने कहा कि नरेंद्र मोदी सामान्य वर्ग में पैदा हुए और सीएम बनने के बाद उन्होंने अपनी जाति ओबीसी में बदल दी।

पीएम मोदी ने लोकसभा में बोलकर आरोप लगाया था कि कांग्रेस ने ओबीसी के साथ अन्याय किया है, उसने अन्य पिछड़े वर्ग (ओबीसी) के नेताओं का अपमान करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी। पीएम मोदी ने कहा कि उनकी सरकार ने पिछले दिनों कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न दिये जाने की घोषणा की जिन्हें 1987 में नेता प्रतिपक्ष के रूप में स्वीकार करने से कांग्रेस ने मना कर दिया और कारण बताया कि वह संविधान का सम्मान नहीं करते।

150 लोकसभा सीटों पर भाजपा जल्द उतारेगी उम्मीदवार, कंगना को भी मिल सकता है टिकट

नई दिल्ली (एजेंसी)। आने वाले लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुटी भाजपा हर एक सीट पर मंथन कर रही है। जहां कमजोरियां हैं उनको दूर किया जा रहा है। हारी हुई सीटों को झटकने की रणनीति पर काम चल रहा है। अबकी बार 400 पार का नारा साकार करने के लिए भाजपा उन सीटों पर ज्यादा ध्यान दे रही है जिस पर चुनौतियां ज्यादा है। ऐसी ही करीब 150 सीटें हैं जिनके लिए बहुत जल्द भाजपा अपने उम्मीदवारों का ऐलान कर सकती है। फिल्म अभिनेत्री कंगना रनौत ने भी चुनाव लड़ने की इच्छा जताई है लेकिन भाजपा उन्हें शायद ही हिमाचल से चुनाव लड़वाए। इसके अलावा पूर्व मंत्री गोबिंद सिंह ठाकुर और भाजपा के प्रदेश महामंत्री बिहारी लाल शर्मा का नाम भी चर्चा में चल रहा है। इसके अलावा तलबगारों की बात की जाए तो उनकी भी एक लंबी सूची है।

हिमाचल प्रदेश की मंडी संसदीय सीट भी इन सीटों में शामिल है। अब यहां पर भाजपा ने अपनी किलेबंदी तय समय से पहले करने का निर्णय लिया है। हिमाचल प्रदेश की लोकसभा की यह इकलौती सीट है, जो कांग्रेस के पास है। हालांकि, यह सीट पहले भाजपा के पास ही थी, लेकिन 2021 में यहां उपचुनाव हुए थे, जिसके बाद यह सीट कांग्रेस की झोली में चली गई।सूत्र बताते हैं कि दिल्ली में जिन सीटों पर पहले प्रत्याशियों के नामों का ऐलान करने की चर्चा चल रही है। उसमें मंडी संसदीय सीट भी शामिल है। यहां पर भी तय समय से पहले प्रत्याशी के नाम का ऐलान हो सकता है। भाजपा की रणनीति है कि हारी हुई सीटों पर पहले से प्रत्याशियों को मैदान में उतारकर प्रचार को समय से पहले शुरू कर दिया जाए।मंडी संसदीय सीट पर भाजपा के टिकट के तलबगारों की एक लंबी सूची सामने आ रही है। हालांकि, सबसे पहला नाम पूर्व सीएम एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर का चल रहा है, लेकिन जयराम ठाकुर चुनाव न लड़ने की बात पहले ही कह चुके हैं। इसके अलावा पूर्व में भाजपा के प्रत्याशी रह चुके ब्रिगेडियर खुशाल ठाकुर, नगर परिषद मनाली के अध्यक्ष एवं हिप्र नगर निकाय अध्यक्ष/उपाध्यक्ष फेडरेशन के अध्यक्ष चमन कपूर, भाजपा नेता अजय राणा और पूर्व में लोकसभा का चुनाव लड़ चुके आश्रय शर्मा के नाम प्रमुख रूप से चर्चा में चल रहे हैं। ब्रिगेडियर खुशाल ठाकुर पूर्व में लोकसभा के उपचुनाव में भाजपा के प्रत्याशी रह चुके हैं लेकिन जीत हासिल नहीं कर पाए थे। ब्रिगेडियर खुशाल ठाकुर कारगिल हीरो के नाम से जाने जाते हैं। चमन कपूर मंडी और कुल्लू जिलों में अपनी अच्छी पकड़ रखते हैं, क्योंकि मंडी जिला इनकी जन्मभूमि और कुल्लू जिला इनकी कर्मभूमि है। साथ ही इनकी जगत प्रकाश नड्डा और जयराम ठाकुर के साथ भी काफी नजदीकियां हैं। आपदा के समय में भी इन्होंने लोगों की काफी ज्यादा मदद की। भाजपा नेता अजय राणा लंबे समय से टिकट के लिए संघर्ष करते आ रहे हैं। इस बार भी अजय राणा फिर से रेस में हैं। पूर्व में कांग्रेस के टिकट पर लोकसभा का चुनाव लड़ चुके आश्रय शर्मा भी भाजपा के टिकट के लिए पूरा प्रयास कर रहे हैं। आश्रय शर्मा नड्डा और जयराम ठाकुर से मिलकर अपनी बात रख चुके हैं।इसके साथ ही पूर्व सांसद महेश्वर सिंह भी टिकट की आस में हैं। लेकिन उनकी उम्र को देखते हुए ही पार्टी कोई निर्णय कर सकती है।

भारत व फिजी के संबंधों को अयोध्या से मिलेगी नई दिशा

अयोध्या (एजेंसी)। फिजी के उप प्रधानमंत्री बिमान प्रसाद ने कहा कि भारत के साथ हमारे संबंधों को अयोध्या से नई दिशा मिलेगी। फिजी का हर नागरिक यहां आकर रामलला के दर्शन करने की इच्छा रखे हुए है। श्रीराम के जीवन से मिली प्रेरणा को हम सभी ने सहेज कर रखा है। उन्हीं के दिखाए न्याय व नीति के रास्ते पर चल रहे हैं।

उप प्रधानमंत्री प्रसाद पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल के साथ अयोध्या पहुंचे। महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कहा कि फिजी का राम और रामायण से गहरा जुड़ाव है। ब्रिटिश काल में भारत से जो लोग वहां गए, वे अपने साथ रामायण और गीता लेकर गए थे। फिजी में हिंदू समाज के लोगों ने रामायण का प्रचार-प्रसार किया, यही हमारी पहचान भी बना। आज भी वहां के मंदिरों में रोज रामायण का पाठ होता है और इसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल होते हैं।

प्रसाद ने कहा कि अयोध्या प्रभु श्रीराम की जन्मभूमि है, इसकारण फिजी के सनातन धर्म को मानने वालों

के दिल और दिमाग में यह हमेशा रहती है। फिजी देश धार्मिक है। वहां दीपावली पर राष्ट्रीय अवकाश होता है। भगवान राम के वनवास से लौटने की खुशी में इस पर्व को बेहद उल्लास से मनाया जाता है। यह सौभाग्य है कि नया मंदिर बनने के बाद रामलला के दर्शन करने का अवसर मिलने जा रहा है। एयरपोर्ट पहुंचने पर उप प्रधानमंत्री का महापौर गिरीश पति त्रिपाठी, भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव सिंह व डीएम नितीश कुमार सहित अन्य जनप्रतिनिधियों व भाजपा नेताओं ने स्वागत किया। यहां से प्रसाद अयोध्या धाम के लिए रवाना हुए। रामजन्मभूमि में रामलला के दर्शन किए। साथ ही नव्य मंदिर का भ्रमण कर इसकी भव्यता को निहारा और बेहद अभिभूत नजर आए।

राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू को सुप्रीम कोर्ट से मिली राहत

माले। मालदीव के सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू को राहत प्रदान कर संसद के स्थायी आदेशों में हालिया संशोधन को टालने का आदेश दिया। दरअसल इस संशोधन से विपक्षी सांसदों के लिए राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति पर महाभियोग चलाना आसान था। संविधान के मुताबिक राष्ट्रपति या उपराष्ट्रपति के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव के लिए संसद के दो-तिहाई सदस्यों के मत की आवश्यकता होती है। हालांकि, संसद ने हाल ही में अपने स्थायी आदेशों में संशोधन किया था ताकि इसके लिए आवश्यक वोटों की संख्या कम करके महाभियोग प्रस्ताव पेश करना आसान हो सके।

मालदीव के अटॉर्नी जनरल कार्यालय ने 28 जनवरी को संशोधन पर उच्चतम न्यायालय में मामला दायर किया था। इसमें अदालत द्वारा अंतिम फैसला सुनाए जाने तक संशोधन को टालने की मांग की गई थी।

चीन में कंपनी का अजीब ऑफर, घर खरीदो और बीवी मुफ्त पाओ

बीजिंग। घर खरीदने को लेकर रियल एस्टेट कंपनी कई तरह के ऑफर लेकर आती हैं। इसमें भारी डिस्काउंट और मुफ्त रजिस्ट्री सहित कई लाभ मिलते हैं। लेकिन, इन दिनों एक ऑफर पूरी दुनिया में सुर्खियों का विषय बन गया। कंपनी का ऑफर था, 'घर खरीदो और बीवी मुफ्त पाओ। इस विज्ञापन के वायरल होने के बाद कंपनी को कड़ी फटकार लगा दी। दरअसल ऑफर चीन में एक रियल एस्टेट कंपनी ने निकाला था। चीन का रियल एस्टेट इन दिनों बहुत बुरे दौर से गुजरा रहा है, इसलिए मकानों की बिक्री बढ़ाने के लिए चीन की रियल एस्टेट कंपनी ने ऑफर निकाल दिया। चीन की सबसे बड़ी रियल एस्टेट कंपनी दिवालिया हो चुकी है। इसका असर चीन के प्रॉपर्टी मार्केट और अन्य कंपनियों पर भी पड़ा। इस संकट के बीच एक अन्य रियल एस्टेट कंपनी ने भी खुद को दिवालिया घोषित किया है। इस संकट के कारण चीन के 4 बड़े शहरों में घरों की कीमत में 11 से 14 फीसदी की गिरावट आई है, साथ ही नए घरों की बिक्री में 6 फीसदी की गिरावट देखने को मिली है। चीन के रियल एस्टेट बाजार में मच कोहराम के बीच एक टियांजिन स्थित एक कंपनी ने घरों की सेल बढ़ाने के लिए ग्राहकों को बेहूदा ऑफर दिया। इसके बाद बाजार नियामक ने कंपनी पर 4184 डॉलर, भारतीय रुपयों में करीब साढ़े 3 लाख रुपये का जुर्माना लगाया। वहीं, चीन के झिनजियांग प्रांत में एक कंपनी ने लोगों को खरीदने पर सोने की ईंट देने का वादा तक कर दिया।

लेबनान से इज़रायल पर रॉकेट दागे गए

येरूशलम । लेबनान से उत्तरी इजरायल पर करीब 30 रॉकेट दागे गए। इजरायली रक्षा बलों (आईडीएफ) ने इसकी जानकारी दी। आईडीएफ ने कहा कि उत्तरी इज़रायल के ऊपरी गलील में सायरन बजाने वाले रॉकेट खुले मैदान में गिरे। हताहतों की तत्काल कोई जानकारी नहीं मिली। रिपोर्ट के अनुसार, आईडीएफ ने रॉकेट के स्रोत पर गोलीबारी करके और दक्षिणी लेबनान के मीस अल जबल में एक घर पर हवाई हमले करके जवाबी कार्रवाई की।

पर्वतारोहियों को अपना मल बेस कैंप में लाना होगा : नेपाल

काठमांडु । माउंट एवरेस्ट पर बढ़ती पर्यावरणीय समस्याओं से निपटने के लिए नेपाल ने एक नए नियम की घोषणा की है। नये नियम के तहत पर्वतारोहियों को अपने मल को उचित निपटान के लिए बेस कैंप में वापस लाना होगा। रिपोर्ट के अनुसार, पसांग ल्हामू ग्रामीण नगरपालिका, जिसके अधीन एवरेस्ट क्षेत्र के अधिकांश हिस्से आते हैं, ने दुनिया की सबसे ऊंची चोटी पर अपशिष्ट की समस्या से निपटने के लिए नया नियम बनाया है। रिपोर्ट में पसांग ल्हामू ग्रामीण नगरपालिका के अध्यक्ष मिंगमा शेरपा के हवाले से कहा गया है कि पहाड़ों से बदबू आने लगी है। मिंगमा ने कहा, ''हमें शिकायतें मिल रही हैं कि चट्टानों पर मानव मल नजर आ रहा है और कुछ पर्वतारोही बीमार पड़ रहे हैं। यह स्वीकार्य नहीं है, इससे हमारी छवि खराब होती है।

सिंगापुर पीएम ने दंपतियों से और बच्चे पैदा करने को कहा

सिंगापुर। सिंगापुर के प्रधानमंत्री ली सीन लूंग ने शुक्रवार को देश की गिरती जन्म दर का मुकाबला करने के लिए स्थानीय कपल्स को और अधिक बच्चे पैदा करने के लिए प्रोत्साहित किया। चीनी नव वर्ष पर संदेश देते हुए उन्होंने कहा कि कई चीनी परिवार ड्रैगन वर्ष में पैदा हुए बच्चे को विशेष रूप से शुभ मानते हैं, यह युवा जोड़ों के लिए अपने परिवार में 'लिटिल ड्रैगन' जोड़ने का एक अच्छा समय है। प्रधानमंत्री ने जनता से कहा, 'मुझे उम्मीद है कि मेरा प्रोत्साहन अधिक जोड़ों को बच्चे के लिए प्रयास करने के लिए प्रेरित करेगा, हालांकि मुझे पता है कि यह निर्णय बहुत व्यक्तिगत है।' 'हम 'सिंगापुर मेड फॉर फैमिलीज' का निर्माण करेंगे और आपकी शादी और माता-पिता बनने की आकांक्षाओं का समर्थन करना जारी रखेंगे।' ली ने जोर देते हुए कहा कि स्वैच्छिक आधार पर सरकार द्वारा भुगतान किया जाने वाला पितृत्व अवकाश दो से चार सप्ताह तक दोगुना कर दिया गया है। ली ने कहा, 'जोड़े अपने मर्जी से बच्चे पैदा करने का फैसला करेंगे। मुझे विश्वास है कि वे माता-पिता बनने को एक बेहद फायदेमंद और संतुष्टिदायक यात्रा पाएंगे।'

कमांडर जनरल ऑलेक्जेंडर सिरस्की बने यूक्रेन के नए सेना प्रमुख

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने यूक्रेन के सेना प्रमुख से मुलाकात कर कहा कि किसी नए व्यक्ति का सेना का नेतृत्व करने का समय आ गया है। जेलेंस्की ने कहा कि वह सेना प्रमुख वलेरी जालुझनी को उनकी दो साल की सेवा के लिए धन्यवाद देते हैं। जेलेंस्की ने कहा कि अब सेना के नेतृत्व में बदलाव का समय आ गया है। जेलेंस्की ने सेना का नेतृत्व करने के लिए यूक्रेन की जमीनी सेना के कमांडर जनरल ऑलेक्जेंडर सिरस्की (58) को नियुक्त किया है। रूस के साथ जारी युद्ध के बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने हाल में संकेत दिया था कि वह देश के सैन्य नेतृत्व को बदलने पर विचार कर रहे हैं। सेना के शीर्ष स्तर पर बदलाव संबंधी उनके बयान ने देश की जनता और यूक्रेन के पश्चिमी सहयोगियों को चौंका दिया था।

अमेरिकी सेना ने हूती विद्रोहियों पर किए हवाई हमले

वाशिंगटन। अमेरिकी सेना ने यमन के हूती विद्रोहियों को निशाना बनाकर हवाई हमले किए हैं। अमेरिकी अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। अमेरिकी सेना के 'सेंट्रल कमांड ने बताया कि अमेरिकी सैन्य बलों ने विस्फोटकों से लदी उन चार ड्रोन नौकाओं और सात पोत रोधी क्रूज मिसाइल लॉन्चर को नष्ट कर दिया, जिनके द्वारा लाल सागर में पोतों को निशाना बनाए जाने की आशंका थी। सेंट्रल कमांड ने कहा, ''वे क्षेत्र में अमेरिकी नौसेना के पोतों और वाणिज्यिक पोतों के लिए खतरा थे। ये कदम नौवहन की स्वतंत्रता की रक्षा करने और अमेरिकी नौसेना एवं वाणिज्यिक पोतों के लिए अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र को अधिक सुरक्षित बनाने में मदद करेगा। हूती विद्रोहियों ने इस हमले में नुकसान होने की पुष्टि नहीं की है।

फुकुशिमा-दाइची परमाणु ऊर्जा संयंत्र में रेडियोधर्मी पानी का रिसाव

टोक्यों। सुनामी प्रभावित फुकुशिमा-दाइची परमाणु ऊर्जा संयंत्र में एक शोधन मशीन से रेडियोधर्मी पानी का रिसाव हो गया। हालांकि, इसके चलते कोई घायल नहीं हुआ। संयंत्र के अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विकिरण की निगरानी से पता चला कि रिसाव का बाहरी वातावरण पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। संयंत्र का संचालन करने वाली 'तोक्यो इलेक्ट्रिक पावर कंपनी होल्डिंग्स ने बताया कि दूषित पानी से मुख्य रूप से सीजियम और स्ट्रोंशियम को हटाने के लिए डिजाइन की गई शोधन मशीन 'सेरी' में वाल्व की जांच के दौरान सुबह एक कर्मचारी को इस रिसाव का पता चला।

लाटीविया में भारी बर्फबारी के कारण चारों ओर बर्फ ही नजर आयी। ऐसी ही एक बर्फ से ढ़की सड़क पर निकलते हुए लोग।

अंतर्राष्ट्रीय कानून के अनुरुप शांति के लिए काम करें : गुटेरेस

न्यूयॉर्क। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने न्यायसंगत शांति के लिए एकजुट होने का आह्वान किया है। गुटेरेस न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में अपनी 2024 प्राथमिकताओं पर मीडिया से चर्चा करते हुए कहा, कि यह जरुरी है कि हम न्यायसंगत और शांति के लिए काम करें, लेकिन संयुक्त राष्ट्र चार्टर और अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुरूप शांति के लिए काम करें। महासचिव गुटेरेस ने कहा, कि कल, मैंने इस वर्ष और उसके आगे की प्राथमिकताओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए महासभा में अपना बयान दिया था। यह एक लंबा और विस्तृत एजेंडा है, लेकिन विभिन्न चुनौतियाँ एक कड़ी के रुप में एक दूसरे से जुड़ी हुई हैं। ऐसे में इन तमाम कड़ियों के सभी आयामों में शांति की आवश्यकता है, क्योंकि शांति वह बंधन है जो सभी को बांधता है। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने इस बात पर जोर देते हुए आह्वान किया, यह राष्ट्रों के बीच गंभीरता पूर्वक की जाने वाली बातचीत, पुरानी संस्थाओं में सुधार और बहुपक्षीय शासन के प्रभावी, नवीनीकृत और समावेशी तंत्र के साथ बहुध्रुवीयता को अपनाएं। अंत में गुटेरेस ने कहा, कि चुनौतियाँ कठिन हैं, रास्ता भी जटिल है, लेकिन शांति, एकता और कार्रवाई का आह्वान संयुक्त राष्ट्र में अंदर और उसके बाहर प्रमुखता से गूंजता है।

पाकिस्तान के इतिहास में पहली बार बिगड़ा सेना का खेल... इमरान की पार्टी कर रही बेहतर प्रदर्शन

सेना प्रमुख के इशारे पर चुनाव परिणाम घोषित नहीं किए जा रहे

इस्लामाबाद, (एजेंसी)। पड़ोसी देश पाकिस्तान में इनदिनों बड़ी हलचल हो रही है। नेशनल असेंबली और प्रांतीय विधानसभा चुनावों के नतीजे जारी करने में चुनाव आयोग को देरी हो रही है। वहीं अनुमानों के एकदम विपरीत जेल में बंद पूर्व पीएम इमरान खान की पार्टी बेहतर प्रदर्शन कर रही है। चुनाव के ताजा रुझानों के मुताबिक इमरान की पार्टी पीटीआई पंजाब और खैर पख्तुनख्वा प्रांत में बड़ी जीत की ओर बढ़ रही है, जबकि सिंध प्रांत में बिलावल भुट्टो की पार्टी पीपीपी अच्छा प्रदर्शन कर रही है। वहीं बलूचिस्तान में चुनाव के मिले-जुले नतीजे और रुझान आ रहे हैं।

15 घंटों से ज्यादा समय बीतने के बाद भी चुनाव आयोग अभी तक नेशनल असेंबली की सिर्फ 24 सीटों पर ही नतीजे घोषित कर चुका है। इसमें 10 सीटों पर इमरान खान की पीटीआई और उनके समर्थित निर्दलीय उम्मीदवारों की जीत हुई है, जबकि आठ सीटों पर नवाज शरीफ की पार्टी पीएमएल-एन और पांच सीटों पर पीपीपी की जीत हुई है। एक सीट पर अन्य की जीत हुई है।

पाकिस्तान चुनाव आयोग पर जानबूझकर नतीजों में देरी करने का आरोप लग रहा हैं। इसके पीछे पाकिस्तानी सेना के प्रमुख जनरल असीम मुनीर का खेल बताया जा रहा है। पाकिस्तान में सेना लंबे समय से चुनावों में खेल करती रही है। कहा जाता रहा है कि

पाकिस्तान सेना जिसके साथ होती है, पाकिस्तान में उसी पार्टी की सरकार बनती है। 2018 तक इमरान पाक सेना के प्लेब्वॉय हुआ करते थे लेकिन जब सेना से उनके रिश्ते बिगड़े, तब उन्हें अप्रैल 2022 में प्रधानमंत्री पद गंवाना पड़ा था।

फिलहाल नवाज को पाक सेना की पसंद माना जा रहा है, लेकिन पाकिस्तानी अवाम ने उन्हें ज्यादा पसंद नहीं किया। सूत्र बता रहे हैं कि पाक सेना में भी इमरान खान को पसंद करने वालों की ज्यादा तादाद है। इसके अलावा युवाओं और महिलाओं पर इमरान खान का जादू चढ़कर बोला है। इमरान की पार्टी का ऐसा प्रदर्शन तब देखने को मिल रहा है, जब चुनाव आयोग ने उसके क्रिकेट बल्ला का चुनाव चिह्न उससे छीन लिया है। खुद इमरान खान और पार्टी के कई बड़े नेता जेल में बंद हैं। इसके अलावा चुनाव के दिन इंटरनेट बैन कर दिया गया था।

पाकिस्तान के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ हैं, जब पाकिस्तानी सेना का पूर्व नियोजित खेल बिगड़ा है। ऐसी सूरत में इसकी आशंका बढ़ गई है कि अगर इमरान खान की पार्टी बहुमत हासिल नहीं कर पाती है और सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरती है तब सेना इमरान की पार्टी को सत्ता तक पहुंचने से रोक सकती है। आशंका इसकी भी है कि अगर सेना ने ऐसा करने से रोका तब पाकिस्तान में गृहयुद्ध भड़क सकता है। दूसरी संभावना है कि सेना के इशारे पर नवाज शरीफ और बिलावल भुट्टो की पार्टी मिलकर सरकार बना सकती है।

पीटीआई ने सरकार बनाने के लिए पीपीपी, पीएमएल(एन) के साथ गठबंधन से किया इनकार

इस्लामाबाद। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने शुक्रवार को दावा किया कि वह केंद्र में सरकार बनाएगी, और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) और पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के साथ गठबंधन करने से इनकार कर दिया। पीएमएल (एन) नेता इशाक डार के इस दावे पर कि चुनाव में जीत हासिल करने वाले स्वतंत्र उम्मीदवारों ने उनकी पार्टी से संपर्क किया है, पीटीआई प्रमुख गोहर खान ने कहा कि स्वतंत्र उम्मीदवार पीटीआई के हैं और दावा किया कि वे किसी अन्य पार्टी में शामिल नहीं होंगे। पीटीआई प्रमुख ने जियो न्यूज को बताया, 'हम पीपीपी या पीएमएल-एन के संपर्क में नहीं हैं और उनके साथ गठबंधन सरकार बनाने का इरादा भी नहीं रखते हैं।' उन्होंने कहा, पीटीआई 150 से अधिक नेशनल असेंबली सीटें जीत रही है और केंद्र में सरकार बनाएगी।

अमेरिका, नाटो और यूरोप को पता चल गया कि रुस की ताकत क्या हैं : पुतिन

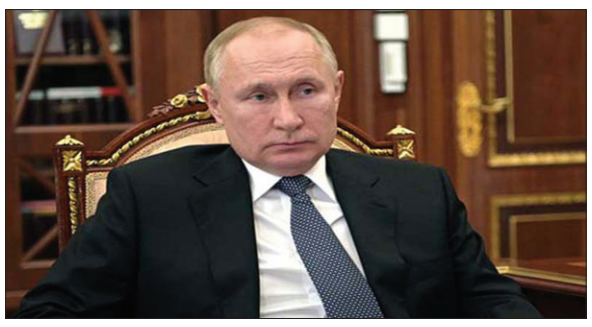

-ट्रंप के राष्ट्रपति बनाते ही जंग खत्म हो जाएगी

मॉस्को (एजेंसी)। रुसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा है कि यूक्रेन में रूस को हराना नामुमकिन है। इस सच को नाटो को भी स्वीकार कर लेना चाहिए। फरवरी 2022 में यूक्रेन पर किए गए हमले का बचाव करते हुए उन्होंने कहा कि पश्चिमी देशों की मदद लेने के बाद भी रूस को हराया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा अमेरिका, नाटो और यूरोप को भी पता चल गया है कि रूस की ताकत क्या है।

अपने दो घंटे के इंटरव्यू के दौरान कार्लसन ने पुतिन से कई सवाल पूछे। उन्होंने पूछा कि क्या रूस पोलैंड और लातविया पर भी हमला करने की योजना बना रहा है। इसपर पुतिन ने कहा, पोलैंड और लातविया में मेरी कोई रुचि नहीं है। ये दोनों देश ही नहीं, हमें किसी और देश में कोई रुचि नहीं है। युद्ध एक ही स्थिति में हो सकता है। अगर पोलैंड हमला कर दे तब रूस जबाव देगा। बता दें कि पोलैंड और लातविया भी नाटो के सदस्य देश हैं।

कार्लसन ने इवान गेरशकोविच के बारे में भी सवाल किया कि क्या उन्हें रिहा किया जा सकता है। इस पर पुतिन ने कहा, इस मामले को सुलझाने में कोई दिक्कत नहीं है। हम चाहते हैं कि इसका कोई समाधान निकले और स्पेशल चैनल के जरिए बात चल भी रही है। जल्द ही इसका समाधान निकलना चाहिए। बता दें कि रिपोर्टर को जासूसी के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया था। हालांकि जासूसी की बात को खारिज किया था। पुतिन ने कहा, अमेरिका बार-बार कहता है कि युद्ध रुकना चाहिए। लेकिन वास्तव में अगर वह चाहता है कि युद्ध रुक जाए, तब उन्हें यूक्रेन को हथियारों की सप्लाई बंद कर देनी चाहिए। वहीं अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव के बारे में भी बात करते हुए पुतिन ने कहा, ऐसा लग रहा है कि वहां परिवर्तन होने वाला है।

मैं या कमला हैरिस, निक्की हेली का बड़ा दावा, 2024 में अमेरिका को मिलने वाली है पहली महिला राष्ट्रपति

वाशिंगटन (एजेंसी)। डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ पार्टी के नामांकन की दौड़ में बची एकमात्र रिपब्लिकन उम्मीदवार पूर्व संयुक्त राष्ट्र राजदूत निक्की हेली ने कहा है कि अमेरिका में 2024 में एक महिला राष्ट्रपति होगी, और यह या तो वह होंगी या कमला हैरिस, दोनों भारतीय मूल की हैं। नेवादा और यूएस वर्जिन आइलैंड्स में जीत के बाद ट्रम्प प्राथमिक दौड़ में अपराजित बने हुए हैं। हेली ने कहा है कि वह नेवादा में शर्मिंदगी के बाद भी व्हाइट हाउस की दौड़ में बनी रहेंगी और सर्वेक्षण में दिखाया गया है कि वह अपने गृह राज्य दक्षिण कैरोलिना में बुरी तरह पिछड़ रही हैं, जहां 24 फरवरी को अगला रिपब्लिकन प्राइमरी है। 52 वर्षीय भारतीय-अमेरिकी रिपब्लिकन राजनेता ने फॉक्स न्यूज को बताया यह इस तथ्य के बारे में है कि हम संयुक्त राज्य अमेरिका की एक महिला राष्ट्रपति बनने जा रहे हैं, और या तो वह मैं होंगी या कमला हैरिस होंगी। हेली ने कहा कि उन्होंने ट्रंप को दो

बार वोट दिया और संयुक्त राष्ट्र के राजदूत के रूप में उनके प्रशासन में सेवा करने पर उन्हें गर्व है। लेकिन अराजकता उसका पीछा करती है। हम एक अव्यवस्था वाला देश और जलती हुई दुनिया नहीं बन सकते हैं और अगले चार वर्षों तक अराजकता से गुज़र सकते हैं। हम इससे बच नहीं पाएंगे। उन्होंने कहा कि ट्रंप आम चुनाव नहीं जीत सकते। यह एक तथ्य है। हम 2018 में हार गए। हम 2020 में हार गए। हम 2022 में हार गए। उसके पास अभी भी एक साल के अदालती मामले हैं... वह जो कुछ भी छूता है वह अराजकता है, और हम हारते रहते हैं।

नवाज को झटका: निराश होकर देर रात ही छोड़ा दफ्तर, अब विदेश की तैयारी

इस्लामाबाद (एजेंसी)। चुनावी नतीजों के ताजा रुझानों से पूर्व पीएम नवाज शरीफ को डबल झटका लगा है। उनकी पार्टी का प्रदर्शन आशा के अनुरूप होता नहीं दिख रहा है। दूसरा वह दोनों सीटों पर पीछे चल रहे हैं। इस बीच, नवाज शरीफ के भाई और पूर्व प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ चुनाव जीत गए हैं। पाकिस्तान के चुनाव आयोग के हवाले से कहा गया है कि शहबाज शरीफ ने लाहौर की एनए-123 सीट पर 63,953 वोटों से जीत दर्ज की है। उधर, खबर है कि चुनावी निराशा से परेशान होकर नवाज शरीफ ने देर रात ही पार्टी का दफ्तर छोड़ दिया है। अब इस बात की आशंका जताई जा रही है कि वह फिर से विदेश भाग सकते हैं। इमरान खान के समर्थकों ने दावा किया है कि उनकी पार्टी 154 सीटों पर बढ़त बनाए हुए है। पीटीआई ने यह भी दावा किया है कि नवाज शरीफ नेशनल असेंबली की मनसेहरा और लाहौर दोनों सीटों से हार रहे हैं। पाकिस्तान में सोशल मीडिया पर इस वक्त कई पोस्ट वायरल हो रहे हैं। इनमें दावा किया जा रहा है कि आज रात तक नवाज शरीफ लंदन भाग जाएंगे। हालांकि, डॉन ने इस दावे को गलत बताया है।

पीएमएल-एन प्रमुख नवाज शरीफ लाहौर के एनए-130 सीट पर पीटीआई समर्थित स्वतंत्र उम्मीदवार डॉ यास्मीन राशिद से पीछे चल रहे हैं। इसी तरह, पीपीपी प्रमुख बिलावल भुट्टो जरदारी लाहौर के एनए-127 सीट पर पीछे चल रहे हैं। हालांकि, शरीफ के छोटे भाई शहबाज लाहौर के एनए-123 क्षेत्र में अपने प्रतिद्वंद्वियों से आगे हैं। पीटीआई के उपाध्यक्ष शाह महमूद कुरैशी की बेटी मेहर बानो कुरैशी एनए-151 (मुल्तान) में अपने प्रतिद्वंद्वियों से आगे हैं। बता दें कि जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार देश भर के कई निर्वाचन क्षेत्रों में आगे चल रहे हैं। वे पंजाब प्रांत में भी पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की पार्टी पीएमएल-एन को कड़ी चुनौती दे रहे हैं, जो शरीफ का गढ़ माना जाता है। मतगणना के शुरुआती रुझानों से यह जानकारी सामने आई है।

71 वर्षीय इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के उम्मीदवार निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ रहे हैं क्योंकि उच्चतम न्यायालय ने उनकी पार्टी को उसके चुनाव चिह्न क्रिकेट का बल्ला से वंचित करने के चुनाव आयोग के

फैसले को बरकरार रखा था। खान और जेल में बंद अन्य प्रमुख राजनीतिक हस्तियों ने अडियाला जेल से डाक मतपत्रों के माध्यम से मतदान किया। पाकिस्तान में नई सरकार बनाने के लिए किसी भी पार्टी को 265 सीट में से 133 सीट जीतनी होंगी। नेशनल असेंबली की 336 सीटों में से 266 पर ही मतदान कराया जाता है। फिलहाल बाजौर में, हमले में एक उम्मीदवार की मौत हो जाने के बाद वहां मतदान स्थगित कर दिया गया है।

जिसके लिए मोदी ने मुड़वाया था प्लेन, उसने लाहौर सीट 55,000 से अधिक वोटों से जीता

नयी दिल्ली (एजेंसी)। 24 दिसंबर 2015 की रात, जब पाकिस्तान के 21 करोड़ लोग सोए तो उन्हें भनक तक नहीं थी कि अगले दिन पड़ोस से अचानक एक मेहमान आएगा, जिससे पूरी दुनिया की निगाहें उनके मुल्क पर टिक जाएंगी। 25 दिसंबर को शाम 4 बजकर 20 मिनट पर लाहौर के अल्लामा इकबाल एयरपोर्ट पर भारतीय वायुसेना का बोइंग 737 विमान लैंड करता है। इसमें भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी थे। ऐसा मौका 10 साल बाद आया था, जब पाकिस्तान की सरजमीं पर भारत का प्रधानमंत्री पहुंचा था। उन्हें रिसीव करने के लिए सारे प्रोटोकॉल तोड़ खुद तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ एयरपोर्ट पहुंचे। इस दिन उनका जन्मदिन भी था। इसके नौ साल बाद पाकिस्तान में हिंसा और इंटरनेट बंद होने के कारण हुए मतदान के एक दिन बाद वोटों की गिनती जारी है। पाकिस्तान ने गुरुवार को अपनी नई सरकार चुनने के लिए मतदान किया। तीन सीटें दिवंगत प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो के बेटे बिलावल भुट्टो जरदारी की पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी ने ले लीं। 12 करोड़ से अधिक मतदाताओं को वोट डालने में सक्षम बनाने के लिए देशव्यापी सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया था। मतदान के बाद वोटों की गिनती शुरू हुई और अनिवार्य एक घंटे का प्रतिबंध समाप्त होने के बाद अलग-अलग मतदान केंद्रों से नतीजे आने शुरू हो गए।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधान मंत्री नवाज शरीफ ने लाहौर में यास्मीन राशिद के खिलाफ 55,000 से अधिक वोटों से जीत हासिल की। इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ ने शुक्रवार को कहा कि अभूतपूर्व मतदान ने पूरी व्यवस्था को स्तब्ध कर दिया है और चुनाव परिणामों को बदलने÷के प्रयास किए जा रहे हैं। खान की पीटीआई ने आरोप लगाया कि पार्टी की ऐतिहासिक जीत के डर से अब चुनाव परिणाम रोके जा रहे हैं। पार्टी ने शुक्रवार को एक्स पर पोस्ट किया, तहरीक-ए-इंसाफ के समर्थकों ने ऐतिहासिक मतदान से पूरे सिस्टम को हैरान और चिंतित कर दिया है, तहरीक-ए-इंसाफ की ऐतिहासिक जीत के डर से अब परिणाम रोक रहे हैं और फॉर्म 45 में बदलाव कर रहे हैं।

संयुक्त राष्ट्र प्रमुख एंटोनियो गुटेरेस ने शुक्रवार को राजनीतिक नेताओं और समाज के वर्गों से शांत माहौल बनाए रखने का आग्रह किया क्योंकि चुनाव के नतीजे सामने आ रहे हैं। एसोसिएटेड प्रेस ऑफ पाकिस्तान को दिए एक बयान में महासचिव ने कहा कि जैसा कि पाकिस्तान चुनाव के नतीजों का इंतजार कर रहा है, मैं सभी राजनीतिक नेताओं और समाज के वर्गों को शांत माहौल बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित करता हूं।

पवन कल्याण की फिल्म ओजी की रिलीज डेट से उठा पर्दा, विलेन बन छाने को तैयार इमरान हाशमी

साउथ सुपरस्टार पवन कल्याण बीते लंबे समय से अपनी आगामी फिल्म ओजी को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। इस फिल्म से इमरान हाशमी अपने तेलुगु डेब्यू के लिए तैयार हैं। फिल्म की पहली झलक सामने आने के बाद से ही फैंस इसकी रिलीज डेट की घोषणा का इंतजार कर रहे थे। हालांकि, अब इंतजार खत्म हो गया है। निर्माताओं ने आधिकारिक घोषणा कर दी है। मूवी इसी साल पर्दे पर धमाल मचाने आ रही है।

पवन कल्याण-इमरान हाशमी की फिल्म का निर्माण कर रहे डीवीवी ने फिल्म से जुड़ा एक पोस्टर साझा किया। साथ ही इसकी रिलीज डेट की भी घोषणा कर दी। प्रोडक्शन हाउस ने एक्स पर पोस्टर के साथ लिखा, ओजी, 27 सितंबर, 2024 को आएगा। पोस्टर भी बेहद दिलचस्प है। इसमें साउथ सुपरस्टार हाथ में चाय का गिलास पकड़े नजर आ रहे हैं, जो कि उनकी राजनीतिक पार्टी का भी प्रतीक है।

ओजी की स्टारकास्ट

ओजी की बात करें तो इस फिल्म में पवन कल्याण के अलावा इमरान हाशमी, प्रियंका अरुल मोहन, अर्जुन दास, प्रकाश राज, श्रिया रेड्डी, हरीश उथमन, अभिमन्यु सिंह, अजय घोष और सुभलेखा सुधाकर जैसे कई कलाकार शामिल हैं। ओजी के साथ इमरान हाशमी अपना तेलुगु डेब्यू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। मूवी में वह मुख्य विलेन की भूमिका निभाएंगे। वहीं, ओजी की कहानी की चर्चा करें तो यह एक एक गैंगस्टर ड्रामा है। फिल्म की कहानी मुंबई माफिया के इर्द गिर्द घूमती है।

पवन कल्याण का वर्कफंट

27 सितंबर को अपनी रिलीज के लिए तैयार फिल्म ओजी में नवीन नूली का संपादन, थमन एस का संगीत और रवि के चंद्रन की सिनेमैटोग्राफी देखने को मिलेगी। फिल्म की कहानी सुजीत ने लिखी है। साथ ही उन्होंने ही इसका निर्देशन भी किया है। वहीं, पवन कल्याण के वर्कफंट की बात करें तो, वह हरीश शंकर के साथ उस्ताद भगत सिंह नामक फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं, जो इस साल स्क्रीन पर आएगी।

मर्दों की तुलना में औरतों की कामयाबी को कम सेलिब्रेट किया जाता है

मराठी फिल्मों की अवॉर्ड विनिंग जानी-मानी एक्ट्रेस सई ताम्हणकर ने हिंदी सिनेमा में भी खासा काम किया है। एक समय कबड्डी प्लेयर रह चुकी सई ने जब एक्टिंग की राह पकड़ी तो एक्ट्रेस के रूप में काफी उल्लेखनीय काम किया। इन दिनों वे चर्चा में हैं जल्द ही ओटीटी पर आने वाली फिल्म भक्षक को लेकर।

आप हमेशा से एक बेबाक और बिंदास एक्ट्रेस रही हैं। आपको कभी अपनी साफगोई का खामियाजा भुगतना पड़ा है?

इस मुद्दे पर मैं यही कहना चाहूंगी आप अपनी शर्तों पर जी सकते हैं, अपनी मेहनत के बलबूते पर सफलता हासिल कर सकते हैं, मगर आपको डटे रहना होगा, मैं ये मजबूत संदेश आने वाली पीढ़ी को जरूर देना चाहूंगी। कई महिलाएं इसे साबित भी कर चुकी हैं। ये सच है कि जिंदगी में कोई भी बात इतनी आसान नहीं होती। हम औरतों को हर चीज के लिए झगड़ना ही पड़ता है। हमें हर चीज के लिए थोड़ा सहना पड़ता है, मगर जब उसका अच्छा फल मिलता है। तब आप संतुष्टि फील करते हैं। मुझे लगता है कि हर चीज की अपनी जर्नी होती हैं और उस जर्नी से आपको गुजरना पड़ता है, मगर उस सफर में अपना पक्ष रखें जरूरी होता है।

मराठी सिनेमा हो या हिंदी आपने सशक्त अभिनेत्री होने के नाते अपनी फिल्मों में महिला किरदारों की आवाज मजबूत की है। मगर महिला महिला के रूप में आपको सबसे ज्यादा तकलीफ किस बात पर होती है?

मुझे कभी-कभी लगता है कि जिस तरह पुरुषों की सफलता को सेलिब्रेट किया जाता है, उस तरह से महिलाओं की कामयाबी का जश्न नहीं मनाया जाता। जब कोई लड़की गहरी या गंभीर बात करे, तब उसे संजीदगी से नहीं लिया जाता। मेरी ये शिकायत है, समाज से कि ऐसा क्यों? यह मर्दों की दुनिया है और फीस को लेकर भी हमें कम पैसे दिए जाते हैं और लड़कों को ज्यादा, तो ये बात भी बहुत सताती है। मुझे लगता है, ये हाइ टाइम है, जब इस मुद्दे पर बात होनी चाहिए। इस पर बात होगी, तो दबाव बनेगा और मुझे उसका इंतजार है कि कब ये हालात बदलेंगे?हालांकि बदलाव आ चुका है। प्रियंका चोपड़ा को सिटाडेल सीरीज में अपने मेल एक्टर जितनी ही फीस मिली थी, मगर इस बदलाव को पूरी तरह से आने में अभी वक्त लगेगा।

आप भक्षक से जुड़ने को क्यों प्रेरित हुईं? आप समाज में महिलाओं के लिए सबसे बड़ा भक्षक किसे मानती हैं?

ह्यूमन ट्रेफिकिंग पर आधारित यह विषय और इसका प्रोजेक्ट मुझे काफी जानदार लगा। हमारे पास ऐसे प्रोजेक्टस कम ही आते हैं, जिसमें हमें समाज को लौटाने का मौका मिले। मेरे लिए ये उस तरह का प्रोजेक्ट है। मुझे लगता है, हर वो व्यक्ति जो समाज का, नेचर का नुकसान करने पर तुला हो, भक्षक है। मैं इसमें महिला-पुरुष का विभाजन नहीं करना चाहूंगी। हर वो व्यक्ति जो समाज का दुश्मन है, मेरे लिए भक्षक से कम नहीं। जो लोग समाज में अशांति फैलाते हैं, वो भी मेरी नजर में भक्षक ही हैं।

इस फिल्म में भूमि पेडनेकर, संजय मिश्रा और आदित्य श्रीवास्तव के साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा?

अभिनेत्री के रूप में मैं उनकी काफी इज्जत करती हूं और जिस तरह के काम वे चुनती हैं, वो भी काबिले तारीफ होते हैं। उनके साथ काम करने का अनुभव काफी यादगार रहा। संजय मिश्रा काफी सशक्त अभिनेता हैं। जब भी कैमरा ऑन होता है, तब वे अलग आदमी बन जाते हैं। उस वक्त लगता है कि मैं बस उन्हें देखती - सुनती रहूं। आदित्य श्रीवास्तव भी आला दर्जे के कलाकार हैं। इन सभी सीनियर के साथ काम करने में मजा आया। इनकी मौजूदगी का गवाह बनना और इनके साथ काम करने का मौका मिलना फख्र की बात है।

आलिया भट्ट ने क्राइम सीरीज पोचर को बताया काफी प्रभावशाली

एक्ट्रेस आलिया भट्ट रिची मेहता द्वारा बनाई गई क्राइम सीरीज पोचर में कार्यकारी निर्माता के रूप में नजर आएंगी। उन्होंने कहा कि इसका प्रभाव बेहद व्यक्तिगत था और एमी-पुरस्कार प्राप्त फिल्म निर्माता द्वारा वन्यजीव अपराध के तत्काल मुद्दे का चित्रण उन पर गहरा प्रभाव डालता है। पोचर के लिए कार्यकारी निर्माता के रूप में आने के बारे में बात करते हुए, आलिया ने साझा किया, इस अविश्वसनीय रूप से महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना मेरे और इटरनल सनशाइन प्रोडक्शंस की पूरी टीम के लिए सम्मान की बात है। पोचर का प्रभाव बेहद व्यक्तिगत था और वन्यजीव अपराध के जरूरी मुद्दे पर रिची का चित्रण मुझे और टीम को बहुत पसंद आया। उन्होंने आगे कहा, कि स्टोरीटेलिंग ने वास्तव में मुझे प्रभावित किया, खासकर यह जानकर कि यह सच्ची घटनाओं पर आधारित है, जो हमारे जंगलों में होने वाले वरूर अपराधों पर प्रकाश डालती है। मुझे विश्वास है कि पोचर आंखें खोलने का काम करेगी और सभी जीवित प्राणियों के प्रति अधिक दयालु और विचारशील होने का एक शक्तिशाली संदेश देगी।

एनिमल की सफलता के बाद फीस बढ़ाने की खबरों पर बोलीं रश्मिका

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना इन दिनों अपनी हाल ही में रिलीज हुई फिल्म एनिमल की दमदार सफलता का जश्न मना रही हैं। फिल्म में वे बॉलीवुड अभिनेता रणबीर कपूर और बॉबी देओल के साथ नजर आई थीं। गीतांजलि के रूप में रश्मिका के अभिनय को भी खूब सराहा गया था। हालांकि, हाल ही में ऐसी खबरें आईं कि एनिमल की सफलता के बाद रश्मिका ने अपनी फीस बढ़ा दी है। अब इन खबरों पर रश्मिका ने चुप्पी तोड़ी है और फीस को लेकर सच्चाई का खुलासा किया। अभिनेत्री को संदीप रेड्डी वांगा निर्देशित फिल्म में उनके प्रदर्शन के लिए दर्शकों और फिल्म समीक्षकों से मिश्रित समीक्षा मिली है। यह भी खबर आई थी कि रश्मिका ने अपनी फीस बढ़ा दी है और कहा गया था कि वे प्रति फिल्म चार से 4.5 करोड़ रुपये चार्ज करेंगी। हालांकि, आज मंगलवार, छह फरवरी को अभिनेत्री ने एक्स पर एक फिल्म पोर्टल की पोस्ट पर प्रतिक्रिया दी और कहा कि ये खबरें सच नहीं हैं। इन अफवाहों पर पलटवार करते हुए रश्मिका ने लिखा, मुझे आश्चर्य है कि ये सब कौन कहता है। ये सब देखने के बाद मुझे लगता है कि मुझे वास्तव में इस पर विचार करना चाहिए और अगर मेरे निर्माता पूछते हैं कि क्यों तो मैं बस यही कहूंगी कि मीडिया ऐसा कह रहा है और मुझे लगता है कि मुझे उनकी बातों पर खरा उतरना चाहिए, मैं क्या करूं? इससे पहले रश्मिका ने एनिमल में निभाए अपने गीतांजलि की भूमिका का समर्थन किया था।

चोक्ड के बाद फिर साथ काम करेंगे सैयामी खेर और अनुराग कश्यप

अभिनेत्री सैयामी खेर और फिल्म निर्देशक अनुराग कश्यप ने एक साथ 2020 में रिलीज हुए नेटफ्लिक्स फिल्म चोक्ड में काम किया था। अब एक बार फिर सैयामी और अनुराग ने अपने अगले प्रोजेक्ट के लिए हाथ मिलाया है। चोक्ड में अपने सहयोग की शानदार सफलता के बाद दोनों अगले प्रोजेक्ट की तैयारी कर रहे हैं। चोक्ड की कहानी की बात करें तो यह 2016 के दौरान हुई नोटबंदी के दौर पर आधारित एक मनोरंजक फिल्म थी। फिल्म की कहानी और इसके कलाकारों के शानदार प्रदर्शन को दर्शकों ने खूब सराहा। सेट पर सैयामी खेर और अनुराग कश्यप के बीच अभिनेत्री-निर्देशक जोड़ी का तालमेल देखने लायक था और अब यह जोड़ी एक बार फिर बड़े पर्दे पर जादू बिखेरने के लिए तैयार है।

जल्द करेंगे आधिकारिक घोषणा

रिपोर्ट्स के अनुसार, सैयामी खेर और अनुराग कश्यप अपने अगले प्रोजेक्ट की आधिकारिक घोषणा करने की योजना बना रहे हैं और जल्द ही वे इसका एलान कर देंगे। सैयामी और अनुराग न केवल पेशेवर रूप से जुड़े हुए हैं, बल्कि वे दोस्ती का एक मजबूत बंधन भी साझा करते हैं। अब दर्शकों को उनके अगले प्रोजेक्ट का बेसब्री से इंतजार है।

अनुराग को पसंद आई थी घूमर

चोक्ड के लिए अनुराग कश्यप और सैयामी खेर को खूब प्रशंसा मिली ही। सैयामी खेर को आखिरी बार अभिषेक बच्चन के साथ फिल्म घूमर में देखा गया, जिसमें उनके अभिनय को भी खूब सराहा गया था। फिल्म ने हाल ही में तीन पुरस्कार भी जीते। जब घूमर का फिल्म महोत्सव में प्रीमियर हुआ तो अनुराग मेलबर्न में मौजूद थे और उन्होंने अपनी प्रशंसा व्यक्त की थी। अब दोनों जल्द ही एक साथ आकर फिर अपना जादू बिखेरेंगे।

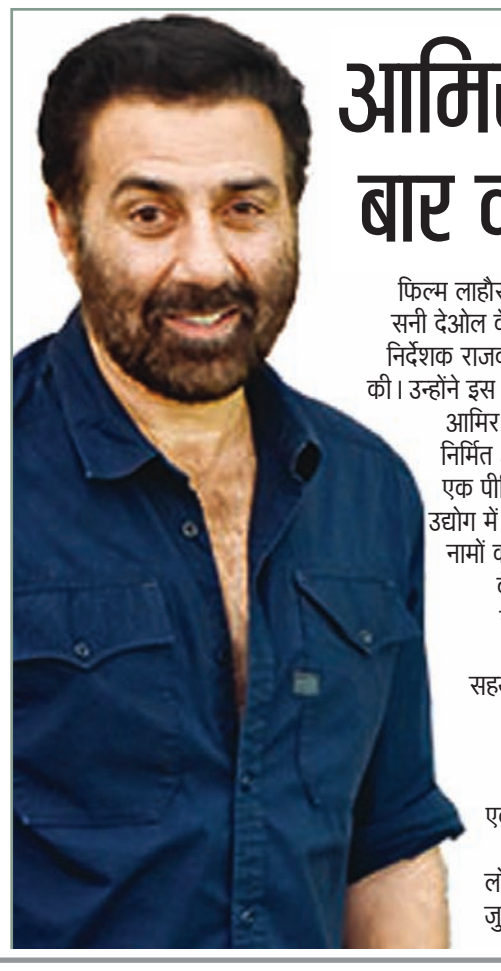

आमिर खान के साथ पहली बार काम करेंगे सन्नी देओल

फिल्म लाहौर 1947 में आमिर खान और सनी देओल के साथ काम करने को लेकर निर्देशक राजकुमार संतोषी ने खुलकर बात की। उन्होंने इस सहयोग को विशेष बताया है। आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले निर्मित आगामी फिल्म लाहौर 1947 एक पीरियड फिल्म है, जो मनोरंजन उद्योग में सबसे प्रमुख और रचनात्मक नामों का दावा करती है। इस फिल्म के लिए पहली बार राजकुमार संतोषी, सनी और आमिर की तिकड़ी साथ आ रही है। इस सहयोग के बारे में बात करते हुए राजकुमार ने बताया, लाहौर 1947 एक बहुत ही खास फिल्म है, यह मेरे करियर में एक बहुत ही महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट है। यह सबसे प्रतिभाशाली लोगों के साथ एक बार फिर से जुड़ने का मौका है। मैंने आमिर के साथ अंदाज़ अपना अपना में काम किया था और इस बार वह एक निर्माता के रूप में सहयोग कर रहे हैं। सनी देओल के साथ मैंने घायल, दामिनी और घातक जैसी सबसे पसंदीदा फिल्में बनाई। इतनी बड़ी फिल्म के लिए, मैं एआर रहमान के अलावा किसी और के बारे में नहीं सोच सकता। राजकुमार ने कहा, मेरे और जावेद अख्तर के बीच रिश्ते बेहतरीन रहे हैं। ऐसे में इस फिल्म के साथ बतौर गीतकार उनका जुड़ना बेहद खुशी की बात है। उन्होंने कहा कि फिल्म की शूटिंग जल्द ही शुरू की जाएगी।

लकड़बग्घा-2 की शूटिंग की स्थगित, पैटरनिटी लीव पर गए अंशुमन झा

एक्टर अंशुमन झा ने अपनी पत्नी सिएरा की गर्भावस्था के चलते लकड़बग्घा-2 के दूसरे पार्ट की शूटिंग एक महीने के लिए स्थगित कर दी है। सीक्वल अब अप्रैल की बजाय जून में जारी किया जाएगा। फिल्म की शूटिंग अब एक महीने या उससे अधिक समय बाद इंडोनेशिया में होगी। अंशुमन डिलीवरी से पहले, अपनी पत्नी के साथ रहने के लिए नौ सप्ताह के पैटरनिटी लीव पर जा रहे हैं, उन्होंने कहा यहां मैं अपने दिल की बात सुन रहा हूं। मैं इस समय सिएरा के साथ रहने को प्राथमिकता देना चाहता हूं। पिछले छह हफ्तों में और डिलिवरी के बाद कम से कम एक महीने तक उसके साथ रहना है। उन्होंने आगे कहा, मूल रूप से मुझे दो सप्ताह में लौटना था, लेकिन यह हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण क्षण है और उसके साथ रहना बाकी सभी चीजों से ऊपर है। लकड़बग्घा-2 के दूसरे पार्ट को प्रसिद्ध लेखक सौरव घोष ने लिखा है। लकड़बग्घा 2023 में रिलीज हुई थी। इसमें रिद्धि डोगरा, परेश पाहुजा और मिलिंद सोमन भी हैं।